



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1975 (अग्रहायण 8, 1897)  
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1975 (AGRAHAYANA 8, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं० पी०/1864-प्रशासन-I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा की अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी राजा राम भण्डारी ने 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा 1-9-75 से 20-9-75 तक 20 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री आर० आर० अहीर ने 20 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

3. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 20 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० 11/6(15)/73-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, श्री सुभाष चन्द्र मित्रा, निरीक्षक, केन्द्रीय सीमा-शुल्क तथा उत्पाद-शुल्क को दिनांक 1-10-1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

उनकी प्रतिनियुक्ति समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 10(24) ई-III/60, दिनांक 4-5-1961 के अनुसार विनियमित होगा।

सं० 35018/15/75-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री मृणाल कान्ति सरकार, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल पुलिस को दिनांक 1-10-1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा में पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे, प्रशासन अधिकारी (लेखा)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

## गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० डी० 1-2/75-स्थापना—श्री एस० के० बोस के भारतीय तिब्बतीय सीमा पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर संयुक्त सहायक निदेशक (बेतार) के पद पर स्थानापन्न होने के फलस्वरूप उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक, सिगनल ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नीमच का पद त्याग दिनांक 8-10-75 के अपराह्न किया।

दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० ओ० टू० 199/69-ईस्ट०—श्री एन० एस० ठाकरे ने निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप 11 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 42वीं बटालियन में कमान्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

## केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

महानिरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० ई-38013(3)/10/75-प्रशा० I—छुट्टी आदि काटने के पश्चात् सिन्दरी से स्थानान्तरित होने पर, श्री ईश्वर सिंह, ने दिनांक 23 सितम्बर 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सरकारी अफीम फैक्टरी, नीमच, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ई-17017/1/75-प्रशा० I—श्री एस० एन० श्रीवास्तव, आई० पी० एस०, मुख्य (सुरक्षा) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, झरिया, दिनांक 26 अगस्त 74 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल/उप महानिरीक्षक की पदेन नियुक्ति पर नहीं रहे।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 4525—जी० ई०-1/जे०-7/पी०, एफ०-IV दिनांक 5 अगस्त, 1975—1 जुलाई, 1975 से 28 जुलाई, 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० जयरमण, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 28 जुलाई, 1975 (अपराह्न) को महा-लेखाकार, जम्मू और काश्मीर, श्रीनगर के रूप में कार्यभार सम्भाल

लिया। उन्होंने श्री के० पी० रंगास्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 4556-जी० ई० I/255-74—भारतीय प्रशासन सेवा इत्यादि परीक्षा, 1974 का परिणाम घोषित होने पर, अधोलिखित अधिकारियों का भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति हेतु चयन किया गया है और उनको प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग से मुक्त कर दिया गया है :—

क्रम संख्या	नाम	पदनाम तथा कार्यालय	कार्यभार से मुक्त किए जाने की तारीख
1.	श्री जे० पी० नेगी	सहायक महालेखाकार (परिवीक्षाधीन) महा-लेखाकार, पंजाब चण्डीगढ़ का कार्यालय	11-7-75 (अपराह्न)
2.	कुमारी नीलम विज	भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा परिवीक्षा-धीन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा स्टाफ कालिज, शिमला	9-7-75 (अपराह्न)

सं० 4923-जी० ई० I/V-17/पी० एफ० III दिनांक 27-8-75—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री वेद प्रकाश भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के महालेखाकार के श्रेणी-II के ग्रेड (2250-125/2-2500 रु०) में 31-3-75 से 19-4-75 और 6-5-75 से 9-6-75 की अवधि के दौरान अस्थायी रूप में, और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दावों को क्षति पहुंचाए बिना पदोन्नत किया है।

उक्त अवधि के दौरान श्री वेद प्रकाश ने निदेशक, लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-तार, नागपुर के अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त महालेखाकार-II महाराष्ट्र, नागपुर के पद का कार्यभार भी संभाला।

सं० 5081-जी० ई०-I/एस०-32/पी० एफ० दिनांक 5-9-75—श्री आर० एन० श्रीवास्तव, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को उनके भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली (केन्द्रीय सरकार का एक उपक्रम) में लोक हित में स्थायी विलयीकरण होने के परिणामस्वरूप, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तिथि से सरकारी सेवा से निवृत्त हुआ माना गया है।

सं० 5115-जी० ई०-I/326-71 दिनांक 5-9-75—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक, निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से मूल नियम 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के महालेखाकार श्रेणी-II के ग्रेड (2250-2500 रु०) में अगले

आदेश जारी होने तक उनके नाम के सम्मुख लिखे हुए पदों को धारण करते हुए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री एम० एन० पटनायक सचिव, 18-11-74  
तुंगभद्रा बोर्ड
2. श्री डी० एन० घोष संयुक्त सचिव, 10-3-75  
वित्त मंत्रालय  
(बैंकिंग विभाग)  
नई दिल्ली  
(31-3-75 तक)
3. श्री सी० आर० मुखर्जी वित्तीय सलाहकार 14-4-75  
एवं मुख्य लेखा-  
धिकारी, भाखड़ा  
प्रबन्ध बोर्ड

सं० 5365-जी० ई० 1/आर०-99/पी० एफ० दिनांक 9-9-75—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री एस० राजाराम, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा, को 1-3-75 से 21-3-75 और पुनः 1-4-75 से 21-7-75 की अवधि के दौरान भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया है।

2. उक्त अवधि के दौरान, श्री एस० राजाराम ने उप निदेशक, लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-तार, भण्डार, वर्कशाप एवं तार पड़ताल, कलकत्ता के पद के कार्यभार को भी सम्भाला।

सं० 5460-जी० ई० 1/1-8/पी० एफ०-III दिनांक 23-9-75—श्री रामास्वामी आर० अय्यर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 10 सितम्बर, 1975 अपराह्न से निदेशक, लेखापरीक्षा (खास), नई दिल्ली के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री आर० गणपति, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 5470-जी० ई० 1/एन०-4/पी० एफ० दिनांक 24-9-75—13-9-75 और 14-9-75 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 2-9-75 से 12-9-75 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री टी० बी० नागाराजन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 15-9-75 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, पश्चिम बंगाल,

कलकत्ता के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने श्री के० ललित, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य-भार से मुक्त किया।

रमेश चन्द्र,  
सहायक नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक  
बेंगलूर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० स्थापना 1/ए० 4/390—महालेखाकार, इस कार्यालय का स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० तिरुमलाचर को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक लेखाधिकारी पद में दिनांक 6-10-1975 अपराह्न से अथवा वह उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

इ० बी० चन्द्रशेखरन,  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार  
(प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार एक, मध्य प्रदेश

ग्वालियर-474002, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० प्रशासन एक/345—महालेखाकार, मध्य प्रदेश एक, ग्वालियर ने निम्नांकित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शाये गये दिनांक से अन्य आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

1. श्री ए० मुखर्जी (02/0192) 29-9-75 (अपराह्न)
2. श्री के० सी० जैन (02/0184) 11-9-75 (पूर्वाह्न)
3. श्री ए० बी० माधुर (02/0185) 10-9-75 (अपराह्न)
4. श्री टी० पी० श्रीवास्तव (02/0186) 18-9-75 (पूर्वाह्न)

एस० एल० मलहोत्रा,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० 40011(2)/75, प्रशा०-ए०—(1) वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा :—

क्रम सं०	नाम, रीस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना के अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	एस० प्रभाकर राव (पी०/345)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना।
2.	आर० एल० सचदेव (पी०/475)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।

1	2	3	4	5
3.	जी० पी० रैना (ओ०/151)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
4.	भार० सी० गोयल (ओ०/305)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
5.	एम० एल० शर्मा (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
6.	डी० एन० धावन, (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
7.	एच० शंकरन (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।

(2) निम्नलिखित लेखा अधिकारी सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-I के अनुच्छेद 459 (ज) के प्रावधानों के अन्तर्गत सेवा निवृत्त होंगे। उन्हें उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा :—

क्र० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरण की तारीख	संगठन
सर्व श्री				
1.	ए.म० स्वामीनाथन (पी०/48)	स्थायी लेखा अधिकारी	19-12-75 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
2.	डी० नटराजन (पी०/57)	स्थायी लेखा अधिकारी	24-12-75 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०, दिनांक 17 सितम्बर, 1974 के पैरा 3 के रूप में जोड़ा जाता है।

श्री ठाकर दास स्थायी लेखा अधिकारी को केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली 1972 के नियम 39(6) के अन्तर्गत 14-8-74 से 27-10-74 तक की अर्जित छुट्टी एवं 28-10-74 से 31-10-74 तक की भी अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

सं० 86016(13)/75 प्रशा-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री वेद प्रकाश 8-10-75 (पूर्वाह्न)
- (2) कुमारी उषा सेन 1-10-75 (पूर्वाह्न)

एस० के० सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

दिनांक 8 अगस्त, 1975 तक कार्यावाहक पदोन्नति जारी रखने के आदेश विकास आयुक्त, (लघु उद्योग) सहर्ष प्रदान करते हैं।

के० वी० नारायणन,  
निदेशक (प्रशासन)

#### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक अक्तूबर 1975

सं० प्र०-6/247(292)/60—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के अधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री भार० जे० वजीरानी दिनांक 30-9-75 (अपराह्न) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(उद्योग विकास विभाग)

कार्यालय विकास आयुक्त, (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

सं० 19018/178/75-प्रशासन (राज०)—लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के अधीक्षक श्री शिवदयाल को श्री पी० के० गुहा (अवकाश स्वीकृत) के स्थान पर उसी संस्थान में सहायक निदेशक (वर्ग 2) के पद पर तदर्थ आधार पर



## इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 27 अक्तूबर 1975

सं० 6804/बी०/958/सी०/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) को सहायक भूभौतिकीविदों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगे आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री आर० सी० चट्टोपाध्याय	25-8-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० के० जैन	21-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री दिनेश प्रकाश	1-9-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री कल्याण कुमार दास गुप्ता	21-8-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री जी० एस० मुखर्जी	21-8-75 (पूर्वाह्न)
6.	श्री डी० पी० दास	27-8-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री पी० चटर्जी	21-8-75 (पूर्वाह्न)

सं० 6808/बी०/9/58/सी०/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) को सहायक भूभौतिकीविदों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगे आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री टी० के० घटक	2-9-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एन० पी० सिंह	25-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एस० चक्रवर्ती	25-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री के० बी० एस० भास्कर राव	25-8-75 पूर्वाह्न

सं० 6815/बी०/9/58/सी०/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) को सहायक भूभौतिकीविदों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगे आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री ए० एस० सक्सेना	27-8-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० के० घटक	27-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एस० केशवामनी	26-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० गोपाल	25-8-75 (पूर्वाह्न)

बी० के० एस० वरदन,  
महानिदेशक

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 27 अक्तूबर 1975

सं० सी०-5016/724-एस०ओ०एस०(ए०)—श्री एस० के० भट्टाचार्य, भण्डार सहायक, (सलैक्शन ग्रेड), श्रेणी-III, डिवीजन I सेवा, को भण्डार कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी (सा०के०से० श्रेणी-II) के पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के वेतनमान में दिनांक 30 सितम्बर, 1975 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण

भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1975

सं० 2/12/75-एस०तीन—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्-द्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनके नामों के आगे दी हुई तारीख से अप्रैल आदेशों तक उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे उल्लिखित आकाशवाणी के केंद्रों/

कार्यालयों में तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	गुरबचन लाल	कार्यालय, क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) आकाशवाणी, नई दिल्ली	27-8-75
2.	राजपाल गंग	उ०श०प्रे०, आकाशवाणी, खामपुर, दिल्ली	29-8-75
3.	राम कृष्ण पहाड़िया	-वही-	8-7-75
4.	ए० पी० सिन्हा	आकाशवाणी, रांची	20-6-75
5.	श्रीमती एम० एल० चौरसिय	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई	21-6-75
6.	पी०के० अवस्थी	उ०श०प्रे० आकाशवाणी, गोरखपुर।	28-8-75

दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी के सहायक/इंजीनियर संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे दी हुई तारीखों से अग्रेतर आदेशों तक उनके नामों के आगे उल्लिखित केन्द्रों पर स्थानापन्न पद क्षमता में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय/केन्द्र जहाँ तैनात	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	चमन लाल कौल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर	10-9-75
2.	जगदीश चन्द्र	उ०श०प्रे०, आकाशवाणी खामपुर दिल्ली	28-8-75
3.	कैलाश चन्द्र गुप्त	आकाशवाणी, बीकानेर	12-9-75 (अपराह्न)
4.	राम बचन राम	आकाशवाणी, कलकत्ता	18-9-75
5.	बिनोद कुमार अरोड़ा	अनुसंधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली	25-9-75

दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे उल्लिखित

तारीखों से अग्रेतर आदेशों तक उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे लिखे केन्द्रों/कार्यालयों में स्थापना पद क्षमता में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	केन्द्र/कार्यालय जहाँ तैनात	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	नारायण मोहन कुमार	कार्यालय, क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) आकाशवाणी, बम्बई	30-9-75
2.	पणित कुमार शुक्ल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, कलकत्ता	4-10-75
3.	शैलेन्द्र नारायण माथुर	आकाशवाणी, पटना	16-10-75
4.	रवि कुमार	कार्यालय, क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) आकाशवाणी, बम्बई	4-10-75
5.	सी० जयरामन	उ०श०प्रे० आकाशवाणी, चिनसुरा	3-10-75
6.	हरीश चन्द्र	-वही-	4-10-75

प्रेम कुमार सिन्हा  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० 4(31)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री शराफत यार खां को 6 अक्टूबर 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जयपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(68)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मुकुन्द शान्तराम नायक को 17 अक्टूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी बम्बई में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(77)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री नन्द राम शर्मा, को 9 अक्टूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जोधपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 4(3)/73 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० आई० सिद्दीकी तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर को 18 सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, नियमित आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं० 5(135)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री डी० के० राय, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, कलकत्ता को 24 सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, पटना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अक्तूबर 1975

सं० ए०-19012/2/75-स्थापना-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री देवव्रत चक्रवर्ती को इस निदेशालय, नई दिल्ली में स्थनापन्न मुख्य प्रारूपकार 9 अक्तूबर 1975 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश तक नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन  
उप निदेशक  
कृते वि० दृ० प्र० निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्तूबर 1975

सं० 13-13/75-सी०एच०एस०-1—अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के एक अधिकारी डा० सी० बी० एल० माथुर ने 26 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को चिकित्सा अधिकारी (घेघा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा उसी दिन के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उस सहायक निदेशक (घेघा) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,  
उप निदेशक प्रशासन (सी०एच०एस०)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्तूबर, 1975

सं० 35-6/75-एडमिन-1—श्रीमती राज डोगरा के छुट्टी से वापस आ जाने पर श्रीमती कुसुम लता ने 2 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न को विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली, में डाईटिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 अक्तूबर, 1975

सं० 9-25/74-एडमिन-1—प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक ने कुमारी के० के० मेहता को 5 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राजकुमारी श्रमूत कौर उपचर्या महा विद्यालय, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से ट्यूटर के पद पर नियुक्त किया है।

ट्यूटर के पद पर नियुक्त हो जाने पर कुमारी के० के० मेहता ने 5 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से उसी कालेज में क्लिनिकल अनुदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 30 अक्तूबर 1975

सं० 26-1/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सन्मुख दी गई तारीख से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान/राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के स्थायी पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

अधिकारी का नाम	तारीख
(1) स्वर्गीय डा० एच० एम० एल० श्रीवास्तव	1 अप्रैल, 1974
(2) श्री बी० एन० भटनागर	1 अप्रैल, 1974
(3) श्री बी० एस० कृष्णमूर्ति	1 अप्रैल, 1974
(4) डा० मनोरंजन दास	16 अक्तूबर, 1974

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 29 अक्तूबर 1975

सं० फा० 3(13)52/75-विकास-II—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954 सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर, 1954 और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा श्री बी० बी० सरकार, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से ऊन, दुबलोम, अजालोम, के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962, दुबलोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम 1973 और अजालोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरालीधरा राव,  
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

सम्पदा एवं प्रबन्ध निदेशालय

बम्बई-94, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

सं० डी०ई०एम०/10/343/75-प्रशासन-1090—मैं, ट्राम्बे टाउनशिप परियोजना के दिनांक 7 जनवरी, 1970 के शापन सं० टी०टी०पी०/डब्ल्यू०/293 के पैरा 2 में दिए गए निबन्धनों के

अनुसार इस निदेशालय की कार्यप्रभारित स्थापना के मददगार 'ए' श्री जे० येसुदासन को एतद्वारा सूचित करता हूँ कि उनकी सेवा उन्हें इस नोटिस के दिये जाने की तारीख से एक महीने की अवधि के पूरा होने पर समाप्त हो जायेगी।

आर० एल० बत्ता  
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० टी०ए०पी०एस०/ए०बी०एम०/947-1207—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री के० गोपाल को 15 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक तथा उस पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति नियमित रूप से होने तक उसी बिजलीघर में पूर्णतः तदर्थ आधारपर अस्थायी रूप से लेखा-अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु, खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० ए०एम०डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग निदेशक श्री चप्पलरामी नायडू को 27 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 25 अक्टूबर, 1975

सं० आर० आर० सी० II-1(128)(10)/75/1215—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र परियोजना निदेशक, इस अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी विज्ञान-सहायक 'सी' सर्वश्री आर० एम० मुस्तुक्करुप्पन तथा डी० सेयव घोष को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० आर० आर० सी० II-1(128)(10)/75-1216—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना, निदेशक, श्री वी० नारायणन को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

श्री हरिकोट रेंज केन्द्र

श्री हरिकोट सामान्य सुविधाएं

(कार्मिक प्रबन्ध प्रभाग)

श्री हरिकोट-524124, दिनांक 20 अक्टूबर, 1975

सं० एस०सी० एफ०/पी०एम०डी०/ ई०/1-72—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन को दिनांक 1-4-1975 से एक सरकारी संगठन के रूप में बदल देने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित कार्मिकों को भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के श्री हरिकोट रेंज केन्द्र में, उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर ह० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 1-4-1975 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया जाता है :

- |                                |                  |
|--------------------------------|------------------|
| 1. श्री एम० वासुदेव मुक्लियार, | इंजीनियर एस० बी० |
| 2. श्री के० एस० रघुनाथन,       | इंजीनियर एस० बी० |
| 3. श्री जे० प्रभाकर राव,       | इंजीनियर एस० बी० |
| 4. श्री एन० भुजंगा राव,        | इंजीनियर एस० बी० |

वाई० जनार्दनराव  
परियोजना अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

सं० ई०(1) 06949—वेधशालाओं के महानिदेशक, मद्रास के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन विशाखापत्तनम मौसम कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एम० कृष्णमूर्ति को जो कि इस विभाग की दिनांक 1 सितम्बर, 1975 की अधिसूचना संख्या ई०(1) 06949, द्वारा 4-10-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किये गये थे, 5 अक्टूबर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एम० कृष्णमूर्ति मद्रास के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन विशाखापत्तनम मौसम कार्यालय, में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन  
मौसम विशेषज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीसा शुल्क

समाहर्तालय

नागपुर-440001, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

सं० 15/75—इस समाहर्ता क्षेत्र के निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सा० श्रेणी/प्र० श्रेणी) ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II के पद पर नियुक्त होने पर, उनके

नाम में आगे दर्शायी गयी तिथि को अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का पदभार संभाल लिया।

क्र. सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति का स्थान	पदभार संभालने की तिथि
सर्वश्री :			
1.	जार्ज झूक	मुख्यालय, नागपुर	13-5-75
2.	एस०एस० अंबाडकर	बहुपदीय अधिकारी रेंज, I, गोंधिया]	3-6-75
3.	एस० एन० चोपरा	सागर	26-5-75
4.	एम० बी० पागे	अधीक्षक (निवारक) प्रभागीय कार्यालय अमरावती	26-5-75
5.	एस० डी० चांदवानी	प्रभागीय कार्यालय नागपुर	24-5-75
6.	के० व्ही० प्रधान	प्रभागीय कार्यालय इन्दौर	17-5-75
7.	आर० सी० सोनवने	प्रभागीय कार्यालय इन्दौर	29-5-75
8.	जे० बी० कुलकर्णी	बहुपदीय अधिकारी रेंज III, सागर	23-6-75
9.	यू० एस० बोरकर	बहुपदीय अधिकारी रेंज II, भोपाल	21-6-75
10.	एच० जे० धनशानी	(निवारक) मुख्या- लय, नागपुर	23-6-75
11.	बी० व्ही० द्विवेदी	बहुपदीय अधिकारी रेंज III, नागपुर	25-6-75
12.	एस० एम० मंगरुलकर	बहुपदीय अधिकारी रेंज दमोह	19-6-75
13.	डी० एस० चौधरी	बहुपदीय अधिकारी रेंज भंडारा	16-6-75
14.	व्ही० बी० नारले	अधीक्षक (स्वर्ण) मुख्यालय, नागपुर	10-6-75
15.	जे० आर० लोंढे	बहुपदीय अधिकारी रेंज सिहोरा	17-6-75
16.	बी० आर० शर्मा	बहुपदीय अधिकारी रेंज II, नागपुर	25-6-75
17.	आर० आर० तिवारी	अधीक्षक (वि अ ए) मुख्यालय, नागपुर	18-6-75

दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० 18/75—श्री एम० आर० सचदेव जी ने, जो पिछले दिनों दिल्ली समाहर्ता क्षेत्र में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय

उत्पाद शुल्क के पद पर प्रतिस्थापित थे, स्थानान्तरित होने पर दिनांक 5 जुलाई, 1975 के पूर्वान्त से नागपुर समाहर्ता क्षेत्र में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रतलाम प्रभाग का पदभार संभाल लिया।

2. श्री बरजोर सिंह ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (मुल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर के पद पर प्रतिस्थापित थे। दिनांक 17 जुलाई, 1975 के अपराह्न में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग 1, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

सं० 19/75—श्री नन्दकिशोर मालवीय हिन्दी अनुवादक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता क्षेत्र नागपुर ने, हिन्दी अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II के पद पर नियुक्त होने के परिणाम स्वरूप मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 20 जून 1975 के अपराह्न में हिन्दी अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का पदभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ शुक्ला,  
समाहर्ता

पटना, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

मि० सं० 11(7)5-स्था०/75/10161—स्थापना आदेश सं० 355/75 दिनांक 15-9-75 को मि० सं० 11(3) 101-स्था०/75/56104-61 दिनांक 16-9-75 द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री धरीशरण चौधरी, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण श्री डी० चौधरी ने प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद, गया के रूप में दिनांक 26-9-75 के पूर्वान्त में कार्य भार ग्रहण किया।

दिनांक 22 अक्टूबर 1975

मि० सं० 11(7)5-स्था०/75/10160—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 233/75 दिनांक 13-6-75 जो मि० सं० 11(3)43-स्था०/73/32687-723 दि० 13-6-75 द्वारा पृष्ठांकित किया गया था जिसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद के पांच निरीक्षकों (वरीय श्रेणी) को 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था तथा मि० सं० 11(3)43-स्था० 73/35057-75 दि० 27-6-75 के द्वारा पृष्ठांकित स्थापना आदेश 25/4/75 के अनुसरण में निम्न व्यक्तियों ने तद्व स्थानों

में उनके नामों के समक्ष दिखाई गई तिथियों और समय पर अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में कार्य भार ग्रहण किया

क्रमांक	नाम	पदस्थापना के स्थान	कार्य भार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री भी० डी० चौधरी	अधीक्षक, के० उ० समस्तीपुर रेंज	26-6-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० जे० एन० सिन्हा	अधीक्षक, सीमा शुल्क (नि०) जयनगर	15-7-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री अब्दुल बजिद	अधीक्षक, के० उ० ताजपुर, रेंज	30-6-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री टी० एन० पांडेय	अधीक्षक, एल० सी० एस० रक्सौल	21-6-75 (पूर्वाह्न)

(ह०) अपठनीय समाहर्ता

शिलांग, दिनांक अक्टूबर 1975

सं० 6/75—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के स्थाई निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री विष्णुपद चौधरी के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री विष्णुपद चौधरी ने केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 18-10-75 पूर्वाह्न में शिलांग कार्यभार संभाला।

एस० सी० नियोगी  
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० क-31012/2/73-प्रशा० 5(खंड-4)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एस० एन० चन्द्रशेखरा, अतिरिक्त सहायक निदेशक को केन्द्रीय जल आयोग में 2 जून, 1974 से अतिरिक्त सहायक निदेशक (तौबहन) के पदक्रम में स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन,  
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं की आम सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अलीगढ़ जंक्शन (छोड़कर) से कुलवा सेक्शनिंग पोस्ट (सहित) खण्ड पर (संरचना सं० कि० भी० 1328/5-6 से संरचना सं० 1336/13 और 14) ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों पर 11-8-1975 से अथवा इसके बाद 25

के० बी० बिजली प्रवाहित कर दी जाएगी। इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नहीं जाएगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

सं० 74/आर० ई०/161/1—सर्व साधारण की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि अलीगढ़ जंक्शन (छोड़कर) से खुर्जा जंक्शन (सहित) तक के खण्ड पर संरचना सं० 1328/5-6 से संरचना सं० 1371/23-24 तक 25 किलोवाट ए० सी० बिजली कर्षण चालू करने के संबंध में सभी समपारों पर ऊंचाई के आमान लगाए गए हैं जिनकी सड़क के स्तर से स्पष्ट ऊंचाई 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) है, ताकि अत्यधिक ऊंचाई के लोड्स को बिजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में आने अथवा इतना समीप आने से रोका जा सके जिससे कोई खतरा हो। जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों का लदान करने के उद्देश्य से ऊपर विनिर्दिष्ट ऊंचाई का ध्यान रखें और यह सुनिश्चित करें कि सड़क वाहनों में ले जाए जाने वाले लोड्स किसी भी हालत में ऊंचाई के आमानों का उल्लंघन न करें।

अत्यधिक ऊंचाई के लोड्स ले जाने में निम्नलिखित खतरे हैं:-

1. ऊंचाई का आमान उखाड़ फेंका जाएगा जिससे सड़क एवं रेलवे लाइन पर रुकावट हो जाएगी।
2. ढोया जाने वाला सामान या उपकरण (अथवा स्वयं वाहन भी) क्षतिग्रस्त हो सकता है।
3. बिजलीयुक्त कंडक्टरों के साथ सम्पर्क हो जाने अथवा खतरे की परिधि में आ जाने के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को जोखिम हो सकता है।

अमृत लाल गुप्त  
सचिव

इन्टेग्रेल कोच फैक्ट्री

मद्रास-600038, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975

सं० पी० बी०/जी० जी०/9/मिस०—II इस कार्यालय से भेजे गए राजपत्रित अधिसूचना के समसंख्यक पत्र दिनांक 25-8-75 के मव 5 में आंशिक तर्फीय करते हुए "तदर्थ रूप से" शब्द को निकाल कर निम्न प्रकार पढ़ें:-

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न लेखा अधिकारी/के० ले० प्र० (श्रेणी II) को स्थानापन्न रूप से बरिष्ठ लेखा अधिकारी/शैल (ब० मा०) के पद पर दिनांक 1-8-75 से 19-9-75 तक पदोन्नति की गई है:-

श्री एस० गणेशन, स्थानापन्न कार्यक्रमक (श्रेणी II) (तदर्थ) जो जांबिया में प्रतिनियुक्त के लिए भुने गए हैं, को दिनांक 26-9-75 के अपराह्न से इस प्रशासन से भार मुक्त किया गया है।

श्री पी० शंकरन, प्रिंसिपल, तकनीकी प्रशिक्षणालय (ब० मा०) को स्थानापन्न रूप से क० प्र० ग्रेड में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 27-9-75 से पदोन्नति की गई है।

एस० सुब्रामनियन  
डिप्टी चीफ पर्सनल आफिसर  
कृते जनरल मैनेजर

उत्तर रेलवे  
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाऊस

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1975

सं० 10—श्री एस० सी० सक्सेना, स्थानापन्न मण्डल इंजीनियर, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद 31-8-75 (अपराहृत) से अन्तिम रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 25 अक्टूबर, 1975

सं० 13—उत्तर रेलवे के निम्न-लिखित अधिकारी प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से अन्तिम रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं—

1. श्री एम० एम० अग्रवाल, सहायक कार्मिक अधिकारी 30-4-1975
2. श्री सी० एस० परमेश्वरन्, महाप्रबन्धक 31-8-1975
3. श्री एम० एस० अरोड़ा, संपदा अधिकारी (वर्जा II) 30-9-1975

वी० पी० साहनी  
महाप्रबन्धक

मध्य रेल  
प्रधान कार्यालय, कार्मिक शाखा  
बम्बई वी० टी०

बम्बई वी० टी०, दिनांक 26 अक्टूबर, 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/एम०—परिवहन बिजली एवं यांत्रिक इंजीनियर विभाग के निम्नलिखित श्रेणी दो के अधिकारियों को, उनके सामने दिखाई गई तारीख से श्रेणी दो सेवा में स्थाई किया गया है—

क्र० सं०	नाम	स्थाईकरण की तारीख
1.	श्री सी० एस० भट्ट	28-12-1971
2.	श्री जे० मेंडोन्सा	28-12-1971
3.	श्री आर० पी० श्रीवास्तव	16-5-1972
4.	श्री एस० के० जाधव	31-7-1973

व० व० मेहरा  
महाप्रबन्धक

दक्षिण मध्य रेलवे  
प्रधान कार्यालय (कार्मिक शाखा)

सिकन्दराबाद-500025, दिनांक 30 अक्टूबर, 1975

सं० पी०/गंजट/185/इंजीनियरी—सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को, इसी विभाग की श्रेणी II

सेवा में सहायक इंजीनियर के रूप में उनके सामने दिखाई गई तारीखों से स्थाई किया जाता है—

क्र० सं० अधिकारी का नाम	स्थाई करने की तारीख
1. श्री ए० बी० मेयर्स	17-3-1971
2. श्री पी० नरसिगराव	31-1-1972

के० एस० राजन  
महाप्रबन्धक

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय  
(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त, 1975

सं० 5/44/70-स्था०-1—राष्ट्रपति ने यह निर्णय किया है कि निम्नलिखित पांच अधिकारियों को भारतीय पूर्ति सेवा के प्रारम्भिक गठन अर्थात् 9-1-1961 से उस सेवा की श्रेणी-I के ग्रेड 2 में स्थानापन्न रूप से नियुक्त हुआ माना जाएगा।

1. श्री बी० ए० शिनोय
2. श्री बी० देव
3. श्री बी० आर० सुब्रह्मण्यम्
4. श्री एम० ए० बी० खुगतई
5. श्री एस० राय

शिव शंकर खत्री  
अवर सचिव

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

एरणाकुलम, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेणाड बॅग लिमिटेड के विषय में सं० 1299/लिक०/560/आर०-7051/75—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वेणाड बॅग लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० एस० अन्वार  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किसन चन्द सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 12693/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर किसनचंद सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं गोपाल कृष्ण डेयरी फर्मस  
लिमिटेड के विषय में

सं० 7358/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोपाल कृष्ण डेयरी फर्मस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, के० एफ० प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

सं० 12638/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० एफ० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, रमेशचन्द्र सतीशकुमार  
अंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 13650/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रमेशचन्द्र सतीश-कुमार एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, अक्यु प्राइवेट लिमिटेड  
के विषय में।

सं० 13874/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अक्यु प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, केमिकल अंड रेफीजेशन  
इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के  
विषय में।

सं० 14123/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि केमिकल एंड रेफीजेशन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, बिड़मका प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

सं० 14188/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बिड़मका प्राइवेट

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, युनिवरसल प्लास्टिक  
सेमिनेटेड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 14885/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि युनिवरसल प्लास्टिक सेमिनेटेड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, युनीक मशीनरी कंपनी  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 14902/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि युनीक मशीनरी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, ट्रेड्स इस्टाब्लिशमेंट  
(इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 4993/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ट्रेड्स इस्टाब्लिशमेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, औध लाईट अंड पावर  
सप्लायर्स लिमिटेड के विषय में।

सं० 6944/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि औध लाईट एंड पावर सप्लायर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, श्री जगतप्रिय सेव्हींग  
फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 13415/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री जगतप्रिय सेव्हींग फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।



बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

अहमदाबाद, दिनांक

1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, पारसन्स आर्क. बी. आय. लिमिटेड के विषय में।

सं० 13164/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारसन्स आर्क. बी. आय. लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, महालक्ष्मी ओर्स एंड मेटल्स लिमिटेड के विषय में।

सं० 13217/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महालक्ष्मी ओर्स एंड मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई हो गई है।

एस० नारायणन्  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स कार्मनपुल फाई-नाम्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 560/1614—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स कार्मनपुल फाईनाम्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य  
अहमदाबाद

आयकर आयुक्त का कार्यालय

विदर्भ एवं मराठवाडा

नागपुर, दिनांक 17 जुलाई 1975

आदेश

I. पदोन्नति :

श्री बी० जी० नायर, आयकर निरीक्षक को एतद्वारा आयकर अधिकारी श्रेणी-II के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने के लिये उस तारीख से, जिस दिन वे कार्यभार ग्रहण करेंगे, और अगले आदेश जारी होने तक अस्थायी रूप से पदोन्नत और नियुक्त किया जाता है। चूंकि यह पदोन्नति शुद्ध रूप से अस्थायी है, अतः पदोन्नत अधिकारी को किसी भी समय सूचना दिए बिना पदावनत किया जा सकता है।

II. स्थानान्तरण और तैनाती :

आयकर अधिकारियों के निम्नलिखित स्थानान्तरण और तैनातियों के आदेश एतद्वारा दिए जाते हैं :—

क्र० सं०	नाम	से	तक	अभ्युक्तियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री :				
1. बी० जी० नायर		पदोन्नति से	आयकर अधिकारी, बी०वार्ड, जालना।	श्री पी० पी० देवधर आयकर अधिकारी के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर।
2. पी० पी० देवधर		आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, जालना	आयकर अधिकारी, (बसूली) नागपुर।	श्री एस० बी० राघवन, आयकर अधिकारी के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर।
3. एस० बी० राघवन		आयकर अधिकारी, (बसूली), नागपुर	आयकर अधिकारी, (मुख्यालय) (प्रशासन) नागपुर।	बोर्ड के द्वारा श्री आर० आर० गुप्ता, आयकर अधिकारी के स्थानान्तरण आदेश रद्द किए जाने से उनके स्थान पर।

कलवंत राय, आयकर आयुक्त  
विदर्भ एवं मराठवाडा

नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1975

## I. पदोन्नति :

## आदेश

सं० ई०-42 (राजपत्रित) 75—श्री एच० एल० भगत, आयकर निरीक्षक को एतद्वारा आयकर अधिकारी श्रेणी-II के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने के लिये उस तारीख से, जिस दिन वे कार्यभार ग्रहण करेंगे, और अगले आदेश जारी होने तक अस्थायी रूप से पदोन्नत और नियुक्त किया जाता है। चूंकि यह पदोन्नति शुद्ध रूप से अस्थायी है अतः पदोन्नत अधिकारी को किसी भी समय सूचना बिना पदावनत किया जा सकता है।

## II. स्थानान्तरण और तैनाती :

आयकर अधिकारियों के निम्नलिखित स्थानान्तरण और तैनातियों के आदेश एतद्वारा दिए जाते हैं :—

क्रम सं०	नाम	से	तक	अभ्युक्तियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. श्री एम० डी० कर्णिक	आयकर अधिकारी, ट्रस्ट परिमंडल, नागपुर	आयकर अधिकारी, केन्द्रीय परिमंडल-III, नागपुर।	बोर्ड के आदेश सं० एफ० 18/58/75-एड, तारीख 21-8-75 के अनुसार श्री ए० एम० खेर के संघ लोक सेवा आयुक्त नई दिल्ली में अवर सचिव चुने जाने से स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर।	
2. श्री आर० एम० कृष्णन	कर वसूली अधिकारी-I, नागपुर।	आयकर अधिकारी, डी० वार्ड, नागपुर।	श्री सुभाष कुन्दा के स्थानान्तरित होने से उनके स्थान पर।	
3. श्री एस० के० कुन्दा	आयकर अधिकारी, डी० वार्ड, नागपुर।	केन्द्रीय परिमंडल-IV नागपुर।	पद रिक्त है।	
4. श्री एच० एल० भगत	पदोन्नति से	बी०-वार्ड, नांदेड।	श्री वार्ड० डी० खाडिलकर के स्थानान्तरित होने से उनके स्थान पर।	
5. श्री वार्ड० डी० खाडिलकर	आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, नांदेड।	ए०-वार्ड, नांदेड	पद रिक्त है।	

3. श्री टी० एस० रामकृष्णन, आयकर अधिकारी, बी० वार्ड, नागपुर अगले आदेश जारी होने तक अपने कार्यभार के अतिरिक्त आयकर अधिकारी, ट्रस्ट सकिल नागपुर का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे।

श्री के० एस० कृष्णमूर्ति, कर वसूली अधिकारी-III, नागपुर अगले आदेश जारी होने तक अपने कार्यभार के अतिरिक्त कर वसूली अधिकारी-I, नागपुर का कार्यभार संभालेंगे।

नागपुर स्थित आयकर अधिकारी अपना कार्यभार 30 सितम्बर, 1975 को अपराह्न में सौंपेंगे।

श्री० आर० बापट, आयकर आयुक्त  
विदर्भ एवं मराठवाड़ा

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अगस्त, 1975

निर्देश नं० 12-टी०/ए० सी० न्यु०—अतः मुझे विश्वम्भर  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०— है तथा जो मो० कटघर, मुरादाबाद  
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ  
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीला देवी व अन्य (अन्तरक)

(2) श्री लारा चन्द (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का आधा भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 193  
वर्गगज है जो कि मोहल्ला कटघर बीर साह हजारी जिला  
मुरादाबाद में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 25-8-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० 84-एस०/ए० सी० भ्यु०—अतः मुझे  
बिशम्भरनाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 191 इत्यादि है तथा जो ग्राम शीतल पुर  
जि० पीली भीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बीसल पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- |                            |            |
|----------------------------|------------|
| (1) श्री मोहन सिंह व अन्य  | (अन्तरक)   |
| (2) श्री सुरता सिंह व अन्य | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल क्षेत्रफल 24.53 का 1/2 भाग है  
जो ग्राम शीतल पुर मरौरी डा० मीरपुर तहसील बीसलपुर  
जिला पीली भीत में स्थित है।

बिशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 25-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राजरानी (अन्तरक)

(2) श्री गुरुदयाल सिंह व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 23-जी/एक्यु:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 42 आदि है तथा जो हरदोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय साहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
3—346GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 42, 49 अ तथा 63 जिसका कुल क्षेत्रफल 24 बीघा 9 बीस्वा तथा 10 बिस्वान्सी है जो कि रंगम अभिरता चौकी परगना भंसूर नगर तह० साहाबाद जिला हरदोई में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 25-9-1975  
मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०-----

(1) डा० आर० शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल० मिनाक्षी सुन्दरम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रेंज, लखनऊ

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

लखनऊ, दिनांक 25 सितम्बर 1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश नं० 20-सी/एकयु :—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या बी-5/301 है तथा जो मो० उद्योगवीं जि०  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26-4-75 को

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 119 वर्गगज है जो कि  
मोहल्ला उद्योगवीं जिला वाराणसी में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

बिशम्बर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 25-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रमेश चन्द्र ओझा व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रजित सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

लखनऊ, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश नं० 70-आर/एक्यु :— अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मो० छावनी नौरंगा जि० लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 8510 वर्गफीट है जो कि मोहल्ला छावनी नौरंगा जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-10-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

(1) श्री ईश्वर सरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निदेश नं० 16-एच/एक्यु :—अतः मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 366 है तथा जो ग्राम-लालपुर जि० गोंडा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोंडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती हरिजन्दर कौर व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 13-02 एकड़ है जो ग्राम लालपुर  
जिला गोंडा में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 1-9-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती शीला रस्तोगी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजनी देवी कपूर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 16 अक्टूबर 1975

निर्देशनं० 81-एस/एक्यू :—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 352 तथा 353/1 है तथा जो जि० लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो किता कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल भूमि नं० 352 का क्षेत्र 1 बीघा 4 बिस्वा 15 बिसवान्सी तथा भूमि नं० 353/1 का क्षेत्र 1 बीघा 9 बिस्वा 6 बिसवान्सी है जो कि ग्राम अहिबनर पुर तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 16-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

(1) फ्लोरे फोन्सेका (अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० जे० खत्री एण्ड सन्स (अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० आई-1/1232-31/मार्च 75 :---अतः मुझे, एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 111 का फायनल प्लॉट नं० 24 सी० टी० सर्वे नं० एफ०/651 है, जो 16 वां रोड, बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई और बम्बई नगर एवं उपनगर के उपजिले में बम्बई उपनगर के अर्धेरी जिले के तालुका बान्द्रा में 16 वें रोड पर स्थित फ्री होल्ड जमीन अथवा आउड का वह तमाम भाग या खण्ड जिसकी टाउन प्लानिंग स्कीम बान्द्रा संख्या 111 की फाइनल प्लॉट सं० 24 है तथा जो माप में लगभग 570 वर्गगज अर्थात् 476.57 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :--

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 40 फुट चौड़ी सड़क है जिसे 16वां रोड कहते हैं, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट सं० 22 एवं 26 है तथा दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उक्त टाउन प्लानिंग स्कीम बान्द्रा सं० 111 की प्लॉट सं० 25 है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई।

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई 1/1119-22/मार्च-75:—अतः मुझे, एन०  
के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एन० नं० 1/909, 909 (अंश) फोर्ट  
डिब्रहीजन है, जो बोरा बक्षार स्ट्रीट, में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अजितकुमार जमनादास, प्रतापकुमार जमनादास,  
सरला अजितकुमार और भारती किशोर लाल  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती तुलसी बाई उर्फ हंसा मांगीलाल जैन  
(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई नगर और पंजीकरण उपजिले में बोरा बक्षार स्ट्रीट पर  
स्थित एवं अवस्थित छुटी आर० भू-कर मुक्त भूमि का वह समूचा  
भू-भाग अथवा भूखण्ड, उस पर यथानिर्मित भवन समेत, जो माप  
में 281 वर्गगज, यानी 234 वर्गमीटर या उसके आसपास है और  
पैमाइश में उसके बड़े लगभग 433 वर्गगज, यानी 326 वर्गमीटर  
भू-प्लॉट का एक-भाग है और जो भू-राजस्व समाहर्ता की पुस्तकों  
में पुरानी संख्या 557 और नयी संख्या 5516, पुरानी सर्वेक्षण  
संख्या 820-821, नयी सर्वेक्षण संख्या 8786, केडेट्रल सर्वेक्षण  
संख्या 1/909 यानी फोर्ट प्रभाग के 909 के अंश के अन्तर्गत  
पंजीकृत है और नगरपालिका दर एवं कर निर्धारक एवं समाहर्ता  
जिसका कर-निर्धारण द्वारा 'ए' वार्ड संख्या 2280 स्ट्रीट नं०  
142 के अन्तर्गत किया गया है तथा जो इन सीमाओं से घिरा हुआ  
है, अर्थात् उत्तर में अथवा उत्तर दिशा की ओर फोर्ट प्रभाग की सी०  
एस० संख्या 912, 913 और 914 की सम्पत्तियों से, दक्षिण  
में अथवा दक्षिण दिशा की ओर पुलिस कोर्ट लेन, से, पूर्व में अथवा  
पूर्व दिशा की ओर बोरा बक्षार स्ट्रीट से तथा पश्चिम में अथवा  
पश्चिम दिशा की ओर सी० एस० संख्या 909 के शेष भाग की  
281 वर्गगज की सम्पत्ति से।

एन० के० शास्त्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1 बम्बई।

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जयन्ती लाल दामजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्तूबर 75

निर्देश सं० आई 5/272/74-75:—अतः मुझे, जे० एम०  
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० नं० 138 हि० नं० 1 और 2 सं० नं० 238  
हि० नं० 2 (अंश) है, जो नाहोर व्होलेज में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) (1) श्री बाबुभाई बी० प्रागजी (2) हिम्मतजी  
लाल जी (3) अमृतलाल मोरारजी (4) जयराम  
वोसनजी (5) दिलीपकुमार वेलजी (6) मुरारीराम  
वेलजी (अन्तरिती)

(3) (1) मैसर्स रघूवंशजी देवजी एण्ड कं० (2) बरोत  
नारन दामजी (3) रामभारती गणेशभाई (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले और बम्बई नगर, एवं उपनगर  
जिले के नाहोर ग्राम में यथा स्थित एवं अवस्थित वह सूचा भूभाग  
अथवा भूखण्ड अथवा ग्राउंड—उसपर बने स्थावर और एक कुएं  
समेत— जो माप में 5180.60 वर्गमीटर के समकक्ष लगभग  
6196 वर्ग गज के बराबर है, तथा जो सर्वेक्षण सं० 138, हिस्सा  
नं० 1 और सर्वेक्षण सं० 238, हिस्सा नं० 2 (अंश) का भाग है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 30-10-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई 5/276/74-75—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 128 हि० नं० 10-ए सी० टी० एस० नं० 1122 (अंश) है, जो मुलुंड (ई) में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी कान्तबेन वसनजी शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण नगर को० ओप० हाउ० सो० लिमि०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सर्वेक्षण नं० 128 हिस्सा नं० 10-ए, सी० टी० एस० नं० 1122 (अंश) वाली भूमि, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81.

जे० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख 30-10-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई-1/1122-25/मार्च, 75—अतः मुझे,  
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 748/10 माटुंगा डिस्ट्रिक्ट है, जो माटुंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भाई हर्षदलाल डूंगरसी और अन्य ।

(अन्तरक)

- (2) श्री भूपेन्द्र विला प्रेमायसीस को-आप० हाऊसिंग सोसायटी लि०

(अन्तरिती)

- (3) सोसायटी के मबरस वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बम्बई नगर एवं रजिस्ट्रेशन जिसे माटुंगा में स्थित एवं अब स्थित पट्टेसी जमीन अथवा मदान का वह तमाम भाग अथवा खण्ड तथा उस पर बना भवन तथा उस पर लगे स्टक्कर सहित जिसे 6 'भूपेन्द्र विलज' कहते हैं तथा जो नाप में 1119 वर्गगज अथवा 935.63 वर्गमीटर के समकक्ष अथवा उसके बराबर है तथा जिसकी प्लॉट सं० 546 है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उसके उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लॉट सं० 544 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लॉट सं० 547 है पूर्व में अथवा पूर्व की ओर जैम्स जम्शोद मार्ग है तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट सं० 545 है जिसका बेडास्ट्राल सर्वेक्षण सं० 748/10, माटुंगा डिस्ट्रिक्ट और म्युनिसिपल 6 एक वार्ड सं० 7030/4 से और स्ट्रीट सं० 601 सी है ।

एन० के० शास्त्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 29-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29-अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई-1/1129-32/मार्च 75—अतः मुझे,  
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० आई० सी० /716 (पं०) माटुंगा डिस्ट्रिक्ट है, जो थोडपदेव, चिचपोकली क्रास लेन न० 2 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पोपट राल धनमल शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल जीवन लाल बोरार और अन्य (अन्तरिती)

(3) भारत क्राउन और मेटल इंडस्ट्रीज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(अनुसूची)

बम्बई नगर और बी० एस० डी० के रजिस्ट्रेशन जिले एवं उपजिले के थोडपदेव, चिचपोकली क्रास लेन पर स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा ग्राउंड का वह तमाम भाग अथवा खण्ड (उस पर खड़े स्ट्रक्चर सहित) जो कि माप में 782 वर्गगज (अर्थात् 653.83) वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है) एक बड़े भूभाग का ही एक हिस्सा होने की वजह से कलक्टर की बहियों में नए सर्वेक्षण सं० 8/3628 (पार्ट) के अधीन पंजीकृत है और जिसकी मझगांव डिस्ट्रिक्ट की कैंडास्ट्राल सर्वेक्षण सं० 10/716 (पार्ट) है तथा म्युनिसिपल ई वार्ड सं० 8204 (1) स्ट्रीट सं० 5, चिचपोकली मार्ग है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है—पश्चिम में और उत्तर में अथवा पश्चिम और उत्तर की ओर म्युनिसिपल मार्ग है । दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्रस्तावित मार्ग है, और उसके पीछे दानी वूलटेक्स कारपोरेशन की सम्पत्ति है तथा पूर्व में अथवा पूर्व की ओर हसन जौसब रतिवाला एण्ड कंपनी है ।

एन० के० शास्त्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 1 बम्बई

तारीख : 29-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री लज्जा सवेरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पोपठ करसनदास शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 29 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई-1/1134-4 / मार्च 75 —अतः मुझे, एन०  
के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1715 भूले श्वर डिह्रीजन है,  
जो मल्हारराव बाडी, दादी सेठ अग्यारी लेन में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले  
के मल्हार राव बाडी, दादी सेठ अग्यारी लेन, बम्बई में स्थित एवं  
अवस्थित जमीन अथवा ग्राउंड का वह तमाम खण्ड अथवा भाग  
जिसकी भूले श्वर डिह्रीजन सं० 1715 है जो माप में 200 वर्गगज  
अर्थात् 167.22 वर्गमीटर के समतुल्य अथवा उसके समकक्ष है  
तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि उत्तर में अथवा  
उत्तर की ओर सी० एस० सं० 1718 है दक्षिण में अथवा दक्षिण की  
ओर सेठ गोपालदास तेजपाल हाईस्कूल, पश्चिम में अथवा  
पश्चिम की ओर सी० एस० सं० 1724 है और पूर्व में अथवा पूर्व  
की ओर मल्हारराव बाडी मार्ग है ।

एन० के० शास्त्री,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज 1 बम्बई,

तारीख : 29-10-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 3 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० -24 / अ० रे० 5 / कल० / 75-76—

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-बीशारपाड़ा है तथा जो नीमता, जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काशीपुर, दम-दम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) कपूर सिंह (2) अजित सिंह अरोड़ा ।  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री गुरवचन सिंह, (2) जसवन्त सिंह, (3) निरंजन सिंह, (4) बलवन्त सिंह ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

इमारत सहित भूमि का क्षेत्रफल 10 कट्ठाह, जिसके दाग सं०-1227 खतिआन सं० -3, मौजा-बीशारपाड़ा, नीमता, जिला-24 परगना । दलील सं० - 2762 ता० 18-3-75 ।

एस० एस० ईनामदार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 5, कलकत्ता

तारीख : 3-11-75  
मोहर :

प्रज्ञा आई० टी० एन० एत०—

(1) श्री दीपाकर चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 4 नवम्बर, 1975

निदेश सं० ए० सी० 25 /अ० रे० 5 /कल/75-76—

अतः मुद्रा, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 310 सी०आई०टी० स्कीम VI म है तथा जो फूल बगान, जिला—24 परगना में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मियासदाह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (2) श्रीमती नारबदी देवी अग्रवाल, (2) शारदा देवी अग्रवाल, (3) माया देवी अग्रवाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० आई० टी० स्कीम VI म में स्थित भूमि का क्षेत्रफल 6 कट्ठा 12 छटोक है पुराना रास्ता, 1/1, कांकुर गाछी पहला रास्ता थाना फूल बगान दलील सं० 742 ता० 31-3-75।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

तारीख : 4-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० 32/आर-11/कल/75-76---अतः मुझे, आर०-  
वी० लालनाथिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० 23-ए/563  
है तथा जो डायमण्ड हारबर रोड पी० एस० अलीपुर, अलीपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रेजिस्ट्रार, अलीपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 24-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण नें,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चंचल कुमार सरकार (2) चंचल कुमार सरकार  
114, इलियट रोड, कलकत्ता-7

(अन्तरक)

(2) श्री रामताप्रसाद सिंहा और (2) श्रीमती तपेशवरी देवी  
651-ए, बलाक '0 न्यू आलीपुर, कलकत्ता-53  
(अन्तरिती)

(3) श्रीमती वन्तरन जिताके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 564, बलाक सं० 'एन' न्यू आलीपुर डेवलपमेंट  
स्कीम नं० XV, प्रेमिसेस नं० - 23 ए/563, डायमण्ड हारबर  
रोड, पी० एस० आलीपुर, डि०---24-परगनास।

आर० वी० लालनाथिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 10-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सि० -/33/आर-II/कल-75-76:—अतः मुझे, आर० बी० लालमाविया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 36-एफ/ और 35 बी है, तथा जो टालीगंज सक्क्यूलर रोड में स्थित है (और इससे 'उत्पादक अनुसूची' में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दाकुरदास विमल महबूबानी 11, लिन्डसे स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री भवरलाल मून्ध्रा (2) श्री दयाल चन्द मून्ध्रा

(3) श्री खेमारी मून्ध्रा और (4) श्री ओम प्रकाश मून्ध्रा सब 36 एफ० टालीगंज, सक्क्यूलर रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रेमिसेस नं० 36-एफ, और 35/बी टालीगंज सरकुलार रोड, मौजा-पुंजासापुर, पी० एस०, न्यू आलीपुर।

आर० बी० लालमाविया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, कलकत्ता,

तारीख : 10-11-1975  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 75

निदेश सं० एसि० 36 /आर-II /कलकत्ता /75-76:—  
अतः मुझे, आर० वि० लालमोया  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है  
और जिसकी खतियान सं० 780, 782, 783, 784,  
776, 784, /890, 783/880 और 783/982 है तथा जो  
मौजा आलामपुर, थाना-मेतियाबूज में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-3-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-346GI/75

- (1) मैसर्स गणेशदास रामगोपालदास, पार्टनर्स (1)  
श्रीमती लक्ष्मी झुनझुन वाला (2) श्री आदर्श कुमार  
हलवासिया 1, चित्तरंजन एयन्यू, कलकत्ता -13  
(अन्तरक)

- (2) इण्डिया पेट्रो प्रोडक्ट्स मैन्युफैक्चरिंग प्रा० लिमिटेड  
1, चित्तरंजन एयन्यू कलकत्ता-13  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 780, 782, 783, 784, 776, 784, /890,  
783/888 और 783/882, खतियान सं० 141, 234, 191  
196, 17, 234, 192 और 175 में मौजा आलामपुर थाना  
मेतियाबूज 24 परगना में 2. 20 सतक क्षेत्रफल खाली जमीन का  
अविभाजित आधा हिस्सा है।

आर० वि० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 54 रफी अहमद किवर्डी रोड,

कलकत्ता

तारीख: 10 नवम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० सि० -35 /आर-II /कलकत्ता /75-76:—

अतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 40-जि है तथा जो राजा सन्तोष रोड, अलिपुर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, अलिपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सैलेन्द्र प्रसाद दास, 25 प्रमथ मुखर्जी रोड कृत्तिन  
पाड़ा, थाना खरदा 24 परगना (2) श्रीमती मनोरमा  
महता, पति स्वर्गीय धिरेन्द्र नाथ महता, 4 केदार मलिक  
लेन, थाना-बाली, हावड़ा जिला

(अन्तरक) ।

(2) श्री अधीर कुमार चक्रवर्ती, 34, अलिपुर रोड, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुपूर्वी

सम्पत्ति सं० 40-जि, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता, मौजा  
केतला, थाना-अलिपुर में 2 कट्ठा, 14 छटांक क्षेत्रफल का जमीन ।

आर० वि० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 10 नवम्बर 1975  
मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० सि० -34 /आर-II /कलक/ 75-76:—

अतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22, है तथा जो दुर्गापुर लेन, आलीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रि० रजिस्ट्रार - 24-परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आतुल हुसेन चन्द्र नगर पि० एस० महेशतला.  
डि० - 24 -परगना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती छाया सरकार, डी/ अफ -शिशिर कुमार सर-  
कार, 27, एण० अलीपुर रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस नं० -22 दुर्गापुर लेन, पि० एस० आलीपुर, जमीन का परिमाण - 2 कट्ठा 11 छटाक 40 स्कोयार फुट।

आर० वि० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता 16

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-589 (238)—यतः मुझे, पी० एन० मिस्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2062, है, जो कृष्णानगर, मेन रोड भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) शांता बेन जगजीवन दास गांधी ईश्वर पटेल चाल, गोरे-गांव (ईस्ट) बम्बई -63.
- (2) जसवन्त राइ जगजीवन दास गांधी, परम शारदा रोड बम्बई-19.
- (3) नवीनचन्द्र जगजीवन दास गांधी, 46, बापू भाई वासी रोड, विले पारले (वेस्ट), बम्बई-56.
- (4) दीन धरराई जगजीवनदास गांधी 55/57, दादूभाई रोड, विले-पारले (वेस्ट), बम्बई -56

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरीलाल शगनलाल बालया, (2) हिम्मत लाल शगन लाल बालया 2308, हिल ड्राईव रोड, कृष्णा नगर, भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1500 वर्ग गज है और जिसका प्लॉट नं० 2062 है और जो तालजा मेन रोड पर और कृष्णानगर रेलवे स्टेशन के सामने, कृष्णानगर, भावनगर में स्थित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 7-11-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निदेश सं० 259/ए० सी० एच० 23-496/19-7/75-  
76—अतः मुझे पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 13-1 नोंध नं० 4/12 वार्ड नं० 13, है जो अटवा लाइन्स, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री गिरधरलाल पूनमचन्द शाह स्वयं तथा एच०यू० एफ के कर्ता, (2) शान्ताबेन, गिरधर लाल पूनमचन्द शाह की पत्नी (3) रमेश चन्द्र गिरधर लाल शाह (4) महेशचन्द्र गिरधर लाल शाह, भवानी वार्ड के पास हरिपुरा, सूरत

(अन्तरक)

2. मैसर्स आनन्द लेण्ड कारपोरेशन की ओर से उनके सहियारी (1) मलिका गिरीशचन्द्र गोलवाला, (2) रजनीकान्त बाबुभाई गोलवाला (3) रविदास दामोदर दास गज्जर (4) तारामत्ति बालकृष्ण गज्जर (5) विपिन चन्द्र गुलाबदास दलाल (6) परेश वसंतलाल दलाल (7) प्रेमीभाई गोकलभाई पटेल (8) ठाकोर भाई गोकलभाई पटेल (9) सुसनी भाई खंडूभाई देसाई (10) रेनुका भरतकुमार देसाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 13-1 वार्ड नं० 13 नोंध नं० 4 प्लॉट नं० 12 पैकी कुल माप 247 वर्गगज जो अटवा लाइन्स, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 234 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II अहमदाबाद।

तारीख : 7 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निदेश सं० 258/ए० सी० क्यू० 23-435/6-1/75-76:—  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 1008, खुली जमीन है, तथा जो  
अलकापुरी क्लब के पीछे, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुकर कान्तीलाल मुन्शा कुन्दन बेन, कान्तीलाल  
चिमनलाल मुन्शा की विधवा अपने कुल मुख्तार मधु-  
कर कान्तीलाल मुन्शा द्वारा, 'आनन्द' सी० जी०  
मार्ग, आनन्द नगर, अहमदाबाद-7.

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र प्रसाद जमनादास मजुमदार अल्कापुरी के  
पीछे, बड़ौदा, विजय रविन्द्र प्रसाद, मजुमदार देविका-  
बेन रविन्द्र प्रसाद मजुमदार

(अन्तरिती)

(3) डाहयालाल पंडिया गोविन्द काका राठौर (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो अलकापुरी क्लब के पीछे बड़ौदा में स्थित  
है जमीन का कुल माप 16744 वर्गफुट (बंगला, गैरेज, आउट हाउस  
सहित) है और जिसका रे० सर्वे नं० 1008 है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के मार्च, 1975 के रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 1890 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निदेश सं० 260/ए० सी० क्यू०-23-497/19-7/75-76:—

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 469/2 पैकी जमीन 0.16 गुंटा है जो अडाजन, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हीरालाल गोविन्द जी पटेल स्वयं तथा सुनील कुमार हीरालाल (सगीर) के वाली की हैसियत में (2) डाहीबेन, हीरालाल, गोविन्दजी पटेल की पत्नी (3) प्रकाशचन्द्र हीरालाल, अडाजन,  
(अन्तरक)

2. गीतानगर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से उसके प्रेसीडेंट : नरसिंह भाई मधुभाई पटेल, सेक्रेटरी: बनमालीभाई हरीभाई पटेल, कमेटी मेम्बर; इश्वरीभाई जेरामभाई पटेल ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 469/2 पैकी है और माप 0.16 गुंटा है अर्थात् 1936 वर्गगज है तथा जो अडाजन, ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1655 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० 261/ए० सी० क्यू० 23-429/7-2/74-75—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 463 और 462/3 पैकी जमीन नया  
बांधकाम है तथा जो थाला गांव, तह० चिखली

में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय चिखली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम कबीर पाइप मैन्युफैक्चरिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन  
प्रा० लि० थाला, तह० चिखली। (अन्तरक)

(2) श्री केदार सीमेंट प्रोडक्शन्स की ओर से  
उसके सहियारी इश्वरी भाई छोटू भाई पटेल,  
थाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व बांधकाम सहित अचल संपत्ति जिसका सर्वे नं०  
462/3 और 463 है (जमीन का कुल माप 3 एकड़ 23 गुंथा)  
और जो थाला गांव तह० चिखली में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी चिखली के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 1069 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-549(236)/1-1/75-76—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 3368 है जो दरीयापुर वार्ड-II अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-1975 को प्रबोधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या, अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री सुरेन्द्र नंदलाल दलाल,
2. श्रीमती पदमाबेन पत्नी श्री सुरेन्द्र नंदलाल दलाल,
3. श्री शान्तीकुमार नंदलाल दलाल,
4. श्रीमती हंसाबेन पत्नी शान्तीकुमार नंदलाल दलाल ,  
अहमदाबाद से
5. श्री यशवन्त कुमार नंदलाल दलाल, स्वयं तथा  
अपने सगीरो की ओर से—

(i) सौरभ यशवन्त दलाल

(ii) मेहता यशवन्त दलाल,

6. सरलाबेन पत्नी यशवन्त नंदलाल दलाल,

7. श्री लक्ष्मण भाई नंदलाल दलाल, स्वयं तथा अपने सगीर की ओर से—

(i) राजीव लक्ष्मणभाई दलाल,

8. सौदामिणी पत्नी श्री लक्ष्मणभाई नंदलाल दलाल,

9. श्रीमती पारवती बेन पत्नी नंदलाल मंगाराम दलाल,  
शाही बाग,

अहमदाबाद से ।

(अन्तरक)

(2) उषा कान्त को-ओप० हार्जिसिंग सोसायटी लि०

मारफत, श्री शम्भू भाई शकराभाई पटेल, नवा  
तलयानी पोल, दरीयापुर, अहमदाबाद ।

चेयरमैन—श्री धीरूभाई रंशोड दास ठक्कर,

मारफत, आर० सी० ठक्कर, दरीयापुर,

अहमदाबाद ।

सेक्रेटरी—श्री शम्भूभाई शकराभाई पटेल, नवा

तलयानी पोल, दरीयापुर, अहमदाबाद ।

मेनेजिंग कमीटी : श्री सुरेन्द्र जयंती लाल शाह,

मेबर

शाहपुर सोसायटी, शाहपुर,

अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 222 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, और जिसका सिटी सर्वे नं० 3368, जो जसदन रोड के पीछे स्थित है, और दरीयापुर चकला, अहमदाबाद में स्थित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5 नवम्बर, 1975

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-549(237)/1-1/75-76—  
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 3367/ए-2 है, जो दरीयापुर  
वार्ड-II, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या, अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री सुरेन्द्र नंदलाल दलाल,  
2. पदमाबेन पत्नी सुरेन्द्र नंदलाल दलाल,  
अहमदाबाद में ।  
3. श्री णान्तीकुमार नंदलाल दलाल,  
4. हंसाबेन पत्नी णान्तीकुमार नंदलाल दलाल,  
बम्बई में ।  
5. श्री यशवन्त कुमार नंदलाल दलाल, स्वयं तथा  
अपने समीरों की ओर से —  
(i) सौरभ यशवन्त दलाल,  
(ii) मेहूल यशवन्त दलाल,  
6. सलाबेन पत्नी यशवन्त नंदलाल दलाल,  
7. श्री लक्ष्मणभाई नंदलाल दलाल, स्वयं तथा अपने  
समीर की ओर से—  
(i) राजीव लक्ष्मण भाई दलाल  
8. सौदामिणि पत्नी श्री लक्ष्मणभाई नंदलाल दलाल,  
9. श्रीमती पार्वतीबेन पत्नी नंदलाल मंशाराम दलाल,  
शाही बाग, अहमदाबाद ।  
अहमदाबाद से (अन्तरक)  
(2) श्री चुनीलाल हरगोविंददास गांधी,  
एच० यू० एफ० के करता तथा मैनेजर :  
श्री चुनीलाल हरगोविंददास गांधी,  
कलपना कोलोनी, बी० नं० 2,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां, करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

**अनुसूची**

एक अचल सम्पत्ति जो 86 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, और  
जिसका सिटी सर्वे नं० 3367/ए-2, है, और जो मेन रोड पर  
स्थित है और दरीयापुर चकला के पास, अहमदाबाद में स्थित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-11-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० 255/ए० सी० क्यू० 23-413/19-8/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 393 पैकी खुली जमीन तथा जो कतार गांव, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या, अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) त्रिभुवनदास पुरुषोत्तमदास पटेल  
भूपेन्द्र त्रिभुवनदास पटेल,  
अमृतलाल त्रिभुवनदास पटेल, सूरत (अन्तरक)
- (2) दी डायरेक्टर,  
दिव्य वसुन्धरा फाइनस प्रा० लि०,  
श्रीनिकेतन बिल्डिंग, तवापुरा,  
पारसी शेरी, सूरत। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 393 और कुल माप 3 एकड़, 28 गुंथा अर्थात् 17908 वर्ग गज है तथा जो कतारगांव, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 859 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 16 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० 256/ए० सी० क्यू० 23-493/19-8/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 279 प्लोट नं० 16 वाई नं० 7 है, तथा जो उनापानी रोड, लाल दरवाजा के पास, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेसे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या, अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जोशी जेठालाल गरबद राम,  
जोशी परशोत्तमदास गरबदराम, जरद ता० सिनोर  
अपने कुल मुख्तार शाह अटोलदास गोर्धनदास,  
द्वारा, रावपुरा टावर के पास शिवापुरा बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) ईगल ट्रांसपोर्ट (मद्रास) प्रा० लि० कं०  
मद्रास अपने ब्रांच मैनेजर द्वारा  
7/279 उनापानी रोड, लाल दरवाजा के पास,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति (जमीन व मकान) जिसका नोंध नं० 279 पैकी प्लोट नं० 6 वाई नं० 7 (जमीन का माप 169 वर्ग गज) है और जो उनापानी रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत, के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1136/मार्च 1975 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-10-1975

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 257/ए० सी० ब्यू० 23-494/6-2/75-76—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 503 प्लॉट नं० 11/बी/1 है तथा जो  
संपतराव कालोनी, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 10-3-1975 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० जगदीशभाई नरसिभाई पटेल,  
डा० कोकीला जगदीशभाई पटेल  
मार्फत निराली क्लीनिक, महारानी गल्स हाई स्कूल  
के पीछे, बड़ौदा। (अन्तरक)

(2) डा० चन्द्रकान्त जे० शाह,  
डा० बीना चन्द्रकान्त शाह,  
बीना क्लीनिक, राजमहेल रोड,  
बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नं० 503 प्लॉट नं० 11/बी/1 है और  
कुल माप 6058 वर्ग फुट है तथा जो संपतराव कालोनी, बड़ौदा  
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के मार्च  
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1582 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/163/75-76—यतः, मुझे के० एस० बेंकट रामन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए/2-6 आबीद रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुस्पलता बागी असोसियेटेड बिल्डर्स और रियल इस्टेट आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती जुबेदा-के०-बगत, 3-6-524 हीमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—बारा नं० ए/2-6 तीसरा अन्त० पूतम अपार्टमेंट चिराग अली गली-आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 160/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और

जिसकी सं० 16-2-701/6/9 मलकपेट है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 17-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
1957 अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त की धारा अधिनियम 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० वसप्पा 4-3-428, गुलबाग, हनुमान टेकडी,  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कान्ता पत्नी सूर्याकान्त 3-4-376/28,  
निगम्पल्ली, हैदराबाद (2) हिरालाल, पुत्र शामजी,  
मुलतान बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16-2-701/6/9 मलकपेट, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 157/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-882 बेगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सुभाशिनी देवी पत्नी जयवन्त एच० पटेल,  
पूना,  
(2) श्रीमती रमा देवी पत्नी एम० सुन्दर रामी रेडी,  
(3) श्री एम० विष्णु कुमार रेडी,

- (4) श्रीमती आदी लक्ष्मी देवी पत्नी जे० हरी कुण्णा,  
(5) श्री एम० विजय कुमार रेडी, बेगमपेट, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) श्री जी० पुल्ला रेडी पुत्र हुसेन रेडी,  
(2) श्रीमती जी० नारायणम्मा पत्नी जी० पुल्ला रेडी,  
(3) श्री जी० राघवा रेडी पत्नी जी० पुल्ला रेडी,  
(4) श्री जी० बरलक्ष्मी पुत्री जी० पुल्ला रेडी,  
(5) श्री जी० एकाम्बर रेडी पुत्र जी० पुल्ला रेडी,  
(6) श्रीमती जी० अन्नरुणम्मा पुत्री जी० पुल्ला रेडी,  
(7) श्री पी० सुब्बा रेडी पुत्र पी० वेंकट रेडी,  
(8) श्री जी० श्रीनिवास रेडी,  
(9) श्री जी० लोकेश्वर रेडी,  
(10) श्री पी० वेंकट रेडी पुत्र पी० सुंकी रेडी, कर्नूल,  
(11) श्री आर० वी० शेषाचारलू पुत्र शेषाचारलू,  
कर्नूल,  
(12) श्री जी० पदमनाभम पुत्र आर० वी० शेषाचारलू,  
कर्नूल,  
(13) श्री जी० रामानुजाचरी पुत्र आर० वी०  
शेषाचारलू, 6-8-655 स्टेशन रोड, हैदराबाद,  
(14) श्री के० सुब्रमन्यम पुत्र के० वेंकट सुब्बय्या  
कार्टर्ड अकाउंटन्ट, कर्नूल

11-5-452 रेड हिल्स हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति :—मकान नं० 6-3-882, तथा जमीन जिसका  
क्षेत्रफल 5678 वर्ग गज है और बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 161/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 22-2-444 नूरखान बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

7—346/75

1. श्रीमती जुबेदा बेगम साहेबा पत्नी मोहमद जमालुद्दीन,  
22-2-444 नूरखान बाजार हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री गुलाबानू रजाक 1-5-388/1 झमिस्तान पुर  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

नं० 22-2-444, नूरखान बाजार, हैदराबाद क्षेत्रफल—  
571 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 159/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 22-6-224-225 मंडी मीर आलम है, जो  
हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 2-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बली उमीसा बेगम पत्नी स्व० नजाबन, अली  
पाशा, 22-6-224-225 मंडी मीर आलम हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री मोहमद अन्वरुद्दीन भागीदार मेसर्स अन्वर आकरी,  
मजली मकान, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० 22-6-224—225, मंडी मीर आलम कुची नसीम,  
हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1965

मोहर :

प्ररूप आर्दं टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 158/75-76—यतः मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 6-3-879/बी बेगम पेट है, जो हैदराबाद में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
14-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. (1) श्रीमती सुभासिनी देवी पत्नी जयवन्त एच० पटेला,  
पूना
- (2) श्रीमती रमा देवी पत्नी एम सुन्दर रामी रेड़ी,  
बेगम पेट, हैदराबाद,

- (3) श्रीमती आदी लक्ष्मी देवी पत्नी जे० हरी कृष्णा,  
फते मैदान हैदराबाद,
- (4) श्री एम० विष्णु कुमार रेड़ी पुत्र एम० ए० राम  
चन्द्रा रेड़ी हैदराबाद,
- (5) श्री एम० विजय कुमार रेड़ी, बेगम पेट, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) श्री जी० पुल्ला रेड़ी पुत्र हुसेन रेड़ी,  
(2) श्रीमती जी० नारायनम्मा पत्नी जी० पुल्ला रेड़ी,  
(3) श्री जी० राघवा रेड़ी पुत्र जी० पुल्ला रेड़ी,  
(4) श्रीमती जी० वर लक्ष्मी पुत्री जी० पुल्ला रेड़ी,  
(5) श्री जी० श्रीनिवास रेड़ी पुत्र जी० पुल्ला रेड़ी,  
(6) श्री जी० एकाम्बर रेड़ी पुत्र जी० पुल्ला रेड़ी,  
(7) श्रीमती जी० अन्न पूरनम्मा पुत्री जी० पुल्ला रेड़ी,  
(8) श्री जी० लोकेश्वर रेड़ी,  
(9) श्री पी० सुब्बा रेड़ी पुत्र पी० वेंकट रेड़ी, 11-5-452,  
रेड हिल्स, हैदराबाद  
(10) श्री पी० वेंकट रेड़ी पुत्र पी० सुंकी रेड़ी, कर्नूल,  
(11) श्री आर० बी० शेषाचारलू पुत्र शेषाचमरलू, कर्नूल,  
(12) श्री आर० पदमनाभम् पुत्र आर० सी० शेषाचारलू,  
कर्नूल,  
(13) श्री आर० रामानुजाचारी पुत्र आर० बी० शेषा-  
चारलू, 6-8-655, स्टेशन रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—मकान नं० 6-3-879/बी, बेगम पेट, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 162/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 16-2-701/5/2 से 4 मलक पेट है, जो  
हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 17-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० बसप्पा, 4-3-428 गुलबाग, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमत्त बाई टी० कापाडिया 6-3-660 सोमाजी  
गूडा, हैदराबाद

3. (1) डा० जगन्नाथ पटेल (2) कौशलया बाई (3) कोल  
ट्रेडिंग कम्पनी (4) एम० नारायण (5) मुनिस्वामी  
(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० 16-2-701/5/2 से 4 मलक रोड, हैदराबाद-36।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1975

मीहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 84/75-76/ए सी ब्यू—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज धारवाड़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० 52/1 ए-2-3, सि० सं० सं० 1/10 है, जो जयनगर हुबली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली डेक्यूमेंट सं० 340 के अन्तर्गत 24-3-1975 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरविंद बसप्पा जत्ती, घर सं० 224 बल्लारी रोड,  
बेंगलूर (अन्तरक)

2. (1) श्री राजेन्द्र (2) जितेंद्र (3) विलीप सन आफ  
नाना साहेब कुलकर्णी एम/जी० श्रीमती गीताबाई एन० कुलकर्णी,  
कमडोल्ली, प्रस्तुत 66, एम० एच० बी०-2 कालिनी, हुबली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

निवास का घर और खुला जागा जो एम० टी० एस० सर्वे सं० 52/1 ए-2-3, प्लॉट सं० 4, सि० सं० 1/10 में नवजीवन हौसिंग कालनी, जयनगर, हुबली में स्थित है। और जिसकी सीमाएं :—

पूरब में—प्लॉट सं० 5

पश्चिम में—30' रोड,

उत्तर में :—नाला,

दक्षिण में—प्लॉट सं० 8

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 85/75-76/एसीक्यू०—

यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
और जिसकी सं० अनुसूची में दिया है, जो हेडाडे ग्राम, कोरलगुडे  
ग्राम और उडमनहल्ली ग्राम में स्थित है (और इससे उपाचय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बेलूर डॉक्यूमेंट सं० 27567 के अन्तर्गत 31-3-  
1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री के० एच० श्रीनिवासन् पुत्र के० हनुमंतय्या,  
सं० 36, श्रीसेंट रोड, हाँय गौड, बेंगलूर।

(2) श्रीमती जयलक्ष्ममा श्रीनिवासन्, सं० 36, श्रीसेंट  
रोड, हाँय गौड, बेंगलूर।

(3) श्रीमती लीला सोनी पत्नी डा० बी० के० सोनी  
नं० बी०-8-2, मल्टीस्टोरीड फ्लैट्स, आर० के पुरम, नई  
दिल्ली।

(4) श्रीमती शारदा इश्वरन्, पत्नी श्री के० एस०  
इश्वरन् किब्बेट्टा रस्टेट, सोमवार पेट, कूर्ग।

(5) श्रीमती मालीनीराजे प्रसाद पत्नी श्री के० एस०  
प्रसाद, कुसुबूर एस्टेट, सोमवार पेट, कूर्ग। (अन्तरक)  
2. मेसर्स हेडाडे एस्टेट्स, नॉर्वे-573134, सक्केसपूर,  
श्री ए० एन० बेकटावचलम, म्यानेजिंग पार्टनर के जरीये।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हेडाडे ग्राम, कोरलगुडे ग्राम और उडमनहल्ली ग्राम में  
स्थित कॉफी एस्टेट:-

(1) हेडाडे ग्राम

- (i) सं० नं० 55 एकड़ 27 और गुंठा 35
- (ii) सं० नं० 61 एकड़ 19 और गुंठा 1
- (iii) सं० नं० 1/4 एकड़ 1 और गुंठा 30
- (iv) सं० नं० 12 एकड़—और गुंठा 28
- (v) सं० नं० 3 एकड़ 1 और गुंठा 28
- (vi) सं० नं० 4/1 एकड़ 6 और गुंठा 22
- (vii) सं० नं० 59 एकड़ 10 और गुंठा 4
- (viii) सं० नं० 62 एकड़ 3 और गुंठा 11
- (ix) सं० नं० 63 एकड़ 127 और गुंठा—
- (x) सं० नं० 46/2 एकड़ 7 और गुंठा 22
- (xi) सं० नं० 46/1, एकड़ 2 और गुंठा 24

(2) कारेगुडे ग्राम

- (i) सं० नं० 21 एकड़ 5 (भाग)
- (ii) सं० नं० 26 एकड़ और गुंठा 25
- (iii) सं० नं० 27 एकड़ 2 और गुंठा 3
- (iv) सं० नं० 30 एकड़ 3 (भाग)
- (v) सं० नं० 31/1 एकड़ 14 और गुंठा 16
- (vi) सं० नं० 32/1 एकड़ 25 और गुंठा 30
- (vii) सं० नं० 33/1 एकड़ 2 और गुंठा 27
- (viii) सं० नं० 33/2 एकड़ 22 और गुंठा 25
- (ix) सं० नं० 34 एकड़ 15 और गुंठा 38

(3) उडमनहल्ली ग्राम

सं० नं० 1-5 एकड़

पी० सत्यनारायण राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 10-11-75

मोहर :

अर्जन रेंज, धारवाड़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) M/s. Aruna Straw Boards (Reg. Firm) Tanuku.  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) M/s. Aruna Straw Boards (P.) Ltd., Tanuku.  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 नवम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

Acq. File No. 263/J. No. 663/WG/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
Ac. 3-52 cents. in R.S. No. 162/2 Suryaraopalem Village  
है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय Tanuku में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

The schedule property as per documents No. 575/75 and  
576/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight  
ended on 31-3-75.

B. V. SUBBA RAO  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 नवम्बर 1975

Acq. File No. 262/J. No. 662/WG/74-75.—

यतः मझे B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 33-49, Tangiralavari St.

है, तथा जो Tanuku में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, Tanuku में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Shri T. Ananda Rao, 2. Smt. T. Ramayamma  
3. T. V. Chandra Mohan Ramachandra Rao, peta,  
Eluru.

(अन्तरक)

(2) 1. Dr. N. Gopalakrishna Raju, 2. N. Sivarama  
Raju, Satyawada Village, Tanuku Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 496/75 of the  
SRO, Tanuku registered during the fortnight 31-3-75.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, I काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 नवम्बर 1975

Acq. File No. 261/J. Nos. 626 & 627/EG.—

अतः मुझे B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० R. S. No. 391-I 2-34 Plus 2-38 है, तथा जो Ramachendrapuram में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Ramachendrapuram में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 15-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

8—346 GI/75

- (1) 1. S/s. Pasala Suranna. 2. Pasala Subba Rao. 3. Pasala Satyanarayana. 4. Pasala Krishna Murthy. 5. Pasala Surya Baskara Rao. 6. Pasala Venkata Raju. 7. Pasala Govinda Raju. 8. Smt. Pasala Polemma-Alias Ammavi W/o Suranna, Vella Village, R. C. Puram Tq.

(अन्तरक)

- (2) Sri Penumarthy Satyanarayana-Vella Village, R. C. Puram Taluk. E.G. Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 588/75 and 589/75 of the SRO, Ramachendrapuram.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Sri T. Seetharamanjaneyulu, S/o Ramaiah, Kakatiya Picture Palace, Swami Vivekananda Road, Warrangal-2.

[आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) Sri J. G. Shah, Jyothi Iron Works, Patamata, VZA.  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 नवम्बर 1975

Acq. File No. 264/J. No. 1KR, 562/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19/90 & 91 Patamata Police Station है तथा जो Behind, Patamata में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 900/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 31-3-75.

B. V. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 10 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर०-72/3829/74-75—यतः, मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 36 (पुराना नं० 176) है, जो III क्रॉस, हचिन्स रोड, सेंट थामस टोन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 4008/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बसन्त कौर, 63/3, सिन्ध कालोनी, बम्बई-2 (अन्तरक)

2. श्रीमती कुलदीप सिन्हा रेखी पुत्र दयाल सिन्हा रेखी, 4, चर्च रोड, शानतिनगर बैंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेट नं० 36 (पुराना नं० 176), III क्रॉस, हचिन्स रोड, सेंट थामस टोन, बंगलूर-5।

क्षेत्रफल : 70' × 60' = 4200 वर्ग फीट

सीमा

पूर्व : मकान नं० 35

पश्चिम : मकान नं० 37

उत्तर : III क्रॉस, हचिन्स रोड

दक्षिण : मकान नं० 10, II क्रॉस, हचिन्स रोड, दस्तावेज नं० 4008/74-75 तारीख 1-3-75

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर०-62/3840/74-75—यतः मुझे  
आर० क्रिष्णमूर्ति  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 233/19 है, जो 40 कास, V ब्लॉक,  
जयनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जयनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 4101/74-75 (1908 का  
16) के अधीन 6-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० रामराजु, मोरनहल्ली V ब्लॉक, जयनगर,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री एम० वी० सेलवराजु, पुत्र एस० एम० बेल्लोस्वामी,  
81, श्री रामस्वामी लेआउट बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सैट नं० 233-19 बावली सहित, 40 कास, V ब्लॉक,  
जयनगर, बंगलूर। डिवाजन नं० 35

40' + 45'

क्षेत्रफल  $\frac{40' + 45'}{2} \times 90' = 3780$  वर्ग फीट

सीमा:—

पूर्व: LX मैन रोड।

पश्चिम: सैट नं० 234।

उत्तर: सैट नं० 232।

दक्षिण: रोड:

दस्तावेज नं० 4101/74-75 तारीख 7-3-1975।

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 24-10-1975

मोहर:



प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3847/74-75—यतः, मुझे  
आर० क्रिष्णमूर्तिआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 49 (प्लॉट नं० 2) इन्डस्ट्रियल सबर्ब  
नति जोन, राजाजीनगर, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-3-1975 दस्तावेज नं० 6642/74-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री टी० एस० नागराज सेट्टी 18, III मैन रोड,  
चामराजपेट, बंगलूर सिटी

(अन्तरक)

2. श्री किरनकुमार पुत्र केशरिमल गाधिया, 87, 11<sup>थ</sup> श्वरी  
टेम्पल स्ट्रीट, बंगलूर सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

नं० 49, प्लॉट नं० 2, इन्डस्ट्रियल सबर्ब नति जोन,  
राजाजीनगर, बंगलूर सिटी।

क्षेत्रफल पू० प० 172' × उ० द० 434'

फैक्टरी इमारतें और आदि

सीमा : उत्तर : दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : मैन रोड।

पूर्व : अन्तरक की सम्पत्ति।

पश्चिम : डी० महादेवन और डी० राजाराम को बेची  
गई सम्पत्ति दस्तावेज नं० 6642/74-75 तारीख 6-3-75।

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3860/74-75—यतः,  
मुख्य आर० क्रिष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 16/1 बी० है, जो सिद्देडहल्ली  
यशवन्तपुर होबली बंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे  
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं०  
7331/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल  
से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

1. (1) श्री ललिता श्रीनिवासन  
(2) श्री डी० श्रीनिवासन 4, XII क्रॉस, मल्लेश्वरक,  
बंगलूर-3 (अन्तरक)

2. श्री पी० जी० बी० राव 210, I एन ब्लॉक, राजाजी  
नगर बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

बागायत सर्वे नं० 16/1 बी०, सिद्देडहल्ली, यशवन्तपुर  
होबली, बंगलूर नार्थ तालुक 4½ एक जमीन।

सीमा

उत्तर : सर्वे नं० 12 और 23 सिद्देडहल्ली

दक्षिण : सरकारी रोड।

पूर्व : सर्वे नं० 16/1 (एक भोभाग), सिद्देडहल्ली।

पश्चिम : सर्वे नं० 16-1/(और एक भाग), सिद्देडहल्ली।

दस्तावेज नं० 7331/74-75 ता० 31-3-75।

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3864/74-75—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट 33/1 (एक भाग) विकटोरिया रोड है,  
जो विकटोरिया रोड, बैंगलूर-7 में स्थित है (और इससे के  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं०  
4214/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 19-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पी० एलिजबेथमा C/० पी० आन थोनी  
रेड्डी, अड्डकोट, नरसिगरावपेट, कर्नूल (ए० पी०)

(अन्तरक)

2. श्रीमती जार्ज पत्नी जे० जार्ज 33/1, विकटोरिया  
रोड, बैंगलूर-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सैट नं० 33/1 का एक भाग, विकटोरिया रोड, बैंगलूर-7  
क्षेत्रफल: 51 9' × 50 50 × 24  
————— × ————— 2035 वर्ग फीट  
3 2  
दस्तावेज नं० 4214/74-75 ता० 19-3-75।

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर)

तारीख: 18-10-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3866/74-75—यतः मुझे

आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 74/1 (ग्रीन्ड फ्लोर कोडकर) है, जो  
इब्राहीम साहेब स्ट्रीट, सिविल स्टेशन स्थित बैंगलूर-1 में स्थित  
है (और इससे सपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 20-3-1975 दस्तावेज नं० 4234/74-75।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जाफर सैद पुत्र अहमद सैद नं० 16, 1 ब्लॉक  
मुक्कियार रोड फेजर टोन, बैंगलूर-5।

(अन्तरक)

2. श्री डी० कुप्पुस्वामी पुत्र दौरेस्वामी 36, नहरपुरम,  
बैंगलूर-1।

(अन्तरिती)

3. श्री ए० वी० एन० स्वामी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

सं० 74/1 (ग्रीन्ड फ्लोर कोडकर) इब्राहीम साहेब स्ट्रीट  
सिविल स्टेशन, बैंगलूर-1

क्षेत्रफल पू० 40' 46' X उ० द० 26'

सीमा :

उत्तर और पश्चिम : सम्पत्ति नं० 80, इब्राहीम साहेब स्ट्रीट  
दक्षिण : इब्राहीम साहेब स्ट्रीट।

पूर्व : क्याबलरी रोड।

दस्तावेज नं० 4234/74-75 ता० 20-3-75।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3868/74-75---प्रतः,  
मुख्य आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14 है, वालटन रोड, बैंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर दस्तावेज नं० 4258/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-  
9-346GI/75

1. श्री वी० आनन्द जेट्टी पुत्र सूरभ शेट्टी कूनदापुर सात कनरा।

(अन्तरक)

2. श्री शनकरनारायण वन्सद्रकशन कम्पनी कुन्दापुर सात कनरा द्वारा भागीदार नारायण शेट्टी 10, वालटन रोड बैंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत नं० 14 (पुराना 10-ए० सैट मार्कस स्कवयर) वालटन रोड, बैंगलूर-1।

इमारत 26.95 वर्ग

ग्यारेज आदि : 1100 वर्ग फीट।

सीमा :

उत्तर : अमेरिकन मिशन क्याम्प कामपीड।

दक्षिण : वालटन रोड।

पूर्व : नं० 15, वालटन रोड।

पश्चिम : नं० 13 वालटन रोड।

दस्तावेज नं० 4258/74-75 ता० 21-3-75।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,

अर्जेंट रेंज, बंगलूर कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3879/74-75—यतः, मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जसकी सं० 33/1, का एक भाग विकटोरिया रोड,  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-  
नगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-3-1975 दस्तावेज नं०  
4323/74-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पी० एलिजबेथम्मा ८/० पी० आनथोनी रेडी,  
अड्डोकेट, नरसिन्नारावपेट, करनूल (ए० पी०)

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० मनजुला 1 (पहला मनजिला) दनदराम-  
सिन्हा लेन नारायणपिल्ले स्ट्रीट आस, बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सैट नं० 33/1 का एक भाग जो विकटोरिया रोड, सिविल  
स्टेशन बंगलूर-1, डिविजन नं० 61।

क्षेत्रफल : 55' + 37 108' + 75

$\frac{55}{2} + \frac{37}{2} + \frac{108}{2} + \frac{75}{2} = 4186$  वर्ग फीट

(3756 वर्ग फीट 37-जी० के० प्रकार)

सीमा :

पूर्व : 30 फीट रोड।

पश्चिम : फिलोमिन्ता हास्पिटल की दीवार और सी० ए०  
टी० बी० की सैट

उत्तर : 39, विकटोरिया रोड

दक्षिण : 33/1 का एक भाग, विकटोरिया रोड जो  
एफ० पी० आनथोनी को बेचा गया।

दस्तावेज नं० 4323/74-75

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3880/74-75—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 33/1 का एक भाग है, जो विकटोरिया रोड,  
सिविल स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4324/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 27-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

1. श्रीमती पी० थलिजवत्तम्मा C/O पी० आनथोनी रेड्डी  
अडवोकेट, नरसिन्नरावपेट, करनूल (ए० पी०)  
(अन्तरक)

2. श्री एफ० पी० आनथोनी, 40 टाटा लैन, अशोकनगर  
बैंगलूर-25।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सैट नं० 33/1 का एक भाग जो विकटोरिया रोड सिविल  
स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है।

डिविजन नं० 61।

क्षेत्रफल  $49'9'' + 37'75' + 50'$

$$\frac{\quad}{2} \times \frac{\quad}{2} = 2395.5 \text{ वर्ग फीट}$$

सीमा

पूर्व : 30 फीट रोड

पश्चिम : नं० 35 विकटोरिया रोड।

उत्तर : नं० 33/1 का एक भाग जो आर० मनजुला को  
बेचा गया।

दक्षिण : 33/1 का एक भाग (दुसरो की) दस्तावेज नं०  
4324/74-75

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 20-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3896/74-75—यतः सुझे  
आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 2 है, जो स्ट्रीट क्रॉस, कूक टोन, में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है सिविल स्टेशन, बंगलूर-5 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 4375/74-75  
दिनांक 21-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती काथलीन डोरोती स्टिफेन्स (अन्तरक)  
नं० 14, क्लर्क रोड, रिचार्ड्स टोन,  
बंगलूर-5।

2. श्री वी० डी० अमृतलिनगक (अन्तरिती)  
104, बीकर रोड, कूक टोन,  
बंगलूर-5

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 2 है स्ट्रीट क्रॉस, कूक टोन, सिविल स्टेशन, बंगलूर-5।  
क्षेत्रफल/50'—80'—4000 वर्ग फीट  
दस्तावेज नं० 4375/74-75 तारीख 21-10-75।

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज बंगलूर।

तारीख : 20-10-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 18 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3910/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 359-1 पुराना सर्वे नं० 170 है, जो केम्पापुरा अग्रहरा, कसबा होबली बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4456/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) चिक्कबळ्ळप्पा (2) (अन्तरक)  
कुरिलिनगप्पा (3) मुनिशाकप्पा,  
मागडि रोड, केम्पापुरा अग्रहरा,  
मारेनहल्ली, बैंगलूर सिटी 1

2. श्रीमती अन्नपूर्णा, पत्नी टी० एस०  
चन्द्रशेखरा, 1681, नागप्पा ब्लॉक,  
श्रीरामपुरम, बैंगलूर 1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 359-1 (पुराना नं० 170), केम्पापुरा अग्रहरा, कसबा होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक 1 डिविजन नं० 21।  
एक एकड़ 29 गुनटे

सीमा : पूर्व : विनायक हौज बिल्डिंग को आपरेटिव सोसाइटी की जमीन।

पश्चिम : श्री हनुमन्तप्पा की जमीन

उत्तर : कुरिलिनगप्पा और दूसरों की जमीन

दक्षिण : रैलवे मुनियप्पा की जमीन

दस्तावेज नं० 4456/74-75 तारीख 24-3-75।

आर० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर 1

तारीख : 18-10-1975

मोहर :

प्ररूप ग्राहं टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 18 अक्टूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3911/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 377-2 (पुराना 171) है,  
जो केम्पापुरा अग्रहारा, मारेनहल्लीकसबा होब्ली, बंगलूर नार्थ  
तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम,  
बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दस्तावेज नं० 4481/74-75 और 27-3-975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुरिलिनगप्पा, मागडि रोड, (अन्तरक)  
कम्पापुरी अग्रहारा, मारेनहल्ली,  
बंगलूर सिटी।
2. श्रीमती अन्नपूर्त्तमा पत्नी टी० एस०  
चन्द्रसेखर, 1681; नागप्पा ब्लाक,  
श्रीरामपुरम, बंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 377/2 (पुराना सर्वे नं० 171)

केम्पापुरा अग्रहारा, मारेनहल्ली, कसबा होब्ली,  
बंगलूर नार्थ तालुक।

डिविजन नं० 21।

दो एकर 39 गुनटे

सीमा : पूर्व : मेलप्पा की जमीन

पश्चिम : नाला जो सरकारी जमीन पर से गुजरता है।

उत्तर : डोडा हनुमनता और स्याके

क्याकटरी कालोनी की जमीन।

दक्षिण : चिक्क हनुमनता की जमीन

दस्तावेज नं० 4481/74-75 तारीख 27-3-75।

आर० कृष्णामूर्ति,

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज बंगलूर।

तारीख : 18-10-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर तारीख 18 अक्तूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3912/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 374-1/375-2 (पुराना सर्वे नं० 172 और  
174) है, जो केम्पापुरा अग्रहारा, कसबा होब्ली बैंगलूर नार्थ  
तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम,  
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दस्तावेज नं० 4482/74-75 दि० 27-3-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुलिनगप्पा पुत्र लेट वीरप्पा (अन्तरक)  
भागडि रोड, केम्पापुरा अग्रहारा,  
मारेन हल्ली, बैंगलूर ।
2. श्रीमती अन्नपूर्णा पत्नी टी० एस०  
चन्द्रसेखरा 1681, नागप्पा  
ब्लाक.
3. श्री श्रीरामपुरम, बैंगलूर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन नं० आर० एस० 375-2 और 374-1 (पुराना सर्वे  
नं० 172 और 174), केम्पापुरा अग्रहारा मारेनहल्ली, कसबा  
होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक ।

डिविशन नं० 21 ।

3 एकर और 9 गुन्टे

सीमा :

पूर्व : विनायक हौस बिल्डिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी की  
जमीन ।

पश्चिम : डोड्डबिल्लप्पा की जमीन

उत्तर : श्रीमती देबेरम्मा और दूसरों की जमीन

दक्षिण : डोड्डबिल्लप्पा की जमीन

दस्तावेज नं० 4482/74-75 तारीख 27-3-75

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख : 18-10-75 अर्जन रेंज, बैंगलूर ।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3913/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एस० 354-3 पुराना सर्वे नं० 168-2)  
है, जो कम्पापुरा अग्रहारा, मारेनहल्ली कसबा होल्ली, बंगलूर नार्थ  
तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम,  
बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दस्तावेज नं० 4499/74-75 दिनांक 29-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण,  
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चौडप्पा पुत्र हनुगनतप्पा, मागडि रोड, (अन्तरिक)  
कम्पापुरा अग्रहारा,  
मारेनहल्ली, बंगलूर सिटी।
2. श्रीमती अन्नपूर्णा 1681, नागप्पा ब्लाक  
श्रीरामपुरम, बंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में  
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 354-3 (पुराना सर्वे नं० 168-2)  
कम्पापुरा अग्रहारा, मारेनहल्ली, कसबा होल्ली, बंगलूर नार्थ  
तालुका (डिविजन नं० 21)

34 गुनटे जमीन

सीमा :

पूर्व : चिक्कहनुमनतप्पा की जमीन

पश्चिम अंतिगुप्पे की जमीन

उत्तर : सुब्बय्या और दूसरों की जमीन

दक्षिण : सरकारी जमीन

दस्तावेज नं० 4499/74-75 तारीख 29-5-75

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 18-10-1975

मोहर :

अर्जन रेंज, बंगलूर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3917/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 33834 (पुराना नं० 8) (बागायत)  
है, जो बड्डरपाल्या, उत्तरहल्ली होब्ली, बंगलूर सौत तालुक में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सौत तालुक  
दस्तावेज नं० 9358/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10—346GI/75

1. श्रीमती जयम्मा पत्नी डी० एम० रामय्य

गोडा, 126, 7 मैन रोड,

4 ब्लाक, जयनागर, बंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्रीमती तिमम्म उर्फ तायम्मा

कृष्णमूर्तीपुरा, मैसूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 33 और 34 (पुराना 8), बड्डरपाल्या,  
उत्तरहल्ली होब्ली, बंगलूर सौत तालुक।

8 एकर बागायत

सीमा :

पूर्व : सनगम्मा की सम्पत्ति

पश्चिम : सरकार की जमीन

उत्तर : रोड और एम० सी० श्रीकनलय्य की सम्पत्ति

दक्षिण : कमबय्या की सम्पत्ति

दस्तावेज नं० 9358/74-75 तारीख 22-3-75

आर० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3992/74-75—यन: मुझे  
आर० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 21/ए (पुराना नं० 20/2) हेच सिद्दिया रोड,  
बैंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5245/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
4-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० पी० पापन्न रेड्डी,  
60, लालबाग रोड,  
बैंगलूर-27 (अन्तरक)

2. श्री हेच० हवीबुर रहमान  
नं० 6, कुण्डस्वामी नायडु स्ट्रीट  
सिविल स्टेशन, बैंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

इमारत नं० 21/ए (पुराना नं० 20/2), हेच० सिद्दिया रोड,  
बैंगलूर-27।

क्षेत्रफल : 31.5'—15' = 472.5 वर्ग फीट

इमारत लगभग 12 वर्ग

सीमा :

पूर्व : कृष्णमूर्ती का मकान

पश्चिम : कास रोड

उत्तर : अन्तरक की बची हुई सम्पत्ति

दक्षिण : हेच० सिद्दिया रोड,

दस्तावेज नं० 5245/74-75 तारीख 4-3-1975

आर० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 27-10-75

मोहर।

अर्जन रेंज, बंगलूर

## प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 27 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 72/3993/74-75 -यतः,  
मुझे आर० कृष्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 21/ए (पुराना 20/2) हेच० सिद्दय्या रोड,  
बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन-  
गुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 5248/74-75, 4-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री बी० पी० पापन्न रेड्डी, (अन्तरक)  
नं० 60, लालबाग रोड,  
बंगलूर-27
2. श्रीमती फरहत खानुम पत्नी सैयद (अन्तरिती)  
हबीबुर रहमान, नं० 6, कुण्णुस्वामी  
नायडु  
स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नं० 21/ए (पुराना 20/2) हेच० सिद्दय्या रोड,  
बंगलूर-27

क्षेत्रफल : 36.5' x 15 = 547.5 वर्ग फीट

इमारत : लगभग 12 वर्ग

सीमा :

पूर्व : बी० बी. लक्ष्मय्या और कृष्णमूर्ती के मकान

पश्चिम : कास रोड,

उत्तर : बी० बी० लक्ष्मय्या की सम्पत्ति

दक्षिण : हबीबुर रहमान की सम्पत्ति

दस्तावेज नं० 5248/74-75

ता० 4-3-75

आर० कृष्णमूर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-10-75  
मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

तारीख 3 अक्तूबर 1975

निपुण सं० सी० आर० 62/3994/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 41/22 (सैट) है, जो कास, कलासिपाल्यक  
एक्सटेशन (मोतीनगर), बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बसवनजुआअ बंगलूर दस्तावेज नं० 5351/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-3-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शामसुलहक पुत्र सैयद शेर जामेर

25 (पहला मनजिला), कोलस रोड,  
बंगलूर-5

(अन्तरक)

2. श्री (1) जहनगीर खान (2) (अन्तरिती)

महम्मद अली खान (3) यूनुस खान

मार्फत लक्ष्मी ट्रान्सपोर्ट, 57,

कलासिपाल्यम न्यू एक्सटेंशन,

बंगलूर-2।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सैट नं० 41/22, II कास, कलासिपाल्य एक्सटेंशन  
(मोतीनगर), बंगलूर-2।

क्षेत्रफल : ५० ५० 40'—३० ४० 80'—3200 वर्ग  
फीट सीमा।

पूर्व : टी० एम ए० रहमान की इमारत (सैट नं० 42) पर

पश्चिम : लिनगराजु की सैट नं० 40

उत्तर : II कास रोड, न्यू कलासिपाल्यम एक्सटेंशन

दक्षिण : मोहम्मद इस्माईल की इमारत

दस्तावेज नं० 5351/74-75 तारीख 10-3-75

आर० कृष्णामूर्ती,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 3-10-75

अर्जन रेंज बंगलूर।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर कार्यालय

तारीख 15 अक्तूबर 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3995/74-75—यतः मुझे

आर० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21/1 (नया नं० 21/83) सैंट एन्ड रोड, बसवनगुडि बंगलूर-5 में स्थित है (और ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बंगलूर दस्तावेज 5421/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० चिन्नस्वामी सेटी, "शेषमहल" (अन्तरक) वानीविलास रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4
2. कुमारी मालती डाटर आफ रामचन्द्रप्पा सेटी, मुख्तारनामी श्री पी० रामचन्द्रप्पा सेटी, 36, सौत एन्ड रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4। (अन्तरिती)
3. श्री (1) आर० कृष्णमूर्ती (2) नागराज सेटी (3) एम० बी० कृष्णमूर्ती, (4) टी० रत्ननाथ राव (5) टी० आर० रामनारायण मूर्ती (6) एस० पी० गोपालकृष्ण।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 21/1 (नया नं० 21/83), सैंट एन्ड रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4 कार्पोरेशन डिविजन-34।

क्षेत्रफल 45'—36'—180 वर्ग गज

सीमा :

उत्तर : नं० 20 सौत क्रास रोड (कृष्णाप्पा की)

दक्षिण : सौत एन्ड रोड

पूर्व : नं० 73 सौत एन्ड रोड (रामचन्द्रप्पा की)

पश्चिम : सौत क्रास रोड

दस्तावेज नं० 5412/74-75 तारीख 15-3-75

आर० कृष्णमूर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 15-10-75

मोहर :

अर्जन रेंज बंगलूर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

तारीख 20 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आर० 62/3996/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ती  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
और जिसकी सं० 275/4 (डिविजन नं० 24) मसूर रोड, बंगलूर-  
26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि,  
बंगलूर दस्तावेज 5431/74-65 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-3-75  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जी० प्रेमकुमारी पत्नी कृष्णमूर्ती (अन्तरक)  
2807/9, बी० बी० मोहल्ला, मंसूर।
2. श्री हीरालाल दयाभाई पटेल (अन्तरिती)  
टी० बी० रोड, कडूर।  
चिकमगलूर (जिला)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सैंट नं० 275/4 (कारपोरेशन नं० ए4) मंसूर रोड,  
बंगलूर-26।

क्षेत्रफल : 80'—290'—284'—22960 वर्ग फीट

2

सीमा :

पूर्व : मुनियप्पा की जमीन नं० 268/1

पश्चिम : कारपोरेशन रोड,

उत्तर : नागलक्ष्मी की जमीन नं० 275/3

दक्षिण : जी० मनोरमा की जमीन नं० 275/5

दस्तावेज नं० 5431/74-75 तारीख 17-3-75

आर० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर।

तारीख: 20-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

तारीख 20 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3997/74-85-—अतः मन्त्रो  
आर० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 275/5 (डिविजन 24) मैसूर रोड, बंगलूर-26  
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बमवनगुडि, बंगलूर  
दस्तावेज सं० 5432/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-3-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मनोरमा डाक्टर आफ डी० गुन्डुराव  
2807/1, बी० बी० मोहल्ला, मैसूर। (अन्तरक)

2. श्री गनगादास जेमराज पटेल (अन्तरिती)  
गनेश टिक्करट्रेडर्स (गनेश भा मिल्ग)  
टी० बी० रोड, कडूर, चिकमगलूर जिला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सैट नं० 275/5 (डिविजन नं० 24) मैसूर रोड, बंगलूर  
261

क्षेत्रफल 80'—284'—276'=22400 वर्ग फीट

2

सीमा :

पूर्व : के० मुनियप्पा की जमीन सं० 268

पश्चिम : कारपोरेशन रोड,

उत्तर : प्रेमकुमारी की जमीन

दक्षिण : श्रीमती नलिनी की जमीन

दस्तावेज नं० 5432/74-75 तारीख 17-3-75

आर० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 20-10-1975

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3998/74-75—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 21/2 ई सैट नं० 21/2 (नं० 5) है, जो ऐच०  
सिद्धय्या रोड, बंगलूर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
बसवनगुडि, बंगलूर दस्तावेज नं० 5483/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के  
अधीन 19-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सईदा बेगम पत्नी सैयद अब्दुल रऊफ साब 87,  
तिम्मय्या रोड फ़ास, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री अताउल्ला बेग पुत्र हैदर बेगम साब, 13, हेच सिद्धय्या  
रोड, बंगलूर-2 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

नं० 21/2 ई (नं० 21/2 और सैट नं० 5), हेच० सिद्धय्या  
रोड (हेच० सिद्धय्या रोड V फ़ास) (डिविजन नं० 38)  
बंगलूर ।

क्षेत्रफल 56 1/2' × 41'—35'—2128 वर्ग फीट ।

2

इमारत 3.65 वर्ग ।

सीमा :

उत्तर : दूसरों की सम्पत्ति,

दक्षिण : सम्पत्ति नं० 21/2,

पूर्व : V फ़ास, सिद्धय्या रोड,

दस्तावेज नं० 5483/74-75 तारीख 19-3-1975 ।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 18-10-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4001/74-75—यतः, मुष्म, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 54/1 है, जो II कास, I और II मैन के मध्य कलासिपालथम न्यू एक्सटेन्शन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-करण अधिकारी के कार्यालय, वसवनगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-175 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-ग के अन्तर्गत, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

11—346GI/75

1. (1) श्री एम० रामय्या (2) आर० ओमिनास मूर्ति (3) आर० जनार्धना (4) आर० ज्ञानन्दा (5) आर० नागराज (6) एम० मरियम्मा 324, लक्कसन्द ले ओट, बंगलूर-27 (अन्तरक)

2. (1) एम० उबेदुल्ला शरीफ (2) एम० नुरुल्ला शरीफ उर्फ शमीम (3) एम० अजमतुल्ला शरीफ उर्फ मुबारक नं० 5, नारायण पिल्लाय स्ट्रीट कलासिपालथम, बंगलूर-2 (अन्तरित)

3. सदरन रोड केरियरस लिमिटेड (2) आन्ध्र रोड बलैन्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 54/1, II कास, I और II मैन रोड, के मध्य कलासिपालथम न्यू एक्सटेन्शन, बंगलूर-1, डिविजन नं० 39।

क्षेत्रफल 40' × 40' = 1600 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : नं० 55, पुट्टण्म की इमारत, 1

पश्चिम : बेट्टुप्पा की सम्पत्ति,

उत्तर : रोड,

दक्षिण : श्रीमती सरस्वतम्मा की सम्पत्ति दस्तावेज नं० 5547/74-75 तारीख 22-3-1975।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4019/74-75—यतः, मुद्रा,  
आर० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2 (एक भाग) पुराना नं० 13/7 है, जो  
बेनसन क्रास रोड, बेनसन टोन बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5187/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से फहित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री के० अब्दुल लतीफ साब (2) के० अब्दुल  
हफीज साब (3) के० अब्दुल रहमान साब (4) के० अब्दुल  
बारी साब 4, तिम्भय्य रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री सैयद नूर अहमद 34, 12 मैन, IV ब्लॉक, जयनगर,  
बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 5/2 (पुराना नं० 13/7) का एक भाग, बेनसन  
क्रास रोड, बेनसन टोन, बैंगलूर।

क्षेत्रफल 30' × 60' = 1800 वर्ग फीट,

सीमा :

पूर्व : रास्ता,

पश्चिम : नं० 5/2, बेनसन क्रास रोड का बचा भाग

उत्तर : नई मुल्ला खान को बेची गई जमीन,

दक्षिण : नं० 5/2, बेनसन क्रास में बची दूसरी सम्पत्ति।

दस्तावेज नं० 5187/74-75 तारीख 1-3-1975।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 10-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4020/74-75—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 88/1 है, जो X कास, II और III मैन रोड, के मध्य मल्लेश्वरम, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर दस्तावेज न० 5211/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गते, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० कृष्णस्वामी मुदलियार 45, बलेपेट, बैंगलूर-2 (अन्तरक)

2. श्री एन० नागराज, 54, IV क्रॉस नेहरूनगर, बैंगलूर-20 (अन्तरिती)

3. (1) श्री ए०वी० आनजनेय शर्मा (2) के० एस० माधवराव (3) शामसुन्दर (4) पी० वी० रामनाथ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 88/1, X कास, II और III मैन रोड के मध्य मल्लेश्वरम, बैंगलूर।

क्षेत्रफल 30' X 52' = 1260 वर्ग फीट दो मनजीला इमारत सहित दस्तावेज न० 5211/74-75 तारीख 4-3-1975।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4039/74-75—यसः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 (पुराना नं० 5) धनकाय कासप्पा लेन I  
क्रास बलेपेट बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5584/74-75  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 27-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरेण  
में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मनि बाई (2) जे० टी० अनन्ता, नं० 5 धनकाय  
कासप्पा लेन, बलेप्पा, बैंगलूर ! (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती भावरी बाई (2) एस० भावरलाल नं०  
8, I क्रास, धनकाय कासप्पा लेन बलेपेट, बैंगलूर (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 8 (पुराना नं० 5) I क्रास, धनकाय कासप्पा  
लेन, बलेपेट, बैंगलूर सिटी।

झिबीजन नं० 16,

क्षेत्रफल :  $32 = 16 \times 512$  वर्ग फीट,

सीमा :

पूर्व : धनकाय कासप्पा लेन,

पश्चिम : नारायण अय्यनगर का मकान,

उत्तर : कुनदनमल की सम्पत्ति,

दक्षिण : शिवरुद्रप्पा का मकान।

दस्तावेज नं० 5584/74-75 तारीख 27-3-1975।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 22-10-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4121/74-75—यतः, मुश्न,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 79/5, ए-2 तानं० 9/13, 10/11, 11/11, 12/10, 17/44, 18/43, 19/42 और 20/41, विश्वेश्वरवर्मा ब्लाक है, जो IV ब्लाक ईस्ट, जयनगर बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4239/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० विश्वेश्वरवर्मा, 82, विश्वेश्वरवर्मा ले आँट, IV ब्लाक ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर (अन्तरक)

2. नवलिनतराम घोरा, 34 बेसिंग घाट लेन चिकपेर ; बैंगलूर-2 (अन्तरिती)

(2) कपिला बोरा, 397, I और II ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11

(3) वेनकटप्पा उर्फ काटप्पा 7, II क्रास, बैरसन्द्र, बैंगलूर-11

(4) अनवर पुष मोहम्मद पीर 21, V XIII क्रास, तौह स्ट्रीट बैंगलूर-11

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 79/5, ए-2, तानं० 9/13, 10/12, 11/11, 12/10, 17/44, 18/43, 19/42 और 20/41 विश्वेश्वरवर्मा ब्लाक, IV ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर (बैरसन्द्र गांव, उत्तरहल्ली होबली, बैंगलूर सौत तालुक) ।

162' + 165' 133' + 131'

क्षेत्रफल : ————— X ————— = 21516 वर्ग फीट , 2 2

सीमा :

पश्चिम : अन्तरिती को बेची गई जमीन

पूर्व : अन्तरिती की सम्पत्ति,

उत्तर : कार्पोरेशन सी० ए० जगह और रास्ता,

दक्षिण : बची हुई अन्तरक की सम्पत्ति ।

दस्तावेज 4239/74-75 तारीख 20-3-1975 ।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4125/74-75—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 79/5-ए-2 (नया नं० 15/7, 14/8, और  
13/9) विश्वेश्वरय्या है, जो ब्लाक, IV ब्लाक ईस्ट, जयनगर  
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर  
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16 के अधीन 22-3-1975 दस्तावेज नं० 4301/74-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० विश्वेश्वरय्या 82, विश्वेश्वरय्या से ओट,  
IV ब्लाक ईस्ट जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)

2. (1) नवनितराय बोरा, 34, बेल्गि घाट लेन, चिकपेट,  
बैंगलूर-2

(2) कपिला बोरा, 397 I और III ब्लाक ईस्ट जयनगर,  
बैंगलूर-11

(3) वेंकटप्पा उर्फ काटप्पा, नं० 7, II क्रॉस बैरसन्द,  
बैंगलूर

(4) अनवर पुत्र मुहम्मद पीर 21, 18 क्रॉस, नोह स्ट्रीट,  
बैंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रिक्त भूमि पुराना सर्वे नं० 79/5 ए-2 नए मुनिसिपल नं०  
15/7, 14/8 और 13/9, विश्वेश्वरय्या ब्लाक, IV ब्लाक ईस्ट,  
जयनगर, बैंगलूर। (बैरसन्द गांव, उत्तरहल्ली, हुवली बैंगलूर सीत  
तालुक) क्षेत्रफल : 75'—105'—7875 वर्ग फीट,  
सीमा

पूर्व : अन्तरिती की जमीन,

पश्चिम : लेट साधु रामय्य रेड्डी की सम्पत्ति,

उत्तर : रोड

दक्षिण : बची हुई अन्तरक की सम्पत्ति, ।

दस्तावेज नं० 4301/74-75 तारीख 22-3-1975 ।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4131/74-75—यतः, मूजे,  
आर० कृष्ण मूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 30/6 है, जो ननजप्पा रोड, शान्तिनगर,  
बैंगलूर (डिवीजन नं० 62) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4378/74-75  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में धसी करने या उगसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कनकबाली पत्नी डा० वी० ए० पानडुरन्ना नं०  
22, है स्कूल रोड, वी० वी० पुरम, बैंगलूर-4 (अन्तरक)
2. (1) श्री माधव डी० खासबिस (2) नीला एस० खामनिस  
42/5, रंनगाराय रोड, शनकरपुरम, बैंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

सेट नं० 30/6, ननजप्पा रोड, शान्ति नगर, बैंगलूर ।  
डिविजन नं० 62 ।

115' + 116'6"

क्षेत्रफल ————— × 45' = 5175 वर्ग  
फीट । 2

सीमा :

पूर्व : चर्च स्ट्रीट,

पश्चिम : ननदलाल निकानी की जमीन,

उत्तर : वी० जी० हरजीकर की सम्पत्ति,

दक्षिण : पी० ननजप्पा की सम्पत्ति,

दस्तावेज : नं० 4378/74-75 तारीख 31-3-1975 ।

आर० कृष्ण मूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 20-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4099/75-76—यतः, मुझे,  
आर० कृष्ण मूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-डी (पुराना नं० 5) का एक भाग है, जो  
व्यालस रोड, बंगलूर-1 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 233/75-76 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 16-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (2) श्री के० वसंतराज अर्स "श्री रामजीवा", 'ए 1  
(पुराना नं० 5) व्यालस रोड, बंगलूर-1 मुख्तारनामी के० बी०  
राम चन्द्र राज अर्स

(2) के० बी० रामचन्द्रराज अर्स रामचन्द्र राज अर्स 1 ए, व्यालस  
रोड, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री डी० एम० शिवस्वामी, देशमुद्रे एण्ड सन्स में भागीदार  
जुड़ाचार बिल्डिंग अथर्वू रोड, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सैट नं० 1-डी (पुराना नं० 5) का एक भाग जो व्यालस  
रोड, बंगलूर में स्थित है ।

128' - 144'

क्षेत्रफल :  $90' \times \frac{128' + 144'}{2} = 12240$  वर्ग फीट,

2

सीमा :

उत्तर : रोड,

दक्षिण : श्रीमती निर्मला की सम्पत्ति,

पूर्व : अन्तरक की जमीन—1-डी में का एक भाग,

पश्चिम : नरसिमहन की जमीन

दस्तावेज नं० 233/75-76 तारीख 16-4-1975

आर० कृष्ण मूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कमलेश्वर प्रसाद व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सावित्री देवी कपूर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-1, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 90-एस/एक्यू—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी संख्या 104 है तथा जो कैनाल रोड, हरदोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरदोई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -  
12—346GI/75

अनुसूची

एक किता मकान नं० 104 जो कि कैनाल रोड, जिला हरदोई में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-11-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. सरदार बरयाम सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री राम निरंजन (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश नं० 71-आर०-अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्रेम रोड (माल)  
नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 19-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4775 वर्ग फीट है। जो  
कि प्रेम रोड (माल) जिला नैनीताल में स्थित है।

बिशम्बर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ,।

तारीख : 6-11-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश नं० 28-जे०/एफ०—अतः, मुझे, बिशम्बर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-22/8अ है तथा जो कबीर रोड,  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 27-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजा राम जाजोदिया (अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी देवी जाजोदिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० सी० 22/8 अ जो कि कबीर रोड,  
वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 88-एस०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम सिहीपुर (सिटीपुर) फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकापुर (फैजाबाद) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी कंचन सिंह (अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 57 बीघा और 16 बिसवासी है। जो कि ग्राम सिहीपुर (सिटीपुर), जिला फैजाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-11-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 89-एस/एक्यू० —अतः मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 530/4 तथा जो मोह० शेखापुर, चान्दगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:

1. श्री केदार नाथ वाधवा (अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वती देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एककितामकान दो मंजिला नं० 530/4 जो कि मोहल्ला शेखापुर, चान्दगंज, लखनऊ, में स्थित है;।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रन्जीत राय व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री सुरेन्द्र सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० 86-एस/ACQ—अतः, मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 116 का हिस्सा है तथा जो हाशिमपुर  
रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 116 का हिस्सा जो हाशिमपुर रोड, इलाहाबाद  
में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) प्रवल राय व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी संतोष कुमारी सक्सेना (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रोज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश नं० 87-एस०/ए०सी०क्यू०—अतः मुझे विशम्भर

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 116 का हिस्सा है तथा जो हाशिमपुर रोड, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 116 का हिस्सा जो हाशिमपुर रोड जार्ज टाउन एक्जेशन स्कीम, इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज, लखनऊ।

तारीख : 21-10-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्यामल राय व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती इन्दिरा मिश्रा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 7-I/ए० सी० वगु०—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 116 का हिस्सा है तथा जो हाशिमपुर रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 116 का हिस्सा जो हाशिमपुर रोड, इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रानजीत राय व अन्य (अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

लखनऊ, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश नं० 86-एस० (बी०)/ए० सी० क्यू०—अतः  
मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 116 है तथा जो हाशिमपुर रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

प्लॉट नं० 116 जो हाशिमपुर रोड, इलाहाबाद में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/322/31/74—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 बम्बई, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 63 प्लॉट नं० 1 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 418 है, जो देवनार में स्थित है (और इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रजीत चमनलाल पारेख (अन्तरक)

(2) श्री रनबीर राज कपूर (अन्तरिती)

संबंध में कोई भी आक्षेप

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में देवनार ग्राम में स्थित वह भूमि अथवा मैदान उस पर बने एक बंगला, सर्वट क्वार्टर्स और गेरेज समेत—जो अब ग्रेटर बोम्बे का भाग है, जो माप में 1 एकर और 4 गुठे (5324 वर्गगज) के समकक्ष लगभग 4451.53612 वर्गमीटर के बराबर है, तथा जिसका थाना कलेक्टर रेकोर्ड में समूचे देवनार कलेक्टरसमेत नं० 88, सर्वेक्षण नं० 63 प्लॉट नं० 1 (अंश), हिस्सा नं० नहीं है, देवनार सी० टी० एस० नं० 418 और म्युनिसिपल ने 2745(2) से 2745(6) तक है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है, यानी उत्तर में और पूर्व में नाला से, दक्षिण में रास्ता से, और पश्चिम में जो बीरोमबाई अदोशीर गपुरजी नारिएलवाला की पत्नी की पूर्ववती जमीन से।

जे० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1018/74-75—  
यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हुकम सिंह रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1973 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इकबाल सिंह सपुत्र ज्ञान सिंह तथा श्रीमती  
बलबीर कौर सपुत्री ज्ञान सिंह सपुत्र बसन सिंह कोठी नं०  
59 हुकम सिंह रोड अमृतसर (अन्तरक)

(2) मैसर्स न्यू० सूरज ट्रांसपोर्ट कं० (प्रा०) लि०  
बाहर हाल गेट अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा श्रीमती अमरजीत  
कौर पत्नी अजीत सिंह बलदेव कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह  
हुकम सिंह रोड अमृतसर (व्यक्ति सम्मिलित)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3284 दिसम्बर  
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 6-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
मार्च-1/665(42)/75-76—यतः मुझे च० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एन०-212 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 16-9-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द नारूला, सुपुत्र स्वर्गीय पुनू राम नारूला,  
मकान नं० एन०-212, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबन्त कौर, पत्नी एस० जसबन्त सिंह,  
निवासी एल०-93, माडन टाउन, जलन्धर (पंजाब)  
(2) एस० नरबन्त सिंह, सुपुत्र एस० हीरा सिंह, निवासी  
93-एल०, माडन टाउन, जलन्धर (पंजाब) (3) श्रीमती  
जगजीत कौर, पत्नी प्रहलरद सिंह, निवासी 694/1, वाई  
नं० 1, अमबाला कैन्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक दार्ज मंजिला मकान जो कि प्लॉट की भूमि पर  
जिसका क्षेत्रफल 295 वर्ग गज है और नं० एन० 212,  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली है, जमरूदपुर गांव, दिल्ली को  
युनियन टैरीटरी में वह सारे अधिकारों, टाइटलस तथा  
इन्टर्स्ट सहित स्थित है।

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 7-11-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(13 श्री अशका कहुसैन व आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री साधु सिंह व आदि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 80-एस०/ए क्यु०—अतः मुझे विशम्भर  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या 110/क तथा 612/1 आदि है तथा जो  
ग्राम-जरावन जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाब्द  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सिधौली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कायित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—जिसका क्षेत्रफल 52.38 एकड़ जो कि  
ग्राम-जरावन जिला सीतापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 1-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/280—यतः मुझे सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/18 है तथा जो दामोदरदास राठी मार्ग, ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्—

(1) श्री रतनचन्द सचेती पुत्र श्री हीराचन्द सचेत निवासी लाखन कोठरी, अजमेर (अन्तरक)

(2) मैसर्स गनपति आइल मिल्स, ब्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दामोदरदास राठी मार्ग ब्यावर में स्थित म्यूनिसिपल नम्बर 8/18 की सम्पत्ति में से 'ए०, बी०, सी०, डी०, ई०, एफ०' से चिन्हित 1460 वर्ग गज जमीन उस पर निर्माण सहित ।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/281—यतः मुझे, सी० एस० जैन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8/18 है तथा जो दामोदरदास राठी मार्ग ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जतनचन्द सचेती पुत्र श्री हीराचन्द सचेती निवासी लाखन कोठरी, अजमेर (अन्तरक)

(2) मैसर्स गनपति आदल मिल्स, ब्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दामोदरदास राठी मार्ग ब्यावर में स्थित म्यूनिसिपल नंबर 8/18 की सम्पत्ति में से बी०, सी०, जे०, के०' से चिह्नित 510 वर्गगज जमीन उस पर निर्माण सहित।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन /282—यतः  
मझे सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8/18 है तथा जो दामोदरदास राठी मार्ग,  
ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5 अप्रैल, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्दरचन्द सचेती पुत्र श्री हीराचन्द सचेती  
निवासी लाखन कोठरी, अजमेर (अन्तरक)

(2) मैसर्स गनपति आइल मिल्स, ब्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

दामोदरदास राठी मार्ग, ब्यावर में स्थित म्यूनिसिपल  
नम्बर 8/18 की सम्पत्ति में से 'के०, जे०, एम०, एन०,  
टी० 2, टी० 3, एल० और के०' से चिन्हित 1750 वर्गगज  
जमीन उस पर निर्माण सहित।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज० सहा० आयु० अर्जन/283—यतः  
मझे सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8/18 है तथा जो दामोदरदास राठी मार्ग,  
ब्यावर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 7 अप्रैल, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
14—346GI/75

(1) श्री कुशल चन्द सचेती पुत्र श्री हीराचन्द सचेती  
निवासी जाधन कोठरी, राजमेर (अन्तरक)

(2) मैसर्स गनपति आइल मिल्स ब्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

दामोदरदास राठी मार्ग, ब्यावर में स्थित म्युनिसिपल  
नं० 8/18 की सम्पत्ति में से 1680 वर्गगज जमीन जिसके  
नं० जे०, एम०, एन०, टी० 1, यू०, वी०, वी० 1, एवं  
वी० 2 उस पर निर्माण सहित ।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 3/700/मार्च 75—यतः मुझे आर०  
जी० नेहरूकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 263 (अंश) और सी० टी०  
एस० नं० 8 है, जो मालवनी में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय,  
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और है यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती अनु लोरेन्स मेन्डीस, 2. श्री गेब्रीएल  
फ्रान्सीस मेन्डीस, 3. श्री अन्तोन फ्रान्सीस मेन्डीस, 4. श्री  
असलेम फ्रान्सीस मेन्डीस, 5. श्रीमती जोहाना जेम्स ग्रेशीअस,

6. श्री ओल्गा सबस्टोन रोड्रीक्स, 533 ए०, वान्द्रा बस्नार,  
गेट क्रोस रोड, बम्बई-50, 7. पौलीन जॉन पटेल, खरोडी  
मार्च रोड मालाड बम्बई-64 (अन्तरक)

(2) मैसर्स बफीरा बिल्डर्स प्रा० लि०, नेपथ्यून कोर्ट,  
नेपीयन सी रोड, बम्बई 400006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बान्द्रे उप पंजीकरण जिले के अंतर्गत  
ग्राम मालवनी बम्बई नगर और उपनगर जिले में स्थित,  
यथावत् यथा अवस्थित लगभग 89450 वर्गगज (यानी  
लगभग 74450 वर्ग मीटर के बराबर) निम्न सीमांकित,  
सर्वेक्षण संख्या 263 (आंशिक) सी० टी० एस० नं० 8  
के वे समूचे भू-भाग, भू-खण्ड अथवा भू-अंश या भू-स्थल जो  
उपरोक्त अनुसूची में दी गयी भूमि के भाग हैं :—

पश्चिम और उत्तर में अथवा पश्चिमोत्तर दिशा की  
और सर्वेक्षण संख्या 263 (आंशिक) की कृषिक भूमि के  
एक अन्य भाग से, दक्षिण में मालाड—मार्च रोड से और  
पूर्व में अथवा पूर्व दिशा की और सर्वेक्षण संख्या 273  
(आंशिक) की कृषिक भूमि से घिरे हैं।

आर० जी० नेहरूकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० IX/1/1/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 35, सुरयनारायण चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-13 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फेलिक्स विजय, कुमार जयपालन और ई० डी० जयपालन, मद्रास-49 (अन्तरक)

(2) श्रीमती पट्टम्माल, मद्रास-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-13, रायपुरम सुरयनारायण चेट्टी स्ट्रीट, प्लॉट सं० 35 में 3 अऊन्ड और 108 स्क्वयर फीट की खाली भूमि (आर० एस० सं० 3057 भाग)।

जी० रामनातन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज मद्रास।

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI/12/75/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 310/2, सी० तिरुमल्लैगिरि गाँव, सेलम है, जो — में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए व्यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री एस० एन० ऊमाशंकर और आदि, 174, सेकन्ड अग्रहारम, सेलम-1 (अन्तरक)

(2) श्री पलनियप्पन, मल्लसमुद्रम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेलम जिल्ला, तिरुमल्लैगिरि गाँव सरखे सं० 310/2 सी० में 3.60 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 11-11-1975

मोहर :



प्रखण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एस० एन० ऊमाशंकर और आदी, सेकण्ड  
अग्रहारम, सेलम-1 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कुप्पुसामि, पल्लिपालयम (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI/12/78/74-75—यतः मुझे, जी०  
रामनातन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० एस० सं० 310/1ए०, निरुमल्लेगिरि गांव,  
सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नामवकल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम, निरुमल्लेगिरि गांव टी० एस० सं० 310/1ए०  
में 2.30 एकड़ खेती की भूमि।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनातन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-11-1975

मोहर।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० XVI/19/67/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 57/1, अम्मापेट्टे सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 593/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आरियपुत्र मुदलियार, और आदी, सेकन्ड अग्रहारम, सेलम (अन्तरक)

(2) श्री रामसामि, मनियनूर गांव, सेलम जिल्ला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, अम्मापेट्टे एम० वाई, ब्लॉक 5 टी० एस० सं० 57/1 में 1.47 ½ एकड़ की भूमि।

जी० रामनातन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 11-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI/19/69/74-75—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 57/1, अम्मापेट्टै, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 592/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आरिययुत्त मुदलियार और आदी, सेकंड अग्रहारम, सेलम (अन्तरक)

(2) श्री चेल्लप्पन, सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, अम्मापेट्टै, एम० वाई, ब्लाक 5, टी० एस० सं० 57/1 में 1.47 1/2 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 11-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री एम० एन० ऊमाणकर और आदी, सेलम-1  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कुप्पुसामि, पल्लिपालयम (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11-नवम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० XVI/20/57/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 312/1ए०, तिरुमलैगिरि गांव, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेन्दमंगलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

सेलम, तिरुमलैगिरि गांव, सर्वे सं० 312/1ए० में 6.15 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 11-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 3/699/मार्च, 1975—अतः मुझे, आर०  
जी० नेहरूकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज 3 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे सं० 263 (अंश) और सी० टी०  
एस० सं० 5 है, जो मालवनी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय,  
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
15—346GI/75

(1) 1. श्रीमती अनु लोरेन्स मेन्डीस, 2. श्री गेब्रीएल  
फन्सीस मेन्डीस, 3. श्री अन्तोन फान्सीस मेन्डीस, 4. श्री  
ओसमल फान्सीस मेन्डीस, 5. श्रीमती जोहाना जेम्स ग्रेशीअस,  
6. श्री ओल्गा रोड्रीक्स, 'खरोडी', मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-  
64, 7. पोवलीन जोन पटेल, 355, बजार गेट क्रॉस रोड,  
बान्द्रा, (अन्तरक)

(2) सैसर्स बफीरा विल्डर्स प्रा० लि० नेपच्यून कोर्ट,  
नेपिअन सी० रोड, बम्बई-400006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बान्द्रे उप पंजीकरण जिले के अन्तर्गत  
ग्राम मालवनी, बम्बई नगर व उप नगर जिले में स्थित,  
यथावत यथा अवस्थित लगभग 115645 वर्गगज, (यानी  
लगभग 96690 वर्ग मीटर) के बराबर, निम्न सीमांकित  
सर्वेक्षण संख्या 263 (आंशिक) और सी० टी० एस० संख्या  
5 की कृषिक भूमि के वे समूचे भू-भाग, भू-खण्ड अथवा  
भू-अंश या भूस्थल जो अनुसूचि 'क' में दी गयी भूमि का  
भाग है।

पश्चिम में अथवा पश्चिम दिशा की ओर, उत्तर और  
दक्षिण में सर्वे संख्या 263 (आंशिक) की कृषिक भूमि से  
तथा पूर्व में या पूर्व की ओर सर्वेक्षण संख्या 273 (आंशिक)  
के कृषिक भूमि से घिरे हैं।

आर० जी० नेहरूकर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, बम्बई।

तारीख : 7-11-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1975

निर्देश नं० ए०एस०आर०/ए०पी०-290/73-74—यतः  
मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो अबादी किशन नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, म, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री मेला सिंह सपुत्र बूड़ सिंह दिल्ली, झांसी रोड, 8-ई० छाण्डीवाला सुरजीत सिंह, प्रकाश सिंह सपुत्रान श्रीमती ज्ञान कौर सपुत्री जमल सिंह अमृतसर मजीठा रोड, श्रीमती गुरचरन कौर पत्नी लै० क० करतार सिंह, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द भाटिया सपुत्र बोलत राम गोपाल दास सपुत्र ईशर दास गली खरासीयां कटड़ा भगीयां अमृतसर तथा श्री० पी० मैनी एजेंट इन्डियन ओवरसीज बैंक अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा श्रीमती सुदर्शन प्रभा पत्नी श्री जगदीश चन्द्र भाटिया गली खरासीयां अमृतसर (पार्टी सम्मिलित)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हवि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 422 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 13-11-1975

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st October 1975

No. P/1864-Admn.I.—Smt. Lakshmi Raja Ram Bhandari, an officer of the Indian Defence Accounts Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 22nd September, 1975, until further orders.

The 25th October 1975.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 20 days with effect from 1.9.75 to 20.9.75.

2. Shri R. R. Ahir relinquished charge of the office of Under Secretary with effect from the afternoon of 20th September, 1975.

3. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed the charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 20th September, 1975.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy. (Incharge of Admn.).  
Union Public Service Commission.

## CABINET SECRETARIAT

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th October 1975

No. 11/6(15)/73-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Subhas Chandra Mitra an Inspector of Customs & Central Excise, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1975 until further orders.

His deputation will be regulated in accordance with the Ministry of Finance Office Memorandum No. F.10(24)/E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

No. A.35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Mrinal Kanti Sarkar, Inspector of Police, West Bengal State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st October, 1975 until further orders.

V. P. PANDEY,  
Administrative Officer,  
Central Bureau of Investigation.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DTE. GENERAL CRF FORCE

New Delhi-110001, the 30th October 1975

No. D.I-2/75-Estt.—Consequent on his appointment as JAD(W/T) in the JTBP on deputation, Shri S. K. Bose, Dy. SP, Signal Group Centre, CRPF, Neemuch has been relieved of his duties on the afternoon of 8th October, 1975.

The 31st October 1975.

No. O.II-199/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri N. S. Thakre, Commandant, 42nd Battalion, C.R.P. Force, retired from Government service on the afternoon of 11th October 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th October 1975

No. E-38013(3)/10/75-Ad.I.—On transfer from Sindri after availing leave etc., Shri Ishwar Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Government Opium Factory, Neemuch with effect from the Forenoon of 23rd September, 1975.

The 17th October 1975

No. E-17017/1/73-Ad.I.—Shri S. N. Srivastava, IPS, Chief (Security) Bharat Coking Coal Limited, Jharia ceased to hold the ex-officio appointment of Deputy Inspector General/Central Industrial Security Force, Jharia with effect from the Afternoon of 24th August 1974.

L. S. BISHT,  
Inspector General.

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE  
COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 29th October 1975

No. 4525-GE. I/J-7/PF. IV.—dated 5th August 1975 On return from leave from 1st July, 1975 to 28th July, 1975 Shri S. Jayaraman, I.A.S. has taken over as Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar with effect from 28th July, 1975 (AN). He relieved Shri K. P. Rangaswami, I.A.S.

No. 4556-GE. I/255-74.—On the results of the I.A.S. etc., examination, 1974 the undermentioned officers have been selected for appointment to the I.A.S./I.F.S. and relieved from the Indian Audit & Accounts Department on the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Designation & Office	Date of relief
1.	Shri J. P. Negi	Asstt. Accountant General (on probation), O/o the A. G. Punjab, Chandigarh.	11.7.75 (A.N.)
2.	Miss Neelam Vij	JAAS Probationer, JAAS Staff College, Simla.	9-7-75 (A.N.)

No. 4923-GE. I/V-17/P.F.-III. dated the 27th August, 1975—The Comptroller and Auditor General of India has been pleased to promote Shri Ved Prakash, IAAS, to level II of the Accountant General's Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of the Indian Audit & Accounts Service as a temporary measure without prejudice to the claims of seniors from 31-3-1975 to 19-4-1975, and from 6-5-1975 to 9-6-1975.

2. During the above periods, Shri Ved Prakash held the charge of the post of Accountant General (II), Maharashtra, Nagpur, in addition to his own duties as Director of Audit & Accounts, Posts & Telegraphs, Nagpur.

No. 5081-GE. I/S-32/PF. III. dated the 5th September, 1975—Consequent upon his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Ltd., New Delhi (a Central Public Sector Undertaking) in Public interest with effect from 29th May, 1973, Shri R. N. Srivastava IA & AS is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 5115-GE. I/326-71. dated 5th September 1975—The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of the JAAS to the Accountant General level II Grade (Rs. 2250- 2500) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them with effect from the date indicated against each until further orders, under the Second Proviso to F.R. 30(i).

1. Shri M. N. Patnaik	Secretary, Tungabhadra Board.	18-1-174
-----------------------	-------------------------------	----------

2. Shri D. N. Ghosh Joint Secretary, Ministry of Finance, (Deptt. of Banking) New Delhi (Upto 31.3.75). 10-3-1975
3. Shri C. R. Mukherjee Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Bhakra Management Board. 14-4-1975

No. 5365-GE.I/R-99/PF, dated the 9th September 1975.—The Comptroller & Auditor General of India has been pleased to promote Shri S. Rajaram, IA&AS to officiate in the Senior Scale of IA&AS for the period from 1-3-1975 to 21-3-1975 and again from 1-4-1975 to 21-7-1975.

2. During the above periods, Shri S. Rajaram looked after the charge of the post of Dy. Director of Audit and Accounts, P & T, SWTC, Calcutta.

No. 5460-GE.I/I-8/PF.III, dated the 23rd September 1975.—Shri Ramaswamy R. Iyer, IAAS has taken over as Director of Audit (Food), New Delhi with effect from 10th September, 1975 (AN). He relieved Shri R. Ganapati, IAAS.

The 24th September 1975

No. 5470-GE.I/N-4/PF, dated the 24th September 1975.—On return from leave from 2nd September 1975 to 12th September, 1975 with the permission to suffix holidays on 13th & 14th September, 1975 to the leave Shri T. B. Nagarajan, IAAS has taken over as Accountant General, West Bengal, Calcutta with effect from 15th September, 1975 (FN). He relieved Shri K. Lalit, IAAS of his additional charge.

[No. 5745-GE.I/III-74]

RAMESH CHANDRA,  
Asstt. Compt. & Auditor General (P).

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 4th October 1975

No. ESI/A4/390.—Accountant General is pleased to promote until further orders and without prejudice to the claims

New Delhi, the 28th October, 1975

No. 40011 (2)/75/A.N.-A. (1)—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial Number	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	S. Prabhakara Rao (P/345)	Permanent Accounts Officer	31-1-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	R. L. Sachdev (P/475)	Permanent Accounts Officer	31-12-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
3.	G. P. Raina (O/151)	Officiating Accounts Officer	31-12-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
4.	R. C. Goel, (O/305)	Officiating Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	M. L. Sharma (N. Y. A.)	Officiating Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
6.	D. N. Dhawan (N. Y. A.)	Officiating Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
7.	H. Sankaran, (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-12-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.

of his seniors Sri B. Thirumalachar, a permanent Section Officer as Accounts Officer in a purely officiating capacity with effect from 6.10.75 A.N. or from the date he takes charge of the duties as Accounts Officer.

E. V. CHANDRASEKHARAN,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH-I

Gwalior-474002, the 16th October 1975

No. Admn. 1/345.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officer in an officiating capacity from the dates mentioned against each, until further orders.

- |                      |           |                     |
|----------------------|-----------|---------------------|
| Shri                 |           |                     |
| 1. A. Mukherjee      | (02/0192) | 29-9-1975 Afternoon |
| 2. K. C. Jain        | (02/0184) | 11-9-1975 Forenoon  |
| 3. A. B. Mathur      | (02/0185) | 10-9-1975 Afternoon |
| 4. T. P. Shrivastava | (02/0186) | 18-9-1975 Forenoon  |

Sd/-  
ILLEGIBLE  
Sr. Dy. Accountant General.  
(Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 27th October 1975

No. 86016(13)/75.AN-II.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Accounts Service in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) with effect from the dates shown against each, until further orders.

- (1) Shri Ved Parkash—8.10.1975 (FN).  
(2) Kum. Usha Sen—1.10.1975 (FN).



(2) The undermentioned Accounts Officers will retire from service under the Provisions of Article 459(h) Civil Service Regulations, Volume I. They will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against their names.

Serial Number	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	Sarvashri			
1.	M. Swaminathan (P/48)	Permanent Accounts Officer	19-12-75 (F.N.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	D. Natarajan (P/57)	Permanent Accounts Officer	24-12-75 (F.N.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

(3) The following is added as para 3 to this department notification bearing No. 40011(2)/74-AN-A dated 17th September, 1974.  
"Shri Thakar Das, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave from 14-8-1974 to 27-10-1974 and also earned leave from 28-10-1974 to 31-10-1974 under Rule 39(6) of CCS (Leave) Rules, 1972".

S. K. SUNDARAM  
Addl. Controller General of Defence Accounts (A.N.)

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 15th October 1975

No. 19018/178/75-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to order the continued acting promotion of Shri Shiv Dayal, Superintendent, Small Industries Service Institute, Jaipur as Assistant Director (Grade II) in the same Institute on *ad hoc* basis upto 8.8.75, vice Shri P. K. Guha, granted leave.

K. V. NARAYANAN,  
Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi, the 25th October 1975

No. A.6/247(292)/60.—Shri R. J. Vaziranney Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of Indian Inspection Service Class I in the Bombay Inspection Circle under the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from service w.e.f. 30.9.1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH  
Dy. Director Administration,  
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
DEPARTMENT OF MINES

Calcutta-700013, the 27th October 1975

No. 6805/B/9/58/C/19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed on promotion as Assistant Geophysicists in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1100-E.B.-40-1200/- in officiating capacities with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri R. C. Chattopadhyay	25-8-1975 (F.N.)
2.	Shri P. K. Jain	21-8-1975 (F.N.)
3.	Shri Dinesh Prakash	1-9-1975 (F.N.)
4.	Shri Kalyan Kumar Das Gupta	21-8-1975 (F.N.)
5.	Shri G. S. Mukherjee	21-8-1975 (F.N.)
6.	Shri D. P. Das	27-8-1975 (F.N.)
7.	Shri P. Chatterjee	21-8-1975 (F.N.)

No. 6808/B/9/58/C/19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed on promotion as Assistant Geophysicists in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- in officiating capacities with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri T. K. Ghatak	2-9-1975 (F.N.)
2.	Shri N. P. Singh	25-8-1975 (F.N.)
3.	Shri S. Chakravarty	25-8-1975 (F.N.)
4.	Shri K. V. S. Bhaskara Rao	25-8-1975 (F.N.)

No. 6815/B/9/58/C/19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics) Geological Survey of India, are appointed on promotion as Assistant Geophysicists in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E. B.-35-880-40-1000-E. B.-40-1200/- in officiating capacities with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri A. S. Saxena	27-8-1975 (F.N.)
2.	Shri S. K. Ghatak	27-8-1975 (F.N.)
3.	Shri M. Kesavamani	26-8-1975 (F.N.)
4.	Shri R. Gopal	25-8-1975 (F.N.)

V. K. S. Varadan,  
Director General

SURVEY OF INDIA  
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE  
Dehra Dun, the 27th October 1975.

No. C-5016/724-SOS(A).—Shri S. K. Bhattacharjee, Stores Assistant (Selection Grade) in Class III Division I Service is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Class II) in the Stores Office, Survey of India, in the scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from 30th September, 1975.

HARI NARAIN,  
Surveyor General of India,  
(Appointing Authority).

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd September 1975

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following SEAs to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against each at the Stations/Offices of All India Radio shown against their names until further orders :—

S. No.	Name	Place of posting	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri Gurbachan Lal	Office of RE (N), AIR, New Delhi.	27-8-75
2.	Shri Raj Pal Garg	HPT, AIR, Khampur, Delhi.	29-8-75
3.	Shri Ram Kishan Pharia	Do.	8-7-75
4.	Shri A. P. Sinha	AIR, Ranchi.	20-6-75
5.	Smt. M. L. Chawrasia	TV Centre, AIR, Bombay.	21-6-75
6.	Shri P. K. Awasthi	HPT, AIR, Gorakhpur.	28-8-75

The 15th October 1975

No. 2/4/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following officers in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each until further orders :—

Sl. No.	Name of officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri Chaman Lal Kaul	TV Centre, All India Radio, Srinagar.	10-9-75
2.	Shri Jagdish Chander	HPT, All India Radio Khampur, Delhi.	28-8-75
3.	Shri Kailash Chand Gupta	All India Radio, Bikaner.	12-9-75 (A.N.)
4.	Ram Bachan Ram	All India Radio, Calcutta.	18-9-75
5.	Shri Vinod Kumar Arora	Research Deptt. All India Radio, New Delhi.	25-3-75

The 24th October, 1975

No. 2/4/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Officers in the Cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating Capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the dates mentioned against each until further Orders :—

Sl. No.	Name of Officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri Narayan Mohan . Kumar	Office of RE(W) AIR, Bombay.	30-9-75
2.	Shri Punit Kumar Shukla	TV Centre, AIR, Calcutta.	4-10-75
3.	Shri Shailender Narain Mathur	AIR, Patna.	16-10-75
4.	Shri Ravi Kumar	Office of RE (W) AIR, Bombay.	4-10-75
5.	Shri C. Jayaraman	HPT, AIR, Chinsurah.	3-10-75
6.	Shri Harish Chandra	HPT, AIR, Chinsurah.	4-10-75

P. K. SINHA,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

New Delhi, the 28th October 1975

No. 4(31)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sharafat Yar Khan as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from the 6th October, 1975 and until further orders.

No. 4(68)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mukund Shantaram Nak as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 17th October, 1975 and until further orders.

No. 4(77)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Nanda Ram Sharma as Programme Executive, All India Radio, Jodhpur in a temporary capacity with effect from the 9th October, 1975 and until further orders.

The 29th October 1975

No. 4(3)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. I. Siddiqui, ad hoc Programme Executive, Radio Kashmir Srinagar on a regular basis with effect from the 18th September, 1975 and until further orders.

No. 5(135)/68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. K. Roy, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 24th September, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 24th October 1975

No. A.19012/2/75-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity appoints Shri Debabrata Chakraborty to officiate as Chief Modelier in this Directorate at New Delhi with effect from 9th October, 1975 (F.N.), until further orders.

R. L. JAIN,  
Deputy Director (Admn.),  
for Director of Advertising & Visual Publicity.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th October 1975

No. 13-13/75-CHS.I.—Consequent upon his transfer, Dr. C. B. L. Mathur an Officer of G.D.O. Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Medical Officer (Goitre) on the forenoon of the 26th September, 1975 and assumed charge of the post of Deputy Assistant Director (Goitre) in the Directorate General of Health Services on the forenoon of the same day.

R. N. TEWARI,  
Deputy Director Administration (CHS).

New Delhi, the 28th October 1975

No. 35-6/75-Admn.I.—On Smt. Raj Dogras' return from leave Smt. Kusum Lata Kansal relinquished charge of the post of Dietician, Willingdon Hospital, New Delhi on the forenoon of the 2nd September, 1975.

The 29th October 1975

No. 9-25/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance is pleased to appoint Kumari K. K. Mehta to the post of Tutor at the Rajkumari Amr't Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of the 5th September, 1975 in a temporary capacity and until further orders.

2. On her appointment to the post of Tutor, Kumari K. K. Mehta relinquished charge of the post of Clinical Instructor at the same College on the forenoon of the 5th September, 1975

The 30th October 1975

No. 26-1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following persons in a substantive capacity to the permanent posts of Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases/National Malaria Eradication Programme, with effect from the dates noted against each :—

*Name of the Officer & Date*

1. Late Dr. H. M. L. Srivastava—1st April, 1974.
2. Shri V. N. Bhatnagar—1st April, 1974.
3. Shri B. S. Krishnamurthy—1st April, 1974.
4. Dr. Manoranjan Das—16th October, 1974.

S. P. JINDAL,  
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 29th October 1975

No. F.3(13)52/75-D.II(.)—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notifications No. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954, and No. 5 dated the 14th January, 1961, I hereby authorise Shri B. B. Sarkar, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of wool, bristles, goat hair which have been graded in accordance with the wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962, Bristles Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973, and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above notification.

N K MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400094, the 4th September 1975

No. DEM/10/343/73-Adm.—In terms of para 2 of Trombay Township Project Memorandum No. TTP/W/46/293 dated 7th January 1970, I hereby give notice to Shri J. Yesudasani, Helper 'A' in the Workcharged Establishment of this Directorate that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is tendered to him.

R. L. BATRA,  
Administrative Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504 the 16th October 1975

No. TAPS/ADM/947—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri K. Gopal, a permanent Junior Division Clerk and officiating as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station as Accounts Officer-II in the same Power Station on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of October 15, 1975 for a temporary period until further orders or till a regular incumbent is appointed.

K. V. SETHUMADHAVAN  
Chief Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 29th October 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Chapala Rami Naidu as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the forenoon of 27th October, 1975 until further orders.

S. RANGANATHAN,  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 24th October 1975

No. RRC-II-1(128)(10)/75.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints S/Shri R. M. Muthukkaruppan and D. Syed Ghouse, temporary Scientific Assistant 'C's of this Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB in the Reactor Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 1, 1975 until further orders.

No. RRC-II-1(128)(10)/75.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints, Shri V. Narayanan as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Reactor Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 1, 1975 until further orders.

(Sd/-) ILLEGIBLE  
Sr. Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SHAR CENTRE

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES

(PERSONNEL MANAGEMENT DIVISION)

Sriharikota-524124, the 20th October 1975

No. SCF/PMD/E/1.72.—Consequent on the conversion of I S R O into a Government Organisation with effect from 1-4-1975, the following personnel are appointed to the posts mentioned against each with effect from 1-4-1975 in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the SHAR Centre of the Indian Space Research Organisation until further orders :

1. Shri M Vasudeva Mudaliar—Engineer SB.
2. Shri K S Raghunathan—Engineer SB.
3. Shri J Prabhakara Rao—Engineer SB.
4. Shri N Bhujanga Rao—Engineer SB.

Y. JANARDANA RAO,  
Project Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 29th October 1975

No. E(I)06949.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. Krishnamurthy, Professional Assistant, Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 4.10.1975 vide this Department Notification No. E(I)06949 dated 1st September, 1975, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 5th October, 1975 and until further orders.

Shri M. Krishnamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted at Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

M. R. N. MANIAN,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTO

Nagpur-440001, the 11th July, 1975

No. 15/75.—Consequent upon their appointment as Offg. Superintendents of Central Excise, Class II, the following Inspectors of Central Excise (S. G.)/(O. G.) of this Collectorate assumed charge of Superintendent of Central Excise, Class II as indicated below :—

Sl. No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	George Duke	Hqrs. Office, Nagpur.	13-5-1975
2.	S. S. Ambadkar	M. O. R. I., Gondia	3-6-1975
3.	S. N. Chopra	Sagar	26-5-1975
4.	M. B. Pagey	Superintendent (Prev.) Divisional Office, Amravati.	26-5-1975
5.	S. D. Chandwani	Divisional Office, Nagpur	24-5-1975
6.	K. V. Pradhan	Divisional Office, Indore	17-5-1975
7.	R. C. Sonwane	Divisional Office, Indore	29-5-1975
8.	A. B. Kulkarni	M. O. R. III, Sagar.	23-6-1975
9.	U. S. Borkar	M.O.R. II, Bhopal.	21-6-1975
10.	H. J. Ghanshani	(Preventive), Hqrs. Office, Nagpur	23-6-1975
11.	B. V. Dwivedi	M.O.R. III, Nagpur	25-6-1975
12.	S. M. Mangrulkar	M. O. R., Damoh	19-6-1975
13.	D. S. Choudhary	M. O. R., Bhandara	16-6-1975
14.	V. B. Narale	Superintendent (Gold), Hqrs. Office, Nagpur	10-6-1975
15.	J. R. Londhe	M. O. R., Sihora	17-6-1975
16.	B. R. Sharma	M. O. R. II, Nagpur	25-6-1975
17.	R. R. Tiwari	Superintendent (SIU), Hqrs. Office, Nagpur	18-6-1975

No. 18/75.—On his transfer, Shri M. R. Sachdeva, lately posted as Asstt. Collector of C. Ex. in Delhi Collectorate, assumed charge as Assistant Collector of C. Ex. Division, Ratlam in Nagpur Collectorate in the forenoon of 5th July, 1975.

2. Shri Barjor Singh, lately posted as Assistant Collector (Valuation) C. Ex. Hqds. Office, Nagpur assumed charge as Assistant Collector of Central Excise Division-I, Nagpur in the afternoon of 17th July 1975.

No. 19/75.—Consequent upon his appointment as Hindi Officer, Central Excise Class II, Shri N. K. Malviya, Hindi Translator of Central Excise in Nagpur Collectorate assumed charge as Hindi Officer, Central Excise Class II, Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of 20th June, 1975.

R. N. SHUKLA,  
Collector, M.P. & Vidarbha

Patna, the 21st October 1975

C. No. II(7)5-ET/75/10161.—In pursuance of this office Estt. order no. 353/75 dated 15-9-1975, issued under endt. C. No. II(3)101-ET/74-56014-61 dated 16-9-1975, appointing Sri Dhariikshan Choudhary office Superintendent of Central Excise and Customs to officiate as Administrative officer of Central Excise and Customs Class-II in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rules, Sri D. Choudhary assumed charge as Administrative officer Central Excise, Gaya in the forenoon of 26.9.75.

The 22nd October, 1975

C. No. II (7) 5-ET/75/10160.—In pursuance of this office Estt. order No. 233/75 dated 13.6.1975 issued under endt. C. No. II (3) 43-ET/73/L/32687-723 dated 13-6-1975 appointing five Inspectors (S. G.) of Central Excise to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the scale of pay of Rs. Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules and Estt. order No. 254/75 dated 26-6-75 issued under endt. C. No. II (3) 43-ET/73/L/35057-75 dated 27-6-75, the following have assumed charge as Superintendent Central Excise Class II at their respective places and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri V. D. Choudhary	Supdt. Central Excise, Samastipur	26-6-75 (F.N.)
2.	Shri A. J. N. Sinha	Supdt. Customs (Prev.), Jainagar	15-7-75 (F.N.)
3.	Shri Abdul Wajid	Supdt. Central Excise, Tajpur Range	30-6-75 (F.N.)
4.	Shri T. N. Pandey	Supdt. Land Customs Station, Raxaul	21-6-1975 (F.N.)

H. N. SAHU,  
Collector,  
Central Excise, Patna.

Shillong, the 20th October 1975

No. 6/75.—Shri Bishnupada Choudhury a permanent Inspector (S. G.) Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent (Class II) until further orders. Shri Bishnupada Choudhury assumed charge as Superintendent of Customs & Central Excise Collectorate Headquarters office, Shillong on 18-10-75 (F.N.)

S. C. NIYOGI,  
Collector of Customs & Central Excise,  
Shillong.

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 28th October 1975

No. A-31012/2/73-Adm.V (Vol.IV).—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri S. N. Chandrasekhara, Extra Assistant Director to the grade of Extra Assistant Director (Navigation) in the Central Water Commission, in a substantive capacity, with effect from the 2nd June, 1974.

K. P. B. MENON,  
Under Secretary,  
for Chairman, C. W. Commission.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi-110001, the 29th October 1975.

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead traction wires will be energised on 25 kV on or after 11-8-1975 in the Section Aligarh Junction (Exel.) to Kulwa Sectioning Post (Incl.) Structure No. Km 1328/5.6 to Structure 1336/13 and 14. On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of it.

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 kV A.C. electric traction in the Section Allgarh Jn. (Excl.) to Khurja junction (incl.) Structure No. 1328/5-6 to Structure No. 1371/23-24 height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) the height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors.

A. L. GUPTA,  
Secy. Railway Board

**INTEGRAL COACH FACTORY  
GENERAL MANAGERS OFFICE**

Madras-600038, the 24th October 1975

No. PB/GG/9/Misc.II.—In partial modification to item 5 of the Gazette Notification sent under this office letter of even number dated 25-8-1975, the word "on adhoc basis" may be deleted and read as under :

"Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Assistant Accounts Officer/C.A.S. (Class II) has been promoted to officiate as Senior Accounts Officer/Shell (S.S.) with effect from 1-8-1975 to 19-9-1975."

Sri S. GANESAN, Officiating Programmer (Class II) (ad-hoc) who has been selected for secondment to Zambia has been relieved from this Administration from 26-9-1975 A.N.

Sri P. SANKARAN, Principal, Technical Training School (SS) has been promoted to officiate in J.A. Grade as Deputy Chief Mechanical Engineer/Plant on ad hoc basis with effect from 27-9-1975.

S. SUBRAMANIAN,  
Deputy Chief Personnel Officer,  
for General Manager

**NORTHERN RAILWAY  
HEADQUARTERS OFFICE**

New Delhi, the 24th September 1975

No. 10.—Shri S. C. Saxena, officiating Divisional Engineer, Northern Railway, Moradabad has retired finally with effect from 31-8-1975 A.N.

The 25th October 1975

No. 13.—The following officers of Northern Railway have finally retired from service from the date noted against each :—

- |  |           |
|--|-----------|
| 1. Shri M. M. Agarwal, Asstt. Personal Officer | 30-4-1975 |
| 2. Shri C. S. Parmeswaran, General Manager     | 31-8-1975 |
| 3. Shri M. S. Arora, Estate Officer (Class II) | 30-9-1975 |

V. P. SAWHNEY,  
General Manager.

**CENTRAL RAILWAY  
HEAD QUARTER OFFICE  
PERSONAL BRANCH**

Bombay, the 27th October, 1975

No. HPB/220/G/M.—The following Class II officers of the Transportation (Power) and Mechanical Engineering Department—16—346 GI/75

ment are confirmed in Class II Service from the dates shown against each:—

Name	Date of confirmation
1. Shri C. S. Bhatt . . . . .	28-12-1971
2. Shri J. Mendonca . . . . .	28-12-1971
3. Shri R. P. Srivastava . . . . .	16-5-1972
4. Shri S. K. Jadhav . . . . .	31-7-1973

B. D. MEHRA  
General Manager

**SOUTH CENTRAL RAILWAY**

Secunderabad, the 30th October, 1975

No. P/GAZ/185/Engg.—The following officers of the Civil Engineering Department are confirmed in Class II service as Assistant Engineer in that Department from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which confirmed
1.	Shri A. B. Meyers . . . . .	17-3-1971
2.	Shri P. Narasinga Rao . . . . .	31-1-1972

K. S. RAJAN  
General Manager

**MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
(DEPARTMENT OF SUPPLY)**

New Delhi, the 18th August 1975

No. 5/44/70-ESI.—The President has been pleased to decide that the following five officers will be deemed to have been appointed to officiate in Grade III of the Indian Supply Service, Class I, with effect from the date of initial constitution of the Service i.e. 9-1-1961 :—

1. Shri BA Shenoy
2. Shri B. Dey
3. Shri VR Subramanyam
4. Shri MAB Chugtai
5. Shri S. Ray.

S. S. KSHETRY,  
Under Secy.

**DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of the Venadu Bank Limited*

Ernakulam, the 24th October 1975

No. 1299/Liq. 560/R-1051/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Venadu Bank Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. ANWAR,  
Registrar of Companies,  
Kerala.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kishanchand Sons Private Limited*

Bombay-2, the 24th October 1975

No. 12693/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kishanchand Sons Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Gopalkrishna Dairy Farms Limited*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 7358/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Gopalkrishna Dairy Farms Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. K. F. Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 12638/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. K. F. Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Rameshchandra Satishkumar and Company Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 13650/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rameshchandra Satishkumar and Company Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Akew Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 13874/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Akew Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Chemical and Refrigeration Equipment Mfg. Company  
Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 14123/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chemical and Refrigeration Equipment Mfg. Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Blemka Private Limited*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 14188/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Blemka Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Universal Plastic Laminated Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 14885/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Universal Plastic Laminated Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Unique Machinery Company Private Limited.*

Bombay-2, the 28th October 1975

No. 14902/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Unique Machinery Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Trades Establishment (India) Private Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1975

No. 4931/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Trades Establishment (India) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Aundh Light and Power Suppliers Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1975

No. 6944/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Aundh Light and Power Suppliers Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shree Jagatpriya Savings Funds Private Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1975

No. 13415/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shree Jagatpriya Savings Funds Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Parsons IBI Limited*

Bombay-2, the 29th October 1975

No. 13164/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Parsons IBI Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Mahalakshmi Ores & Metals Private Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1975

No. 13217/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mahalakshmi Ores & Metals Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN,  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Common Pool Financiers Private Limited.*

Ahmedabad, the 30th October 1975

No. 1614/560. —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Common Pool Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Registrar of Companies,  
Gujarat.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Nagpur, the 17th July, 1975

## ORDER

## PROMOTION

No. E-42 (G17)/75.—Shri V. G. Nair, Inspector of Income-tax is hereby provisionally promoted and appointed to officiate as Income-tax Officer, Class-II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the date he takes over the charge as such and until further orders. As the promotion is purely provisional, the promoted officer is liable to reversion at any time without notice.

## II. TRANSFERS AND POSTINGS

The following transfers and postings of Income-tax Officers are hereby ordered :—

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
1. V. G. Nair		On promotion	I.T.O., B. Ward, Jalna	Vice Shri P. P. Deodhar, I.T.O. Transferred.
2. P. P. Deodhar		I.T.O., B. Ward, Jalna	I.T.O. (Recovery), Nagpur.	Vice Shri S. V. Raghavan, I.T.O. Transferred.
3. S. V. Raghavan		I.T.O. (Recovery), Nagpur	I.T.O. (Hqrs.) (Admn.), Nagpur.	Vice Shri R. R. Gupta, I.T.O.'s transfer order Cancelled by Board.

KULWANT RAI  
Commissioner of Income-tax  
Vidarbha & Marathwada, Nagpur.

## I. PROMOTION

No. E-42 (G17)/75.—Shri H. L. Bhagat, Inspector of Income-tax is hereby provisionally promoted and appointed to officiate as Income-tax Officer, Class II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the date he takes over the charge as such and until further orders. As the promotion is purely provisional, Shri H. L. Bhagat, the promoted officer is liable to reversion at any time without notice.

## II. TRANSFERS AND POSTINGS :

The following transfers and postings of Income-Tax Officers are hereby ordered :—

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. Shri M. D. Karnik		I.T.O. Trust Circle, Nagpur	I.T.O.—Central Circle-III, Nagpur.	Vice Shri A. M. Kher transferred on his selection for appointment as Under Secretary, UPSC, New Delhi vide Board's Order F. No. 18/58/75-Ad. VI, dated 21-8-1975.
2. Shri R. M. Krishnan		T.R.O.-I Nagpur	I.T.O., D-Ward Nagpur.	Vice Shri S. K. Kundra, transferred.
3. Shri S. K. Kundra		I.T.O., D-Ward, Nagpur.	Central Circle-IV, Nagpur.	Vacant post.
4. Shri H. L. Bhagat		On promotion	D-Ward, Nanded.	Vice Shri Y. D. Khadilkar, transferred.
5. Shri Y. D. Khadilkar		I.T.O., B-Ward, Nanded.	A-Ward, Nanded.	Vacant Post.

III. Shri T. S. Ramakrishnan, I.T.O., B-Ward, Nagpur will hold additional charge of I.T.O., Trust Circle, Nagpur in addition to his own, until further orders.

Shri K. S. Krishnamurthy, T.R.O.-III, Nagpur will hold additional charge of T.R.O.-I, Nagpur, in addition to his own, until further orders.

IV. The I.T.O.s at Nagpur will hand over their charges on 30th September, 1975 in the afternoon.

V. R. BAPAT  
Commissioner of Income-Tax,  
Vidarbha & Marathwada, Nagpur.

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Singh and others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Smta Singh and others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 25th September 1975

Ref. No. 84-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Agri. Land Khasra No. 191 etc. situated at Sitalpur Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bisalpur on 11-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land measuring 24-53 (Half) situated at village Sitalpur Marwari Tehsil Bisalpur Distt. Pilibhit.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-9-75

Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Devi and others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tara Chand,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

LUCKNOW

Lucknow, the 25th August 1975

Ref. No. 12-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. half portion of House situated at Moh. Katghar Vir Shah Hazari Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 25-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house measuring 193 sq. yds. situated at Moh. Katghar Vir Shah Hazari Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Lucknow.

Date: 25-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dr. R. Shanker.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. Meenakshi Sundaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 25th September 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 20-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-5/301 situated at Oudhgarbhi, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-4-75, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house—measuring 119 Sq. yards situated at Oudhgarbhi, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 25-9-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Chandra Ojha and Others.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjeet Singh and Others.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 23rd October 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 70—R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mohalla Chhawani Namranga, Lakshimpur Kheri (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lakshimpur Kheri on 11-6-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house measuring 8510 sqt. situated at Mohalla Chhawani Nauranga, Distt. Lakhimpur Kheri.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-10-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Saran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harijendar Kaur and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 1st September 1975

Ref. No. 16--H/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 366 (Agr. land) situated at Village Lalpur Distt. Gonda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gonda on 17-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13-02 Acres situated at village Lalpur Distt. Gonda.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-9-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sheela Rastogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarjoni Devi Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 16th October 1975

Ref. No. 81-5/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 352 and 353/1 situated at Manza Ahbarampur, Pargana Tehsil, Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow, on 31-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
17—346GI/57

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land—measuring (No. 352) 1 Bigha 4 Biswa 15 Biswansi and (No. 353/1) 1 Bigha 9 Biswa 6 Biswansi situated at Manza Ahbarampur Pargana Tahsil Distt. Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 16-10-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Flory Fonseca.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. A. J. Khatri &amp; Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 020, the 25th October 1975

Ref. No. AR-I/1232-31/Mar.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 24, of TPS.III, C.S. No. F/651, situated at 16th Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of freehold land or ground situate at 16th Road, Bandra, Taluka Andheri District Bombay Suburban within Greater Bombay and Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Final Plot No. 24 of Town Planning Scheme Bandra No. III and City Survey No. F/651 admeasuring about 570 sq. yds. equivalent to 476.57 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows: that is to say, on or towards the East by a 40 feet wide road called the 16th Road, on or towards the North by Plot No. 23, on or towards the West by Plot Nos. 22 and 26 and on or towards the South by Plot No. 25 of the said Town Planning Scheme Bandra No. III.

N. K. SHASTRI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 25-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ajitkumar Jamnadas, Pratapkumar Jamnadas,  
Smt. Sarla Ajitkumar & Bharati Kishorlal.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tulsibai (alias) Hansa Mangilal Jain.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 020, the 31st October 1975

Ref. No. ARI/1119-22/Mar.75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1/909, 909(pt), Fort Division situated at Bora Bazar Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-3-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land of the quit and ground rent tenure now redeemed together with the building standing thereon situate lying and being at Bora Bazar Street in the City and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 281 sq. yds. i.e. 234 sq. mts. or thereabouts being a portion of the larger plot of land admeasuring 433 sq. yds. i.e. 326 sq. mts. or thereabouts registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 557 and New No. 5516 Old Survey No. 820-821 New Survey No. 8786 Cadastral Survey No. 1/909 i.e. 909 (part) of Fort Division and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under 'A' Ward No. 2280 Street No. 142 and bounded as follows : that is to say on or towards the North by the properties bearing G.S. Nos. 912, 913 & 914 of Fort Division, on or towards South by the Police Court Lane and on or towards the East by Bora Bazar Street, & on or towards the West by the remaining portion of C.S. No. 909 which property, of 281 sq. yds.

N. K. SHASTRI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 31-10-75.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jayantilal Damji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Babubhai B. Pragji 2. Hemataj Lalji 3. Amratlal  
Morarji 4. Jairam Vissanji 5. Dilipkumar Velji. 6.  
Murarilal Velji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 1. M/s. Raghuvanshi Devsi & Co. 2. Barot Narain  
Dhamji. 4. Rambharti Ganeshbhai.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 020, the 30th October 1975

Ref. No. AR.V/272/74-75/.—Whereas, J. J. M. Mehra,

3

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S. No. 138, H. No. 1 and S. No. 238 H. No. 2 (pt) situated at  
Nahur Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Bombay, on 5-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land or ground together with a  
stable standing thereon and a well situate, lying and being in  
the village Nahur in the Registration Sub-District of Bombay  
and District Bombay City and Suburban admeasuring about  
6196 sq. yds. equivalent to 5180.60 sq. metres being part of  
survey No. 138 Hissa No. 1 and survey No. 238 Hissa No. 2  
(part).

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-V, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 30-10-75.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Kantaben Vasanji Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balkrishna Nagar Co. op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 020, the 30th October 1975

Ref. No. AR.V/<sup>276</sup>/<sub>7</sub>/74-75/7.—Whereas, I, J. M.

Mehra,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 128 H. No. 10-A CTS No. 1122 (pt) situated at Mulund (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land bearing survey No. 128, Hissa No. 10-A, C.T.S. No. 1122 (part), Mulund (E), Bombay-81.

J. M. MEHRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range-V, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-10-75.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhai Harshadlal Doongersey &amp; Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bhupendra Villa Premises Co-operative Housing  
Society Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.(3) Members of the society.  
[Person in occupation of the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 030, 29th October 1975

Ref. No. ARI/1122-25/Mar.75.—Whereas, I, N. K.  
Shastri,

being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. C.S. 748/10 Matunga Division situated at Matunga,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at  
Bombay on 13-3-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground to-  
gether with the building and structures standing thereon and  
known as Bhupendra Villa and lying and being and situate at  
Matunga in the City and Registration—District of Bombay  
containing by admeasuring 1119 sq. yds. or thereabouts equi-  
valent to 935.63 sq. mts. or thereabout bearing Plot No. 546  
and bounded on or towards the NORTH by Plot No. 544, on  
or towards the SOUTH by Plot No. 547, on or towards the  
EAST by Jame Jamshed Road and on or towards the WEST  
by Plot No. 545 bearing Cadestral Survey No. 748/10 Matunga  
Division and Municipal 'F' Ward No. 7030/4 and Street No.  
601-C.

N. K. SHASTRI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Popatlal Ranmal Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Girdharilal Jivanbhai Vora &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Bharat Crown &amp; Metal Industries.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 020, the 29th October 1975

Ref. No. ARI/1129-32/Mar.75.—Whereas, I, N. K. Shastri,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. IC/716 (pt) Matunga Division situated at Ghorupdeo Chinchpokli Cross Lane No. 2,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 13-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon situate lying and being at—Ghorupdeo, Chinchpokli Cross Road, Bombay in the Registration Sub-District of Bombay City and B. S. D. containing by admeasurement 782 sq. yds. (i.e. 653.83 sq. mets. or thereabouts) being a portion of a larger piece of land and registered in the books of the Collector of Bombay under New Survey No. 8/3628 (part) and Cadastral Survey No. IC/716 (part) of Mazgaon Division and being Municipal E Ward No. 8204 (I) Street No. 5, Chinchpokli Road and bounded as follows : that is to say on or towards the West and North by Municipal Road on or towards the South by proposed private road and beyond that by the property of Dani Wooltax Corporation and on or towards the East by the property of Hasham Jusab Ratiwala & Co.

N. K. SHASTRI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lajja Savara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Popatlal Karson Shah &amp; Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay-400 020, the 29th October 1975

Ref No. ARI/1134-4/Mar.75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. 1715 of Bhuleshwar Division situated at Malhar Rao Wadi, Dady Seth Agiary Lane (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying and being at Malhar Rao Wadi, Dadyseth Agiary Lane, Bombay, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Suburban bearing C. S. No. 1715 of Bhuleshwar Division admeasuring 200 sq. yds. equivalent to 167.22 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows : that is to say, on or towards the North by C. S. No. 1718, on or towards the South by Seth Gopaldas Tejpal High School on or towards the West by C.S. No. 1724 and on or towards the East by Malhar Rao Wadi Road.

N. K. SHASTRI

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-10-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kapur Singh &amp; Ajit Singh Arora.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- S/Shri  
 (2) 1. Gurbachan Singh,  
 2. Jaswant Singh,  
 3. Niranjana Singh,  
 4. Balwant Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-V,  
 CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 3rd November 1975

Ref. No. AC-24/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S. Inamdar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Bisharpara, situated at P. S. Nimta, Dist-24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, Dum Dum on 18-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece & parcel of land measuring 10 cottahs together with a building thereon being Dag No. 1227, Kh. (C.S.)-3, R. S. Kh.-541 situated at Mouza Bisharpara, P. S. Nimta, Dist-24-Pgs. more particularly as per deed No. 2762 dated 18-3-1975.

S. S. INAMDAR,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-V,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—  
 18—346GI/75

Date : 3-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dipankar Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Narbadi Devi Agarwal,  
2. Smt. Sarda Devi Agarwal & 3 Smt. Maya Devi  
Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 4th November 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-25/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 310, C.I.T. Scheme VIM, situated at P.S. Fulbagan, 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 31-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring an area of 6 cottahs 12 chittaks and 16 sft. situated at C.I.T. Plot No. 310, Scheme No. VI-M Old premises No. 1/1, Kankurgachi 1st Lane, P. S. Fulbagan, 24-Pgs as per deed No. 642 dated 31-3-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th November 1975

Ref. No. Ac-32/Cal/R-II/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/563,  
situated at Diamond Harbour Road, P.S. Alipore, Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub-Registrar, Alipore on 24-3-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Chanchal Kumar Sarkar &  
2. Sri Chapal Kumar Sarkar,  
114, Elliot Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) 1. Sri Ramta Prasad Sinha &  
2. Smt. Tapeshwari Devi,  
651A, Block 'O', New Alipore, Calcutta-53  
(Transferee)
- (3) Vendor  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 564, Block No. 'N', New Alipore, Development Scheme No. XV. measuring 5.87 cottahs or 5 cottahs & 11 Chittaks being portion of the premises No. 23A/563; Diamond Harbour Road, P. S. Alipore, Distt. 24-Pargans.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th November 1975

Ref. No. Ac-33/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 36F & 35/B, situated at Tollygunj Circular Road, P.S. New Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Calcutta on 31-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

- (1) Shri Takurdas Virmal Mahboobani,  
11, Lindsay Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhawar Lal Mundhra,  
2. Sri Dayal Chand Mundhra,  
3. Sri Khemari Mundra, &  
4. Sri Om Prakash Mundra,  
all of 36F, Tollygunj Circular Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 36F & 35/B, Tollygunj Circular Road,  
Mouza—Punja Sahapur, P.S. New Alipore.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-11-1975

Seal :



FORM ITNS ———

(2) Indian Petro-Products Mfg. (P) Ltd.,  
1, Chittaranjan Ave, Calcutta-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th November 1975

Ref. No. Ac-36/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 780, 782, 783, 84, 776, 784/890, 783/888 & 783/882, situated at Mouza-Alampur, P. S. Mariabruz, Dt. 24 Parganas (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ganesh Das Ramgopal having partners  
1. Smt. Lakshmi Jhunjhunwalla,  
2. Sri Adarsh Kumar Halvasiya,  
1, Chittaranjan Ave, Calcutta 13.

(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share in vacant land measuring 2.20 Dec. in Dag Nos. 780, 782, 783, 784, 776, 784/890, 783, 888, and 783/882, Kh. No. 141, 234, 191,—196, 17, 234, 192 & 175, Mouza Alampur, P. S. Metiabruz, 24Prgs.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAJI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th November 1975

Ref. No. Ac-35/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40G, situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore on 10-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Sailendra Prasad Das of 25, Promatha Mukherjee Rd., Kulin Para, P.S. Khardah, 24-Pgs, & 2. Smt. Manorama Manna, wife of Late Dhirendra Nath Manna, 4, Kedar Mallick Lane, P.S. Bally, Distt. Howrah.  
(Transferor)

- (2) Shri Adhir Kumar Chakravarty of 34, Alipore Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 cottahs & 14 chittaks being premises No. 40G, Raja Santosh Road, Mouza Chetla, P.S. Alipur, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Calcutta-16.

Date : 10-11-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th November 1975

Ref. No. Ac-34/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Durgapur Lane, Alipore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar 24-Parganas on 14-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abul Hussain of Chandan-nagar, P.S. Mahesh-tolla, 24-Parganas.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Chhaya Sarkar, daughter of Sisir Kr. Sarkar,  
27L, Alipore Rd., P.S. Alipore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 22, Durgapur Lane, P.S. Alipore—Area 2 kottahs, 11-chittaks & 40-sq. ft.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10—11—1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th November 1975

Ref. No. Acq.23-I-589(238)/5-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2062, situated at Krishnanagar on Main Talaja Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 10-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shantaben Jagjivandas Gandhi,  
Ishwarbhai Patel Chawk, Gore-Goan (East),  
Bombay-63.
2. Jasvantrai Jagjivandas Gandhi,  
Parag Shardhanand Road, Bombay-19.
3. Navinchandra Jagjivandas Gandhi,  
46, Bagubhai Vasi Road, Ville-Parle (West),  
Bombay-56.
4. Dinkarraai Jagjivandas Gandhi,  
55/57, Dadubhai Road, Ville-Parle, (West),  
Bombay-56.

(Transferor)

- (2) 1. Harilal Chhaganlal Valia,  
2. Himatlal Chhaganlal Valia,  
2208, Hill Drive Road, Krishnagar, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1500 sq.yards bearing Plot No. 2062, situated on Main Talaja Road in front of Krishnanagar Railway Station, Krishnanagar, Bhavnagar.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th November 1975

Ref. No. P.R. No. 259-Acq.23-496/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 13-1 Nondh No. 4/12, Ward No. 13 situated at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19-346GI/75

(1) Girdharlal Punamchand Shah self and as karta of H.U.F.  
Shantaben wife of Girdharlal Punamchand Shah;  
Rameshchandra Girdharlal Shah;  
Maheshchandra Girdharlal Vakil,  
Near Bhavani Vad, Haripura, Surat.  
(Transferor)

(2) M/s. Anand Land Corporation through 10 partners.  
1. Mallika Girishchandra Golvala;  
2. Rajnikant Babubhai Golvala and others;  
3. Ravikant Damodardas Gajjar;  
4. Taramati Balkrishna Gajjar;  
5. Bipinchandra Gulabdas Dalal;  
6. Paresb Vasantlal Dalal;  
7. Premabhai Gakalbhai Patel;  
8. Thakorbhai Gakalbhai Patel;  
9. Sumanbhai Khandubhai Desai;  
10. Renuka Bharatkumar Desai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 13-1 Ward No. 13 Nondh No. 4 Plot No. 12 paiki, admeasuring 247 Sq.yds. situated at Athwa Lines, Surat as fully described in sale deed registered under No. 234 of March, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th November 1975

Ref. No. P.R. No. 258 Acq. 23-435/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. 1008 land & building situated Behind Alkapuri Club, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 20-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madhuker Kantilal Munsha;  
Smt. Kundanben Wd/o Kantilal Chimanlal Munsha,  
through Power of Attorney holder Shri Madhuker  
Kantilal Munsha, 'Anand' C. G. Marg, Aandnagar,  
Ahmedabad-7.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Ravindraprasad Jamnadas, Majumdar,  
Behind Alkapuri, Baroda.  
2. Vijay Ravindraprasad Majumdar.  
3. Smt. Devikaben Ravindraprasad Majumdar.  
(Transferee)

(3) Dahyalal Pandya,  
Govind Kala Rathod.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing land and building situated behind Alkapuri Club, Baroda, Land admeasuring 16744 Sq. ft. with structures in the form of bungalow, out-houses, garage etc. Land bearing Revenue Sur. No. 1008, as fully described in sale-deed bearing Registration No. 1890 of March, 1975 of the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range,  
Ahmedabad.

Date : 6—11—1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th November 1975

Ref No. PR. 260/Acq.23-497/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 469/2 paiki land 0.16 gunthas, situated at Adajan Taluka Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 4-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Hiralal Govindji Patel, Self and as a guardian of Sunilkumar Hiralal (Minor),  
Smt. Dahiben wife of Hiralal Govindji Patel,  
Prakashchandra Hiralal at Adjan  
(Transferor)

(2) Gitanagar Co-operative Housing Society Ltd.,  
through its  
President : Narsinhbhai Manchhoobhai Patel,  
Secretary : Vanmalibhai Haribhai Patel,  
Member of Committee :  
Ishwarbhai Jerambhai Patel.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 469/2 paiki 0.16 gunthas i.e. 1936 sq. yards situated at Adajan, Taluka Choryasi, Distt. Surat as fully described in sale deed registered under No. 1655 of March, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-11-1975  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Ramkabir Pipe Mfg. & Construction Pvt. Ltd.,  
Thala, Tal. Chikhli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1975

Ref. No. P.R. No. 261 Acq. 23-429/7-2/74-75.—Whereas, I,  
P. N. Mittal,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing

S. No. 463 and 462/3 Paiki Land & structure  
situated at Village Thala Taluka Chikhli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chikhli on 10-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said in-  
strument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act'  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the 'said Act' to the follow-  
ing persons, namely :—

(2) M/s. Shri Kedar Cement Products  
through its partner : Shri Ishwarbhai Chhotabhai  
Patel, Thala, Tal. Chikhli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and structure  
bearing S. No. 462/3, 463 (Land in all 3 acres and 23  
gunthas) situated at village Thala, Taluka Chikhli as fully  
described in sale deed registered under No. 1069 of March  
1975 of registering Officer, Chikhli.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 10-11-1975

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th November 1975

Ref. No. Acq. 23-I-549(236)/1-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 3368 situated at Dariapur Ward-II, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Surendra Nandulal Dalal,  
2. Padmaben wife of Shri Surendra Nandulal Dalal,  
3. Shri Shantikumar Nandulal Dalal,  
4. Hansaben wife of Shantikumar Nandulal Dalal,  
5. Shri Yaswantkumar Nandulal Dalal, for self and as father and guardian of minors —  
(i) Saurabh Yashwant Dalal,  
(ii) Mehul Yashwant Dalal,  
6. Sarlaben wife of Yaswant Nandulal Dalal,  
7. Shri Laxmanbhai Nandulal Dalal for self and as father and guardian of Rajiv Laxmanbhai Dalal,  
8. Saudamini wife of Laxmanbhai Nandulal Dalal, All of Ahmedabad,  
9. Smt. Parvatiben widow of Nandulal Manchharam Dalal, Shahibaug, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Ushakant Co-op. Housing Society Ltd.,  
C/o Shri Shanbhubhai Shakarabhai Patel,  
Nawa Taliani Pole, Dariapur, Ahmedabad.  
Chairman : Shri Dhirubhai Ranchhoddas Thakkar,  
C/o R. C. Thakkar, Dariapur, Ahmedabad.  
Secretary : Shri Shanbhubhai Shakarabhai Patel,  
Nawa Talianipole, Dariapur, Ahmedabad.  
Member of Managing Committee :  
Shri Surendra Jayantilal Shah,  
Shahpur Society, Shahpur, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property being an open plot of land admeasuring 222 sq. yards bearing City Survey No. 3368, situated behind Jasdan Road, Nr. Dariapur Chakla, Ahmedabad.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th November 1975

Ref. No. Acq. 23-I-549(237)/1-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey No. 3367-A-2

situated at Dariapur Ward-2, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Surendra Nandulal Dalal,  
2. Padmaben wife of Shri Surendra Nandulal Dalal,  
3. Shri Shantikumar Nandulal Dalal,  
4. Hansaben wife of Shantikumar Nandulal Dalal,  
5. Shri Yaswantkumar Nandulal Dalal, for self and as father and guardian of minors —  
(i) Saurabh Yashwant Dalal,  
(ii) Mehul Yashwant Dalal,  
6. Sarlaben wife of Yaswant Nandulal Dalal,  
7. Shri Laxmanbhai Nandulal Dalal for self and as father and guardian of Rajiv Laxmanbhai Dalal,  
8. Saudamini wife of Laxmanbhai Nandulal Dalal, All of Ahmedabad.  
9. Smt. Parvatiben widow of Nandulal Manchharam Dalal, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Chunilal Hargovinddas Gandhi, Karta & Manager of H.U.F. Shri Chunilal Hargovindlal Gandhi, Kalpana Colony, B-No. 2, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being an open plot of land ad-measuring 86 sq. yards bearing City Survey No. 3367-A-2, situated on Main Road, Nr. Dariapur Chakla, Ahmedabad.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date: 5-11-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th October 1975

Ref. No. P.R. No. 255 Acq. 23-413/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 393 Paiki Open land situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Tribhovandas Pursottamdas Patel;  
2. Shri Bhupendra Tribhovandas Patel;  
3. Shri Amritlal Tribhovandas Patel;  
Surat.

(Transferor)

- (2) The Director,  
Divya Vasundhra Finance Pvt. Ltd.,  
Shreeniketan Building, Navapura,  
Parsi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being an open land bearing S. No. 393 admeasuring 3 acres and 28 gunthas i.e. 17908 Sq. yds. situated at Katargam Surat as fully described in sale deed registered under No. 859 of March, 1975 in registering office, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 16-10-1975

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th October 1975

Ref. No. P.R. No. 256 Acq. 23-493/19-8/74-75.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,  
being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-  
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Nondh No. 279 Plot No. 16 of Ward No. 7  
situated at Unapani Road, Near Lal Darwaja, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Surat on 7-3-1975  
for apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) 1. Joshi Jethalal Garbadram;  
2. Joshi Pursottamdas Garbadram at Zarad  
Taluka Sinor, through their power of attorney  
holder Shah Antoldas Gordhandas Near Raopura  
Tower Shapura, Baroda.  
(Transferor)

- (2) Eagle Transport (Madras) Pvt. Ltd. Co. Madras  
through Branch Manager at 7/279 Unapani Road,  
Near Lal Darwaja, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and structure  
bearing Nondh No. 279 Paiki Plot No. 6 Ward No. 7 (Land  
admeasuring 169 Sq. yd.) situated at Unapani Road, Surat  
as fully described in Sale deed registered under No. 1136 of  
March, 1975 in registering Office, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 29—10—1975  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th October 1975

Ref. No. P.R. No. 257 Acq. 23-494/6-2/75-76.—Whereas, I,  
P. N. Mittal,being the competent authority under section 269B of  
the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.S. No. 503 Plot No. 11/B/1  
situated at Sampatrao Colony, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Baroda on 10-3-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

20—346GI/75

(1) Dr. Jagdishbhai Narsinhbhai Patel;  
Dr. Mrs. Kokila Jagdishbhai Patel;  
C/o 'Nirali Clinic' Opp. Maharani Girls High  
School, Baroda.  
(Transferor)

(2) 1. Dr. Chandrakant J. Shah,  
2. Dr. Mrs. Bina Chandrakant Shah,  
Bina Clinic, Rajmahal Road, Baroda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA  
of the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing No. 503 Plot No. 11/B/1  
admeasuring 6058 Sq. ft. and situated at Sampatrao Colony,  
Baroda as fully described in sale deed registered under  
No. 1582 of March, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 29-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th November 1975

Ref. No. RAC.No. 163/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A/2-6, situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpalata, P/r in M/s Associated Builders and Real Estate, at Abid Road, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Zubeda-K-Bhagat R/o 3-6-524 at Himayat-nagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Flat No. A/2-6 third floor Poonam Apartments at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Basappa, H. No. 4-3-428 at Gulbagh Hanuman Tekari, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Smt. Kanta W/o Suryakant H. No. 3-4-376/28 at Lingampally, Hyderabad (2) Sri Hiralal S/o Shamji R/o Sultan Bazar, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 160/75-76.—Whereas, I, K. V. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-2-701/6/9 situated at Malakpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 17-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property : House No. 16-2-701/6/9 at Malampet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 157/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-882 situated at Begumpet, Hyderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Subhashini Devi, W/o Sri Jayawant H. Patel, R/o Poona, 2. Smt. Rama Devi W/o M. Sundararamireddy, 3. Sri M. Vishnu Kumar Reddy, 4. Smt. Adilakshmi Devi, W/o J. Harikrishna, 5. Sri M. Vijaya Kumar Reddy, residing at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

1. Sri G. Pulla Reddy, S/o Hussain Reddy, R/o 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
2. Smt. G. Narayanamma, W/o G. Pulla Reddy, R/o 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
3. Sri G. Raghava Reddy, S/o G. Pulla Reddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
4. Shri G. Varalakshmi D/o G. Putta Reddy, R/o H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
5. Sri G. Sreenivasa Reddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
6. Sri G. Ekambar Reddy, S/o G. Pulla Reddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
7. Smt. G. Annapurnamma D/o G. Pullareddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
8. Sri G. Lokeshwar Reddy, R/o No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
9. Sri P. Venkatreddy, S/o P. Sunki Reddy, R/o Kurnool.
10. Sri P. Subbareddy, S/o P. Venkat Reddy, R/o 11-5-452 Red Hills, Hyderabad.
11. R. V. Seshacharlu S/o Seshacharlu R/o Kurnool.
12. R. Padmanabham S/o R. V. Sesha Charlu R/o Kurnool.
13. R. Ramanujachari S/o R. Seshacharlu R/o 6-8-655 Station Road, Hyderabad.
14. K. Subramaniam, S/o K. Venkatasubbalah. C.A. R/o Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House M. No. 6-3-882 together with land ad-measuring 5678 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-1975  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Zubeda Begum Saheba, W/o Mohammad Jamaluddin Hyder, R/o 22-2-444 at Noor Khan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 161/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-2-444 situated at Noor Khan Bazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: House No. 22-2-444 at Noor Khan Bazar, Hyderabad. Area 571 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Waliunnissa Begum, W/o late Najabat Ali Pasha, H. No. 22-6-224 and 225 at Mandi Mir Alam, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 159/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-6-224 & 225 situated at Mandi Mir Alam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 2-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sri Mohammed Anwaruddin, P/r in M/s Anwar Crockery Kachlikaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 22-6-224 and 225 at Mandi Mir Alam, Kuch Naseem, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 158/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-879/B situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely:—

- (1) Smt. Subhashini Devi, W/o Jayawant H. Patel, R/o Poona, 2. Smt. Rama Devi W/o M. Sundaramemireddy, R/o Begumpet, Hyd. 3 M Vishnu Kumar Reddy, S/o M. A. Ramchandrareddy, R/o Begumpet, Hyderabad, 4. Smt. Adilakshmi Devi, W/o J. Harikrishna, R/o Fateh Maidan, Hyderabad, 5. Sri M. Vijaya Kumar Reddy, R/o Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

1. Sri G. Pulla Reddy, S/o Hussain Reddy, R/o 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
2. Smt. G. Narayanamma, W/o G. Pulla Reddy, R/o 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
3. Sri G. Raghava Reddy, S/o G. Pulla Reddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
4. Shri G. Varalakshmi D/o G. Pulla redy, R/o H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
5. Sri G. Sreenivasa redy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
6. Sri G. Ekambar Reddy, S/o G. Pulla redy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
7. Smt. G. Annapurnamma D/o G. Pullareddy, H. No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
8. Sri G. Lokeshwar redy, R/o No. 11-5-452 at Red Hills, Hyderabad.
9. Sri P. Venkatreddy, S/o P. Sunki Reddy, R/o Kurnool.
10. Sri P. Subbareddy, S/o P. Venkat Reddy, R/o 11-5-452 Red Hills, Hyderabad.
11. R. V. Seshacharlu S/o Seshacharlu R/o Kurnool.
12. R. Padmanabham S/o R. V. Sesha Charlu R/o Kurnool.
13. R. Ramanujachari S/o R. Seshacharlu R/o 6-8-655 Station Road, Hyderabad.
14. K. Subramaniam, S/o K. Venkatasubbaiah. C.A. R/o Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 6-3-879/B at Begumpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. Basappa, H. No. 4-3-428 at Gulbagh, Hanumantekdi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amratubai Tokarsi Kapadia, H. No. 6-3-660 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(3) Dr. Jagannath Patel, 2. Smt. Kanshlya Bai, 3. Goal Trading Co. 4. M. Narayana 5. Muniswamy.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th November 1975

Ref. No. RAC. No. 162/75-76.—Whereas, I, K. S. Vonkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-2-701/5/2 situated at Malakpet, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : House No. 16-2-701/5/2 to 4 at Malakpet, Hyderabad-36.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Aravind Basappa Jatti, H. No. 224, Bellary Road, Bangalore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra (2) Jeetendra (3) Dilip, S/o Nanasaheb Kulkarni, M/G Smt. Geethabai N. Kulkarni, Kama-dolli, at present 66, M.H.B-2 Colony, Hubli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dharwar, the 10th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential house and open land in Mts., S. No. 52/1A+2+3, Plot No. 4, C.S. No. 1/10, situated at Navaivan Housing Colony, Jayanagar, Hubli.

Boundaries :

On the East : Plot No. 5.

On the West : 30' Road

On the North : Nala

On the South : Plot No. 8.

P. SATYANARAYANA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—346GI/75

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Heggadde Estates, Norway-573134, Saklaspur  
Represented by their Managing Partner Sri A. N.  
Venkatachalam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 10th November 1975

Notice No. 85/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. given in the schedule situated at Heggade village, Korlagadde village and Udamahalli village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belur under document No. 2767 on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) K. H. Srinivasan, S/o K. Hanumanthiah, No. 36, Crescent Road, High Grounds, Bangalore. (2) Smt. Jayalakshamma Srinivasan, No. 36, Crescent Road, High Grounds, Bangalore. (3) Smt. Leela Soni, W/o Dr. B. K. Soni No. B-8-2, Multistoried Flats, R. K. Puram, New Delhi. (4) Smt. Sharadaeswaran, W/o Sri K. S. Eswaran, Kibbetta Estate, Somwarpet, Coorg. (5) Smt. Maliniraje Prasad, D/o Sri K. S. Prasad, II Kusubur Estate, Somwarpet, Coorg.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## COFFEE ESTATE SITUATED AT

- (1) Heggade Village :—
  - (i) Sy. No. 55, Acres 27 and Guntas 35.
  - (ii) Sy. No. 61, Acres 19 and Guntas 1.
  - (iii) Sy. No. 1/4 Acres 1 and Guntas 30.
  - (iv) Sy. No. 2, Acres Nil Guntas 28.
  - (v) Sy. No. 3, Acres 1 and Guntas 28.
  - (vi) Sy. No. 4/1 Acres 6 and Guntas 22.
  - (vii) Sy. No. 59 Acres 10 and Guntas 4.
  - (viii) Sy. No. 62, Acres 3 and Guntas 11.
  - (ix) Sy. No. 63, Acres 127 and Guntas 1—
  - (x) Sy. No. 46/1 Acres 7 and Guntas 22.
  - (xi) Sy. No. 46/1 Acres 2 and Guntas 24.
- (2) Korlagadde
  - (i) Sy. No. 21, Acres 5 only (Part).
  - (ii) Sy. No. 26, Acres 4 and Guntas 25.
  - (iii) Sy. No. 27, Acres 2 and Guntas 3.
  - (iv) Sy. No. 30, Acres 3 only (Part).
  - (v) Sy. No. 31/1, Acres 14 and Guntas 16.
  - (vi) Sy. No. 32/1, Acres 25 and Guntas 30.
  - (vii) Sy. No. 33/1, Acres 2 and Guntas 27.
  - (viii) Sy. No. 33/2, Acres 22 and Guntas 25.
  - (ix) Sy. No. 34, Acres 15 and Guntas 38.
- (3) Udamahalli

Sy. No. 1—5 Acres

P. SATYANARAYANA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Aruna Straw Boards (Reg. Firm) Tanuku  
Taluk. Suryaraopalem

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Aruna Straw Boards (P) Ltd., Suryaraopalem,  
Tanuku Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

Kakinada, the 10th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 263/J. No. 663/WG/74-75 —  
Whereas, I, B. V. Subba Rao,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Ac-3-52 cents situated at Suryaraopalem village in R.S.  
No. 162/2,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Tanuku on 31-3-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respec-  
tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document nos. 575/75 and  
576/75 of the SRO. Tanuku registered during the fortnight  
ended on 31-3-1975.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 262/J. No. 662/WG/74-75.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 33-49 situated at Tangiralavari Street, Tanuku, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Tangirala Ananda Rao, 2. Smt. T. Ramayamma, 3. T. V. Chandra Mohan, Ramachandrapeta, Eluru.

(Transferor)

(2) Dr. Nadimpally Gopalakrishnam Raju, Sri N. Sivarama Raju, Satyavada Village, Tanuku Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 496/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 31-3-75.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-11-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 261/J. Nos. 626&627/EG/74-75.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 391-1 situated at 2-34 Plus 2-38 Ramachendrapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramachendrapuram on 15-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/s. Pasala Suranna, (2) Pasalla Subba Rao, (3) Pasala Satyanarayana and Krishna Murthy (5) Pasala Surya Baskara Rao (6) Pasala Venkata Raju (7) Pasala Govinda Raju, Vella R.C. Puram Taluk E.G. Dt. (8) Smt. Pasala Polemma alias Ammayi W/o Suranna Garu.

(Transferor)

- (2) Penumarthi Satyanarayana, Vella-R.C. Puram Taluk E.G.Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document nos. 588/75 and 589/75 of the S.R.O. Ramachendrapuram.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-11-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 264/K.R. No. 562/74-75.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/90 & 91 situated at Patamata Behind Police Station Patamata, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sri Tammana Seetharamanjanyulu, S/o Ramaiah, Kakatiya Picture Palace, Swami Vivekananda Road, Warrangal-2.

(Transferor)

(2) Sri J. G. Shah, Jyothi Iron Works, Patamata, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 900/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended 31-3-75.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-11-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Basant Kaur, Widow of late Shri Amrith Singh, By P.A. holder Shri Jaravendra Singh (son) No. 63/3, Singh Colony, Bombay-2.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Kuldeep Singh Rekhi, S/o Dayal Singh Rekhi, No. 4, Church Road, Shantinagar, Bangalore-27.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/3829/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site bearing No. 36 (Old No. 176), III Cross, Hutchin's Road, situated at St. Thomas Town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 4008/74-75 on 1-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4008/74-75 dated 1-3-75)

The property being a vacant site bearing No. 36, (old No. 176), III Cross, Hutchin's Road, St. Thomas Town, Bangalore-5.

Site Area : E W : 70 ft. } 4200 sq. ft.  
N S : 60 ft.

Boundaries :

East : House No. 35  
West : House No. 37  
North : III Cross, Hutchin's Road,  
South : House No. 10, II Cross, Hutchin's Road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 24th October 1975

C.R. No. 62/3840/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site bearing Municipal No. 233-19 including a well therein situated at 40th Cross, 5th Block, Jayanagar Extension 35th Division, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore, Document No. 410174-75 on 7-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Rama Raju, S/o K. Venkataraju, Marena-halli, 5th Block, Jayanagar Extn., Bangalore city.  
(Transferor)

(2) Shri M. V. Selvaraju, S/o S. M. Velliswamy, No. 8/1, Sri Ramaswamy layout, Bangalore-2,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4101/74-75 dated 7-3-1975)  
Site bearing Municipal No. 233-19, including a well therein, situated at 40th Cross, 5th Block, Jayanagar Extension, 35th Division, Bangalore.

Site area :—

East to West :  $40\text{ft.} + \frac{45\text{ft.}}{2}$

North to South : 90ft.

= 42ft. X 90ft = 3780 sq. ft.

Boundaries :—

East : 9th Main Road.

West : Site No. 234.

North : Site No. 232

South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. S. Nagaraja Setty, S/o Shri Srirangaiah Setty, No. 18, III Main Road, Chamarajpet, Bangalore City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. rankumar, S/O Shri Kesharimal Gadia, No. 87, Chowdeswari Temple Street, Bangalore city.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 22nd October 1975

C.R. No. 62/3847/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal Corporation Door No. 49 (Plot No. 2), situated at Industrial Suburb, North Zone, Rajajinagar, Bangalore-560 010, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Document No. 6642/74-75, on 6-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—346GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 6642/74-75 dated 6-3-1975).  
All that plot of land comprised out of municipal Corporation Door No. 49 (Plot No. 2) in industrial suburb, North Zone, Rajajinagar, Bangalore city.

Site measuring :—

E to W : 172ft.

N to S : 434ft.

together with the factory buildings standing thereon, servants quarters, Office rooms, well and pump sets and pump house situate therein, pipe lines, power installations.

Boundaries :—

North : Private Property.

South : Main Road.

East : Property retained by the vendor.

West : Portion sold to Shri D. Mahadevan and Shri D. Rajaram.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 27th October 1975

C.R. No. 62/3860/74-75/Acq.-(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a garden land measuring 4 acres and 20 guntas (4½ acres) in S. No. 16/1 B, situated at Sidedahalli village Yeswanthapura Hobli, Bangalore North Taluk, Bangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Document No. 7331/74-75 on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Lalitha Srinivasan, W/o Shri D. Srinivasan, (2) Shri D. Srinivasan, both presently residing at No. 4, 12th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.  
(Transferor)

(2) Shri P. G. V. Rao, S/o late Shri P. Vaman Shenoy, No. 210, I 'N' Block, Rajajinagar, Bangalore-10.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; and
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 7331/74-75 dated 31-3-1975)

All that piece and parcel of dry agricultural farm and orchard land measuring about 4½ acres in extent situated in S. No. 16/1B of Sidedahalli village, Yeswanthapura Hobli, Bangalore North Taluk, Bangalore District, comprising existing building with well, electric pump and motor, pump house, pipe lines, four strand barbed wire and wire mesh fencing on all four sides, about 200 eucalyptus trees, 160 coconut trees, 100 sapota plants, 150 guava plants, lime trees, banana, jackfruit, papaya plants and other fruit and flowering plants, and bounded :

on the North : S. Nos. 12 and 13 Sidedahalli village,  
on the South : by Government Road.  
on the East : by portion of S. No. 16/1, Sidedahalli village, and  
on the West : by further portion of S. No. 16/1, Sidedahalli village.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3864/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site of portion of Municipal No. 33/1, Victoria Road, situated at Bangalore-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4214/74-75 on 19-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Elizabethamma, C/o Shri P. Anthony Reddy, Advocate, Narasingaraopet, Kurnool (A.P.).  
(Transferor)
- (2) Mrs. George, W/o J. George, No. 33/1, Victoria Road, Bangalore-7.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4214/74-75 dated 19-3-1975)

The property being a vacant site of portion of Municipal No. 33/1, Victoria Road, Bangalore-7.

Site Area :—

East : 51ft. + 9ft.

West : 50ft.

North : 50ft.

South : 24ft.

E.W. :  $\frac{51\text{ft} + 9\text{ft} + 50\text{ft.}}{2}$  (X NoS.)  $\frac{50\text{ft} + 24\text{ft}}{2}$

$= 55\text{ft} \times 37\text{ft} = 2,035 \text{ sq. ft.}$   
 $= \text{or } 226 \text{ Yards.}$

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 27th October 1975

C.R. No. 62/3866/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 74/1 (excluding ground floor), situated at Ebrahim Saheb Street, Civil Station, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4234/74-75, on 20-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of action 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaffar Sait, S/o Shri Ahmed Sait, Major, No. 16, Murgesh Mudaliar Road, Frazer Town, Bangalore-5.  
(Transferor)
- (2) Shri D. Kuppuswamy, S/o Shri Dora'swamy, Major, No. 36, Nehrupuram, Bangalore-1.  
(Transferee)
- (3) Shri A. V. N. Swamy.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4234/74-75 dated 20-3-1975)

All that immovable property being the first floor and the further floors to be constructed thereon, excluding the existing ground floor and open space in premises No. 74/1, Ebrahim Saheb Street, Civil Station, Bangalore-1.

Site area :—

East to West : 46ft.

North to South : 26ft.

Boundaries :—

North and West by : Property bearing No. 80, Ebrahim Saheb Street,

South by : Ebrahim Saheb Street,

East by : Cavalry road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-10-1975

Seal :



FORM ITNS

(1) Shri B. Anand Shetty, S/o Sooranna Shetty, Coondapur, South Kanara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sri Shankaranarayana Construction Company, Coondapur, South Kanara, represented by its : Managing Partner, Sri Narayana Shetty S/o Hiranna Shetty, residing at No. 10, Walton Road, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 6th October 1975

C.R. No. 62/3868/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R.

Krishnamoorthy,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. The plot of land with building Municipal No. 14, situated at Walton Road, Bangalore-1.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4258/74-75, on 21-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document. No. 4258/74-75 dated 21-3-1975)

All that plot of land together with the building situated in Municipal No. 14 (Formerly 10-A, St. Marks Square) situated in Walton Road, Bangalore-1.

Main building measuring = 2695 sq. ft.

Garage and Servant's Block measuring = 1100 sq. ft.

## Boundaries :

North : Bungalow and compound of the London Mission House and at present by Bungalow and Compound of American Mission Camp.

South : Walton Road.

East : Property of Salian Sait, Miss Saidali and Akinabi bearing No. 15, Walton Road.

West : Property of B. K. Govindaraj bearing No. 13, Walton Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3879/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant residential plot being a portion of premises No. 33/1, (Corporation Division No. 61), situated at Victoria road, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4323/74-75 on 27-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. P. Elizabethamma, W/o late Mr. M. L. Xavier, C/o Mr. P. Anthony Reddy, Advocate, Narasingarao-pet, Kurnool, (A.P.)

(Transferor)

(2) Smt. R. Manjula, W/o Shri K. S. Arasappa, No. 1 (Upstairs) Nandaramsingh Lane, Narayana Pillay Street, Cross, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4323/74-75 dated 27-3-1975)

The property being a vacant residential plot being a portion of premises No. 33/1, (Corporation Division No. 61) Victoria Road, Civil Station, Bangalore.

Site area :—

East : 30ft wide road.

West : 37ft.

North : 108ft

South : 75ft.

$$\begin{array}{r} \frac{55' + 37'}{2} \times \frac{108' + 75'}{2} \\ \hline \frac{92'}{2} \times \frac{183'}{2} \\ \hline = 46' \times 91' = 4186 \text{ Sq. ft. (About 3756} \\ \text{Sq. ft. as per form No.} \\ \text{37-G)} \end{array}$$

Boundaries :—

East : 30ft wide road.

West : Compound Wall of St. Philomina Hospital and C.I.T.B. Site.

North : Premises No. 39, Victoria Road.

South : Portion of No. 33/1, Victoria Road sold to Shri F. P. Anthony.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. P. Elizabethamma, W/o late Mr. M. L. Xavier,  
C/o Mr. P. Anthony Reddy, Advocate, Narasingrao-  
pet, Kurnool (A.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri F. P. Anthony, S/o Mr. Francis Puttiah, No. 40,  
Tata Line, Ashoknagar, Bangalore-560025.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3880/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna-  
moorthy,  
being the Competent Authority under section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. The property being a vacant residential plot being a por-  
tion of premises No. 33/1, situated at Victoria Road (Corpo-  
ration Division No. 61) Civil Station, Bangalore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4324/74-75  
on 27-3-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the par-  
ties has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor  
to pay tax under the said Act in respect of any  
income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act,  
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4324/74-75 dated 27-3-1975)  
The property being a vacant residential plot being a portion  
of premises No. 33/1, (Corporation Division No. 61), Victo-  
ria Road, Civil Station, Bangalore.

Site area :—

East : 49' 9"  
West : 37'  
North : 75'  
South : 50'

about 2395.5 Sq. ft. as per form No. 37-G.

Boundaries :—

East : 30' wide road.  
West : Premises No. 35, Victoria road.  
North : Portion of premises No. 33/1, Victoria road sold  
to Smt. R. Manjula.  
South : Private property formerly a portion of No. 33/1,  
Victoria road.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-10-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Mrs. Kathleen Dorothy Stephens, No. 14 Clarke Road, Richards Town, Bangalore-5.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. D. Amruthalingam, No. 104, Wheeler Road, Cooke Town, Bangalore-5.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3896/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The Property being a Vacant site bearing No. 2, situated at High Street cross, Cooke Town Civil Station Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 4375/74-75 on 21-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4375/74-75, dated 21-3-1975;)  
The property being a vacant site bearing No. 2, High Street Cross, Cooke Town, Civil Station, Bangalore-5.

Site area

508'×80'=4,000 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3910/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a revenue land measuring one acre and 29 guntas in survey No. old 170 and present R.S. No. 359-1, situated at Kempapura Agrahara, Kasaba Hobli, Bangalore/North Taluk (Corporation Division No. 21), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore Document No. 4456/74-75 on 24-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Chickbatyappa S/o late Sri Kuribasappa, 2. Kuilingappa, 3. Munishamappa Ss/o Doddabatyappa all are residing at Magadi Road, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Bangalore City.  
(Transferor)

(2) Shrimati Annappooramma W/o Sri T. S. Chandrasekhara No. 1681, Nagappa Block Srirampuram, Bangalore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4456/74-75, dated 24-3-1975)  
The property being a revenue land measuring one acre and 29 guntas in survey No. old 170 and present R.S. No. 359-1 Kempapura Agrahara Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21).

## Boundaries :

East : Land belongs to Vinayaka House Building Co-operative Society.

West : At present (Previously land belongs to Sri Naganumappa) land belongs to Shri D. Hanumanthappa.

North : Land belongs to Sri Kurilingappa and others.

South : Land belongs to Sri Railway Munniyappa.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3911/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna-moorthy,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. The property being a revenue land measuring 2 acres and  
39 guntas in Survey No. Old 171 and present R.S. No. 377-2,  
situated at Kempapura Agrahara, Marenahalli village, Kasaba  
Hobli, Bangalore North Taluk (Corp'n. Division No. 21),  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of Registering  
Officer at Srirampuram, Bangalore, Document No. 4481/  
74-75 on 27-3-1975,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-  
son, namely :—

(1) Kurilingappa, S/o late Sri Vecrappa, Magadi Road,  
Kempapura Agrahara, Marenahalli, Bangalore city.  
(Transferor)

(2) Shrimati Annapoornamma, W/o Shri T. S. Chand-  
rasekhar, No. 1681, Nagappa Block, Srirampuram,  
Bangalore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4481/74-75, dated 27-3-1975)  
The property being a revenue land measuring 2 acres and  
39 guntas in Survey No. Old 171 and present R.S. No. 377-2,  
situated at Kempapura Agrahara, Marenahalli village, Kasaba  
Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21).

## Boundaries :

East—land belonging to Shri Melappa, S/o Sri Dhobi Muni  
Thimmaiah.

West—Open low lying drain passes through the Govt. land.

North—Land belonging to Sri Dodda Hanumanthaiah and  
land belonging to the Sankey Factory colony.

South—Land belonging to Sri Chick Hanumanthaiah.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. Annapoornamma, W/o T. S. Chandrasekhara,  
No. 1681, Nagappa Block, Srirampuram, Banga-  
lore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3912/74-75/Acq. (B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a revenue land measuring 3 acres and 9 guntas in Survey Nos. Old 172 and 174, Present R.S. Nos. 375-2 and 374-1, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Kasaba, Hobli, situated at Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srirampuram, Bangalore Document No. 4482/74-75 on 27-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kurilingappa S/o late Sri Veerappa, Magadi Road, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Bangalore city.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered in Document No. 4482/74-75 dated 27-3-1975)

The property being a revenue land measuring 3 acres and 9 guntas in Survey Nos. Old 172 and 174, Present R.S. Nos. 375-2 and 374-1, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21).

Boundaries :—

East—Land belonging to Vinayaka House Building Co-operative Society.

West—Land belonging to Sri Dodda-Biddappa.

North—Land belonging to Smt. Devecramma and others.

South—Land belonging to Sri Dodda-Bityappa.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3913/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a revenue land measuring 34 guntas in Survey No. Old 168-2 and present R.S. No. 354-3, situated at Kempapura Agrahara, Marenahalli, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore, Document No. 4499/74-75 on 29-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chowdappa, S/O Sri Hanumanthappa,  
Magadi Road, Kempapura Agrahara,  
Marenahalli,  
Bangalore city.

(Transferor)

(2) Smt. Annapoornamma,  
No. 1681, Nagappa Block,  
Srirampuram,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4499/74-75 dated 29-3-1975)  
The property being a revenue land measuring 34 guntas in survey No. Old 168-2 and present R.S. No. 354-3, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Division No. 21).

Boundaries :—

East—Land belonging to Sri Chick Hanumanthappa.  
West—Land belonging to Sri Sri Attiguppe.  
North—Land belonging to Sri Subbaiah and others.  
South—Land belonging to the Government.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-10-1975

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3917/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a garden land with guava plants measuring 8 acres, in Survey No. Old 8, and new Nos. 33 and 34, situated at Vaddarpalya, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 9358/74-75 on 22-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jayamma, W/O Sri D. M. Rame Gowda, Superintendent, Land Development Bank, No. 126, 7th Main Road, Jayanagar, IV Block Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) Smt. Thimmamma alias. Thayamma, Krishnamurthipura, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 9358/74-75 dated 22-3-1975)

The property being a garden land with guava plants measuring 8 acres in Survey No. Old 8 and New Nos. 33 and 34, Vaddarpalya, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk,

Boundaries :—

East—Sangamma's Property.

West—Government land.

North—Road and M. C. Sreekantiah's property.

South—Kambavya's property.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th October 1975

C.R. No. 62/3992/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building Old Municipal No. 20/2 and New No. 21/A situated at H. Siddaiah Road, Bangalore-560027 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 5245/74-75 on 4-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri B. P. Papanna Reddy,  
S/O Shri Chickkapilla Reddy,  
No. 60, Lalbagh Road,  
Bangalore-560027.

(Transferor)

(2) Shri H. Syed Habibur Rahman,  
S/O late Alhaj M. Syed Hussain Saheb,  
No. 6, Kuppaswamy Naidu Street,  
Civil Station,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5245/74-75 dated 4-3-1975)  
Building Old Municipal No. 20/2 and New No. 21/A,  
H. Siddaiah Road, Bangalore-560027.

Site area—31'5"×15'=472.5 Sq. ft.,  
Plinth about 12 squares.

Boundaries :—

East by—Krishnamurthy's house measuring 31½'  
West by—Cross road measuring 31½'  
North by—Vendor's remaining portion of the same property measuring 15'  
and South by—H. Siddaiah road, measuring 15'.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th October 1975

C.R. No. 62/3993/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building old Municipal No. 20/2 and New No. 21/A situated at H. Siddaiah Road, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Basavanagudi, Bangalore Document No. 5248/74-75 on 4-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. P. Papanna Reddy,  
S/o Shri Chikkappa Reddy,  
No. 60, Lalbagh Road,  
Bangalore-27.

(Transferor)

- (2) Shrimati Farhath Khanum,  
W/o Shri H. Syed Habibur Rahman,  
No. 6, Kuppuswamy Naidu Street,  
Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5248/74-75 dated 4-3-75)

All that piece and parcel of land with its structures and constructions bearing old Municipal No. 20/2 and New No. 21/1, H. Siddaiah Road, Bangalore-27.

Site area :

36.5' × 15' = 54.75 sq. ft.

Plinth—About 12 squares.

Boundaries :—

East—B. V. Lakshmaiah & Krishnamurthy's house measuring 36½'

West—Cross Road, measuring 36½'

North—B. V. Lakshmaiah's property measuring 15'

South—The property of the Vendor sold to Shri H. Syed Habibur Rehman measuring 15'.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Syed Shamsul Huq S/o Shri Syed Sher Zamair, No. 25, Upstairs, Coles Road, Bangalore-5.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd October 1975

C.R. No. 62/3394/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant commercial site bearing No. 41/22, II Cross, Kalasipalayam, Extension, situated at known as Motinagar, Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 5351/74-75, on 10-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incomes arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) (i) Shri Jahangir Khan, (ii) Shri Mohammed Ali Khan Sons of Shri Rusthum Khan, (iii) Shri Yunus Khan, S/o Sri Fakir Mohammed Khan. All residing at C/o Shri Laxmi Transport Co., No. 57, Kalasipalayam New Extension, Bangalore-2. They are also having Office at Bombay, the address of which is:—No. 85, Isaji Street, Koilwada, Bombay-3.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5351/74-75, dated 10-3-1975)  
The property being a vacant commercial site bearing No. 41/22, II Cross, Kalasipalayam Extension, known as Motinagar, Bangalore-2.  
Site Area :  
East to West—40' } 3200 sq. ft.  
North to South—80' }  
Boundaries :  
East : Building to T.M.A. Rahman built on site No. 42.  
West : Site No. 40 belonging to Lingaraju.  
North : II Cross Road, New Kalasipalayam Extension.  
South : Sri Mohammed Ismail's building.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th October 1975

C.R. No. 62/3995/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House cum shops bearing Municipal Old No. 21/1, New No. 21/83, situated at South End Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 5412/74-75 on 15-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

24—346GI/75

(1) Shri G. Chinnaaswamy Setty, S/o Late Dr. B. Subbaiah Setty. "Sesha Mahal" Vanivilas Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Knmari Malathi. D/o Shri Ramachandraiah Setty, Represented by her father and natural guardian, Shri P. Ramachandraiah Setty, No. 36, South End Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

(3) 1. Shri R. Kuppaiah, 2. Shri Nagaraja Setty, 3. Shri M. V. Krishnamurthy, 4. Shri T. Ranganatharao, 5. Shri T. R. Ramanarayana Murthy, 6. Shri S. P. Gopalakrishna. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5412/74-75, dated 15-3-1975)

All that piece and parcel of land together with the buildings thereon bearing Municipal Old No. 21/1, New No. 21/83, South End Road, Basavangudi, Bangalore-4 in the Corporation Division of 34 consisting of 6 shops on the ground floor and a residential portion in the first floor.

East to West—45'.

North to South—36'.

Boundaries :

North : Premises No. 20, South Cross Road belonging to Krishnappa.

South : South End Road.

East : Premises No. 73 South End Road belonging to Shri Ramachandrappa.

West : South Cross Road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-10-1975

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3996/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. All that piece and parcel of land bearing Municipal No. 275/4, Corporation Division No. 24, situated at Mysore Road, Bangalore-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 5431/74-75 on 17-3-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. G. Prem Kumari (D/o Shri D. Gundu Rao) wife of Shri Krishnamurthy, No. 2807/1, V. V. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Dayabhai Patel, S/o Shri Dayabhai Patel, Ganesh Saw Mill, T. B. Road, Kadur, Chickmagalur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5431/74-75, dated 17-3-1975)

All that piece and parcel of land bearing Municipal No. 275/4, Corporation Division No. 24, Mysore Road, Bangalore-26.

Site area :

North to South : 80'

East to West : (i) 290' on the Northern side, (ii) 284' on the Southern side.

$$\frac{290' + 284' \times 80'}{2}$$

$$= 287' \times 80' = 22,960 \text{ sq. ft.}$$

Boundaries :

East : Land belonging to Shri Muniyappa bearing Corporation No. 268/1.

West : Corporation Road.

North : Land belonging to Mrs. C. S. Nagalakshmi bearing Corporation No. 275/3.

South : Land belonging to Mrs. G. Manorama bearing Corporation No. 275/5.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 20-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. G. Manorama, (D/o Shri D. Gundurao) W/o Shri Krishnamurthy. No. 2807/1, W. V. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gangadas Jesraj Patel S/o Shri Jesraj Patel, Ganesh Timber Traders. (Ganesh Saw Mills); T. B. Road, Kadur, Chickmagalore District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C.R. No. 62/3997/74-75/Acq.(B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. All that piece and parcel of land being Municipal No. 275/5, Corporation Division No. 24 situated at Mysore Road, Bangalore-560026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore, Document No. 5432/74-75, on 17-3-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5432/74-75, dated 17-3-1975)

All that piece and parcel of land bearing Municipal No. 275/5, Corporation Division No. 24 Mysore Road, Bangalore-560026.

Site area :

North to South : 80'.

East to West : (i) 284' on the Northern side, (ii) 276' on the Southern side.

$$\frac{284' + 276' \times 80'}{2}$$

$$= 280' \times 80' = 22,400 \text{ Sq. ft.}$$

Boundaries :

East : Land of Shri L. Muniyappa, Bearing Corporation No. 268/6.

West : Corporation Road.

North : Land belonging to Smt. Prema Kumari, bearing corporation No. 275/4.

South : Land belonging to Smt. Nalini.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax, Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 20-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th October 1975

C.R. No. 62/3998/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece and parcel of land with small Building thereon now known as and bearing Corporation No. 21/2F (formed out of site No. 21/2 and bearing site No. 5), situated at H. Siddiah Road (H. Siddiah Road 5th Cross) in Corporation Division No. 38, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 5483/74-75 on 19-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Syeda Begum, W/o Syed Abdul Rawoff Saheb, No. 87, Thimmiah Road Cross, Bangalore-1. (Transferor)

(2) Shri Ataulla Baig, S/o Hyder Baig Sahib, (No. 13, H. Siddiah Road, Bangalore-27).

Present address :—

No. 64, Meenakshi koil street, Bangalore-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5483/74-75 dated 19-3-1975)

All that piece and parcel of land with small building thereon now known as and bearing Corporation No. 21/2E (formed out of site no. 21/2 and bearing site No. 5) now situated in H. Siddiah Road (H. Siddiah Road 5th Cross), in Corporation Division No. 38, Bangalore.

Site area :

North to South :  $56\frac{1}{2}'$   
East to West :  $41' + 35'$   
2 } 2,128 sq. ft. approximately

Plinth : 365 Sq. ft. including garage.

Boundaries :

North : Private Property.  
South : Premises No. 21/2,  
East : H. Siddiah Road 5th Cross.  
West : Premises No. 21/2.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-10-1975.

Seal :



FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd October 1975

C.R. No. 62/4001/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Commercial building No. 54/1, II cross in between I and II Main Kalasipalayam New Extension, situated at Bangalore (Corporation Dn. No. 39),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 5547/74-75 on 22-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri M. Ramayya, R. Srinivasa Murthy, R. Gnananda, R. Nagaraj, R. Janaradana, Smt. M. Mariyamma, No. 324, Lakkasandra Layout Bangalore-27.  
(Transferor)

(2) S/Shri M. Obaidulla Sheriff, M. Noorulla Sheriff alias Shameem, M. Azmathulla Sheriff alias Mubarak Sons of Sri Obaidulla Sheriff No. 5, Narayana Pillai Street, Kalasipalayam, Bangalore-2.  
(Transferee)

(3) M/s Southern Road Carriers Ltd., M/s Andhra Road Lines.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5547/74-75 dated 22-3-1975)

Commercial building No. 54/1, II Cross, in between I and II Main Kalasipalyma New Extension, Bangalore Corporation Dn. No. 39).

Site area :

East to West : 40'

North to South : 40'

40' x 40' = 1600 sq. ft.,

A two storeyed building is on the site.

Boundaries :

East : Premises 55 belonging to Sri Puttaiah.

West : Premises of Sri Bettappa.

North : Road

South : Premises of Smt. Saraswathamma.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th October 1975

C.R. No. 62/4019/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece of dwelling vacant site forming a portion of No. 5/2 (Old No. 13/7) situated at Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 5187/74-75 on 1-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Abdul Latheef Saheb 2. Shri K. Abdul Rahman Saheb 4. K. Abdul Bari Saheb Sons of, late Shri Abdul Khader Saheb, all residing at No. 4, Thimmaiah Road, Civil Station, Bangalore.  
(Transferor)

(2) Shri Syed Noor Ahmed, S/O late Syed Abdul Khader, No. 34, 12th Main, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5187/74-75 dated 1-3-1975)

All that piece of dwelling vacant site forming a portion of No. 5/2 (Old No. 13/7), Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore.

Site area :

E—W : 30' } 1,800 Sq. ft.  
N—S : 60'

Boundaries :

East : Private passage leading to the main building.

West : Other portion of premises No. 5/2 (Old No. 13/7), Benson Cross Road.

North : Vacant site 10'x60' this day sold by the vendors to Nayeemulla Khan Asig adjoining the premises No. 5/3, Benson Cross Road.

South : Other portion of premises No. 5/2 (Old No. 13/7) Benson Cross.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st October 1975

C.R. No. 62/4020/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 88/1, X Cross between II and III Main situated at Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 521/74-75 on 4-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Krishnaswamy Mudaliar, No. 45, Balepet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri N. Nagaraj, No. 54, IV Cross, Nehrunagar, Bangalore-20.

(Transferee)

(3) Shri A. V. Anjaneya Sharma, Shri K. S. Madhava Rao, Shri Sham Sunder and Shri P. V. Ramanath.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5211/74-75 dated 4-3-1975)

Premises No. 88/1, X Cross, between II and III Main, Malleswaram, Bangalore.

Site area :

East to West : 30'

North to South : 42'

—30' x 42' = 1260 Sq. ft.

A storey building constructed on it.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd October 1975

C.R. No. 62/4039/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential house (Old No. 5) present No. 8, situated at I Cross, Dhanakai Kasappa Lane (Cross road of B. V. K. Iyengar road) Balepet, Bangalore city (Corporation Division No. 16), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 5584/74-75 on 27-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mani Bai, W/o Shri S. T. Ananta, (2) Shri S. T. Ananta, S/O Shri Sarode Tulajappa, both residing at No. 5, I Cross, Dhanakai Kasappa Lane, Balepet, Bangalore city.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavari Bai, W/O Shri S. Bhavarlal, 2. Shri S. Bhavarlal, S/O Surajmal, both residing at No. 8, I Cross Dhanakai Kasappa Lane, Balepet, Bangalore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5584/74-75 dated 27-3-1975)

Residential house (Old No. 5); Present No. 8 Dhanakai Kasappa Lane, (Cross road of B.V.K. Iyengar Road) I Cross, Balepet, Bangalore city (Corporation Division No. 16).

Site area:

East to West : 32'

North to South : 16'

= 32' x 16' = 512 Sq. ft.

Plinth:—

Ground floor : 5 squares.

I floor : 5 squares.

Boundaries:

East : Dhanakai Kasappa Lane.

West : Narayana Iyengar's house.

North : Kundanmal's property.

South : Shivarudrappa's house.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st October 1975

C.B. No. 62/4121/74-75/Acq(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant residential sites belonging to the old survey No. 79/5, A-2, and present individual Municipal Nos. as 9/13, 10/12, 1/11, 12/10, 17/44, 18/43, 19/42 and 20/41 (Byrasandra village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk) situated at in Visveswaraiyah Block, Byrasandra IV East Jayanagar, Bangalore (Division No. 36)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 4239/74-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Visveswariah,  
S/o late Shri B. Kavetappa,  
No. 82, Visveswaraiyah Layout,  
IV East, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Navanitrai Vora, S/o Shri Jamnadas Vora,  
No. 34, Bathing Ghat Lane, Chickpet,  
Bangalore-2.
2. Smt. Kapila Vora W/o Shri Vinodrai Vora,  
No. 397, I & III East, Jayanagar,  
Bangalore-11.
3. Shri Venkatappa alias Katappa, No. 7,  
II Cross, Byrasandra, Bangalore-11.
4. Shri Anwar S/o Shri Mohamed Peer, No. 21,  
18th Cross, Noha Street,  
Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4239/74-75 dated 20-3-1975).  
Vacant residential sites belonging to the old Survey No. 79/5, A-2 and present individual Municipal Nos. as 9/13, 10/12, 11/11, 12/10, 17/44, 18/43, 19/42 and 20/41 (Byrasandra village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk) in Visveswaraiyah Block Byrasandra IV East Jayanagar, Bangalore (Division No. 35).

Total site area:

- E to W: (i) 162' on the Northern side.  
(ii) 165' on the Southern side.

- N to S: (i) 133' on the Eastern side.  
(ii) 131' on the Western side.

$$E. W = \frac{162' + 165'}{2} \times \frac{N.S. 133' + 131'}{2}$$

$$= \frac{327'}{2} \times \frac{264'}{2} = 163' \times 132' = 21516 \text{ sq. ft.}$$

Boundaries:

- West: Remaining property of vendor sold to vendee advance agreement dated 24-4-1974.  
East: Property of Vinodrai Vora and others sold by Vendors.  
North: Corporation C. A. land and road.  
South: Remaining property of vendor.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-10-1975

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st October 1975

C. R. No. 62/4125/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant residential sites belonging to the old Survey No. 79/5, A-2 and present individual Municipal Nos. 15/1, 14/8 and 13/9 (Byrasandra Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk) in Visveswariah Block, Byrasandra IV East, Jayanagar, Bangalore (Division No. 35), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 22-3-1975 Document No. 4301/74-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act'. to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Visveswaraiah, S/o late Shri Kavetappa No. 82, Visveswaraiah Layout, IV East, Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Navanitrai Vora, S/o Shri Jamnadas Vora, No. 34, Bathing Ghat Lane, Chickpet, Bangalore-2.  
(2) Smt. Kapila Vora, W/o Shri Vinodrai Vora, 397, I & III East, Jayanagar, Bangalore-11. (3) Shri Venkatappa alias Katappa, No. 7, II Cross, Byrasandra, Bangalore-11. (4) Shri Anwar, Son of Shri Mohamed Peer, No. 21, 18th Cross, Noha Street, Bangalore-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4301/74-75 dated 22-3-1975)

Vacant residential sites belonging to the old survey No. 79/5-A-2, and present individual Municipal Nos. 15/7, 14/8 and 13/9 (Byrasandra Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk) in Visveswariah Block, Byrasandra IV Block East, Jayanagar, Bangalore (Division No. 35).

Site area :

E to W : 75' }  
N to S : 105' } 7875 sq. ft.

Boundaries :

East : Property of Vendees sold by Vendor as per sale deed dt. 20-3-1975.

West : Property of late Sadhu Ramiah Reddy.

North : Road.

South : Remaining property of Vendor.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th October 1975

C. R. No. 62/4131/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a vacant site bearing Municipal No. 30/6, (Corporation Division No. 62) situated at Nanjappa Road, Shantinagar, Bangalore, Jayanagar, Bangalore on 31-3-1975 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Document No. 4378/74-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kanakavalli,  
W/o Dr. B. S. Panduranga,  
V. V. Puram, Bangalore-4. (Transferor)
- (2) 1. Shri Madhav D. Khasnis,  
S/o Shri D. B. Khasnis,  
2. Smt. Neela S. Khasnis, W/o Sri Suresh  
D. Khasnis,  
Both residing at No. 42/5, Ranga Rao Road,  
Shankarapuram, Bangalore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4378/74-75 dated 31-3-1975).  
The property being a vacant site bearing Municipal No. 30/6, (Corporation Division No. 62), Nanjappa Road, Shantinagar, Bangalore.

Site area:

East to West:

- (i) 115' on the Northern side.
- (ii) 116'.6" on the Southern side.

North to South: 45'

$$115' + 116'.6" \times 45'$$

$$= 115' \times 45' = 5,175 \text{ Sq. ft.}$$

Boundaries:

East: Church Street.  
West: Property of Nandalal Nichani.  
South: Property of P. Nanjappa.  
North: Property of V. G. Hardikar.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-10-1975

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th October 1975

C. R. No. 62/4099/75-76/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant land being part of premises No. 1-D (old No. 5) situated at Palace Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 16-4-1975 Document No. 233/75-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri K. Basavaraj Urs,  
S/o late Shri Muddaraj Urs, "Sri Ramaleela",  
No. 5 (old), No. 1-A, Palace Road,  
Bangalore-1.  
By his power of Attorney Holder Shri K. B. Ramachandraraj Urs.
2. Shri K. B. Ramachandraraj Urs, S/o  
Shri K. Basavaraj Urs,  
No. 5 (old), No. 1-A, Palace Road,  
Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) Shri D. M. Shivaswamy,  
S/o late Shri D. S. Mallappa,  
Partner in M/s. Deshmudre & Sons,  
Garudachar building, Avenue Road, Bangalore.  
No. 26, Viswanatha Rao Road,  
Madhavanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land being part of premises No. 1-D (Old No. 5) Palace Road, Bangalore-1.

Site area:

N to S = 90'

(Registered in Document No. 233/75-76 dated 16-4-75)

East = 128'

West = 144'

$90' \times 128' + 144' = 12,240 \text{ sq. ft. or } 1360 \text{ sq. yds.}$

2

Boundaries:

North: Approach Road

South: Property conveyed by the vendors in favour of Smt. Nirmala, S.D.

East: Vacant land belonging to vendors in No. 1-D

West: Land conveyed in 1971 by vendors to one Shri Narasimhan.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-10-1975

Seal:



FORM ITNS

(1) Shri Kameshwar Parshad and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1975

Ref. No. 90-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

104 situated at Canal Road Hardoi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardoi on 30-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house No. 104 situated at Canal Road, Hardoi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-11-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sardar Waryiam Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjana Agarwal and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1975

Ref. No. 71-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Prem Road, The Mall, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nainital on 19-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot of land measuring about 4775 Sft situated at the Mall, Nainital.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1975  
Seal :

FORM ITNS

(1) Kanchan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Devi and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1975

Ref. No. 88-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vill. Sihipur (Sittipur) Distt Faizabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bikapur-Faizabada on 26-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 57 Bighas and 16 Biswansi situated at Vill. Sihipur (Sittipur), Distt Faizabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 6-11-1975

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Raja Ram Jajodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

(2) Smt. Janki Devi Jajodia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Lucknow, the 6th November 1975

Ref. No. 28-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-22/8A, situated at Kabir Road, Varanasi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 27-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

One house No. C-22/8A situated at Kabir Road, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kadar Nath Vadhwa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarawati Devi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1975

Ref. No. 89-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, 530/4 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Moh. Ehelkhpura Chand Ganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

26—346GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House 2 storied No. 530/4 situated in Mohalla Sheikhpura Chand Ganj, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ranjeet Roy &amp; Others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra Singh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1975

Ref. No. 86-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

116 situated at Hoshiarpur Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 116 situated at Hoshiarpur Road, George Town Extension Scheme, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prabal Roy and Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Km. Santosh Kumari Saxena.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1975

Ref. No. 87-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116 situated at Hashimpur Road, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 501 Sq. yards situated at 116, Hashimpur Road, George Town Extension Scheme, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Roy &amp; Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indra Misra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1975

Ref. No. 7-I/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, situated at Hashimpur Road, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 116 situated at Hashimpur Road, George Town Extension Scheme, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-10-1975  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Ranjeet Roy & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

Lucknow, the 21st October 1975

Ref. No. 86-S/Acq(B).—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, situated at Hashimpur Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 16-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Plot No. 116 situated at Hashimpur Road, George Town Extension Scheme, Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 21-10-1975  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Indrajit Chamanlal Parekh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranbir Raj Kapoor,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE-V,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-400020,

Bombay-400020, the 7th November 1975

Ref. No. AR. V/(322/31)/74.—Whereas, I, J. M. Mehra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 63 Plant No. 1 (pt.) CTS No. 418 situated at Deonar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel or land or ground containing by admeasurement one acre and four gunthas (5324 sq. yds.) 4451.53612 sq. metres or thereabouts together with the Bungalow, servants quarters and garage standing thereon situate lying and being in the village of Deonar in the Registration District and Sub. District of Bombay City and Bombay Suburban, now forming part of Greater Bombay bearing alongwith the whole of Deonar Collector No. 88 in the Records of Collector of Thana, Survey No. 63 Plant No. 1 (pt.) Hissa No. None (Nil) and C.T.S. No. 418 of Deonar and Municipal Nos. 2745(2) to 2745(6) and is bounded as follows :— that is to say on or towards the North and East by Nallah on or towards the South by a Road and on or towards the West by the property formerly of Berozebai widow of Ardeshir Shapurji Nariewalla.

J. M. MEHRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-Tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 7-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1975

Ref. No. ASR/AP-1018/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property situated at Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. Iqbal Singh  
s/o Shri Gian Singh &  
Smt. Balbir Kaur d/o Gian Singh  
s/o S. Wasan Singh, Kothi No. 59,  
Hukam Singh Road, Amritsar.
- (2) M/s New Suraj Transport Co (P) Ltd.  
O/s Hall Gate, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property].  
Smt. Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh,  
Baldev Kaur w/o Shri Joginder Singh,  
Hukam Singh Road, Amritsar.  
(Parties impleaded)
- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3284 of December, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-11-1975  
Seal :

## FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/March-I/665(42)/74-75.—

Whereas, I, C. V. Gupte,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

N-212 situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 16-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Siri Chand Narula,  
S/o Late Punnu Ram Narula,  
House No. N-212 Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Harbant Kaur W/o S. Jaswant Singh,  
r/o 93-L, Model Town, Jullundur, (Pb).  
2. S. Narwant Singh, S/o S. Hira Singh r/o 93-L,  
Model Town, Jullundur (Pb.)  
3. Smt. Jagjit Kaur, W/o Sh. Prehlad Singh,  
694/1 Ward No. 1, Ambala City.  
(Transferee)
- 3. Smt. Jagjit Kaur, W/o Sh. Prehlad Singh,  
Greater Kailash, New Delhi.  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All rights, title & interest of the transferor into, or upon  
the plot of land bearing No. N-212, measuring 295 sq. yds.  
together with a 2½ storeyed building constructed thereon,  
situated in the residential colony of Greater Kailash-I, Village  
Zamrudpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 7-11-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashfaq Hussain and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadhu Singh and Others.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Lucknow, the 1st September 1975

Ref. No. 80-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
110/K and 612/1 etc.  
situated at Vill. Jarawan, Distt. Sitapur,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sidhauri on 9-4-1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'Said Act' in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any monies or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Agricultural Land measuring 52.38 Acres, situated at  
Vill. Jarawan, Distt. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commission of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 1-9-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Ratanchand Sacheti  
s/o Shri Hirachand Sacheti,  
resident of Lakhan Kothari, Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ganpati Oil Mills, Beawar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

Jaipur, the 5th November 1975

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/280.—Whereas, I, C. S. Jain,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

8/18, situated at Damodardas Rathu Marg, Beawar,

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Beawar on 31st March, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 1460 sq. yds. alongwith construction  
thereon demarcated as A, B, C, D, E, F out of property  
bearing municipal No. 8/18 situated at Damodardas Rathu  
Marg, Beawar.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jaipur

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jatanchand Sacheti  
s/o Shri Hirachand Sacheti,  
resident of Lakhan Kothari, Ajmer. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ganpati Oil Mills, Beawar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 5th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/281.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/18, situated at Damodardas Rathi Marg, Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 31st March, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Land measuring 510 sq. yds. alongwith construction thereon demarcated as B, C, J, K out of property bearing municipal No. 8/18 situated at Damodardas Rathi Marg, Beawar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Inderchand Sacheti s/o Sh. Hirachand Sacheti,  
R/o Lakhani Kothari, Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ganpati Oil Mills, Beawar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 5th November 1975

Ref. No. Raj./IAC/(Acq.)/282.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/18, situated at Damodardas Rathi Marg, Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 5th April 1975, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1750 sq. yds. alongwith construction thereon demarcated as K, J, M, N, T2, T3, T4, L & K out of property bearing municipal No. 8/18 situated at Damodardas Rathi Marg, Beawar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-11-1975  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Kushalchand Sacheti  
s/o Sh. Hirachand Sacheti,  
resident of Lakhan Kothari, Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ganpati Oil Mills, Beawar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 5th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj./IAC/(Acq.)/283.—Whereas, I, C. S. Jain,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

8/18, situated at Damodardas Rathi Marg, Beawar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
Beawar on 7th April 1975,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Land measuring 1680 sq. yds. alongwith construction there-  
on demarcated as J,M, N, T1, U, V, V1, & V2 out of property  
bearing Municipal No. 8/18 situated at Damodardas Rathi  
Marg, Beawar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-400020,

Bombay-400020, the 7th November 1975

Ref. No. AR/III/700/Mar.75.—Whereas, I, R. G. Nirurkar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 263 (Part) CTS.No. 8 situated at Malvani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 6-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Anu Lawrence Mendes  
2. Gabriel Francis Mendes  
3. Anton Francis Mendes  
4. Anslem Francis Mendes  
5. Johana James Gracious  
6. Olga Sebastian Rodrigues, "Kharodi", Marve Road, Malad Crass, Bombay-64  
7. Paulin John Patel, 533 A, Bandra Bazar Gate Road, Bombay-50.

(Transferor)

- (2) Bafhira Builders Pvt. Ltd., Neptune Court, Napean Sea Road, Bombay-400006,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of agricultural land or ground situate lying and being at Village Malavani within Greater Bombay and in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay City and Suburban bearing Survey No. 263 (Part) and C.T.S. No. 8 and admeasuring 89,450 square yards (equivalent to 74,450 square metres) or thereabouts forming part of the land described in the Schedule 'A' hereinabove written and bounded as follows; that is to say, On or towards the West and North by another portion of the agricultural land bearing Survey No. 263 (Part) On or towards the South by Malad Marve Road, and On or towards the East by Agricultural land bearing Survey No. 273 (Part).

R. G. NERURKAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6  
Madras-6, the 11th November 1975

Ref. No. F. XVI/12/75/74-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Survey No. 310/2C situated at Thirumalaigiri village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. N. Umashankar,  
Shri S. N. Pranatharthiharan &  
Shri S. N. Seshadri,  
174, Second Agraharam, Salem-1.  
(Transferor)

(2) Shri Palaniappan,  
mallasamudram,  
Thiruchengode Tq.  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3.60 acres in Survey No. 310/2C, Thirumalaigiri Village, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 11-11-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6

Madras-6, the 11th November 1975

Ref. No. F. XVI/12/78/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Survey No. 310/1A situated at Thirumalaigiri village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namakkal on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s S. N. Umashankar,  
S. N. Pranatharthiharan &  
S. N. Seshadri,  
2nd Agraharam, Salem-1.

(Transferor)

(2) Shri M. Kuppuswamy,  
Lakshmiapuram, Pallipalayam,  
Thiruchengode Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.30 acres in Survey No. 310/1A at Thirumalaigiri village, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 12th November 1975

Ref. No. F.IX/1/1/74-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35, situated at Suryanarayana Chetty St., Madras-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—346GI/75

(1) Shri Felix Vijay Kumar Jeyapalan &  
Shri E. D. Jeyapalan,  
73, Thanthoniamman Koil St., Villivakkam,  
Madras-49.

(Transferor)

(2) Mrs. P. Pattammal,  
W/o S. Padmanabhan,  
60/1, Singanna Chetty, St., Chintadripet,  
Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 108 sq. ft. at Plot No. 35, Suryanarayana Chetty Street, Royapuram, Madras-13 (R.S. No. 3057—part).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-11-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1.  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1975

Ref. No. F. XVI/19/67/74-75.—Whereas, I, G. Ramanathan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 57/1 situated at Ammapettai, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 593/75) on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ariyaputhra Mudaliar, Krishnasamy, A. Rajarathnam, Manoharan, Lakshminathan, Srihivasan & Sivagurunathan, Smt. Kamalavathi & her minor son, Shri Nandakumar, Second Agraharam, Salem.

(Transferor)

(2) Shri Ramaswamy, Maniyanoor village, Namakkal Taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1.47½ acres in T.S. No. 57/1, Block 5, 'M' Ward Ammapettai village, Salem town.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1975

Ref. No. F. XVI/19/69/1974-75.—Whereas, I, G. Rama-  
nathan  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. T.S. 57/1 situated at Ammapettai, Salem  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Salem (Doc. No. 592/75) on March 1975  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely:—

(1) M/s. Ariyaputhra Mudaliar, Krishnasamy, A.  
Rajaratnam, Manoharan, Lakshmikanthan, Sriniva-  
san & Sivagurunathan, Smt. Kamalavathi & her  
minor son, Shri Nandakumar, Second Agraharam,  
Salem.

(Transferor)

(2) Shri Chellappan,  
Ponnampettai, Ammapettai,  
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.47½ acres in T.S. No. 57/1, Block 5, 'M'  
Ward, Ammapettai village, Salem town.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. N. Umashankar, S. N. Pranatharthiharan & S. N. Seshadri, 174, Second Agraharam, Salem-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Kuppusamy,  
Lakshmipuram, Pallipalayam,  
Tiruchengode, Tq.,  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1975

Ref. No. F. XVI/20/57/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey 312/1A situated at Thirumalaigiri village, Salem Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sendamangalam on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural lands measuring 6.15 acres at Survey No. 312/1A, Thirumalaigiri village, Salem district.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1975

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 7th November 1975

Ref. No. AR/III/699/Mar. 75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar the Inspecting Asst. Commissioner of Income, Tax, Acquisition Range III Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter exceeding Rs. 25,000/- and bearing the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 263 (Part) C.T.S. No. 5 situated at Malvani (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar's Office, Bombay on 6-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Anu Lawrence Mendes (2) Gabriel Francis Mendes (3) Anton Francis Mendes (4) Anslem Francis Mendes (5) Johana James Gracious (6) Olga Rodrigues, "Kherodi", Marve Road, Malad, Bombay-64 (7) Paulin John Patel, 355 Bazar Gate Cross Road, Bandra.  
(Transferor)

(2) Bafhira Builders Pvt. Ltd.,  
Neptune Court, Napean Sea Road,  
Bombay-400006.  
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL those pieces or parcels of Agricultural land or ground situate lying and being at Village Malavani, within Greater Bombay in the Registration Sub District Bandra, District Bombay City and Suburban bearing Survey No. 263 (part) and C.T.S. No. 5 and admeasuring 115645 square yards (equivalent to 96690 square metres) or thereabouts forming part of land described in the Schedule 'A' and bounded as follows that is to say, On or towards the West, North and South by agricultural land bearing Survey No. 263 (Part) and On or towards the East by agricultural land bearing Survey No. 273 (Part).

R. G. NERURKAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range III, Bombay

Date : 7-11-1975  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th November 1975

Ref. No. ASR/AP-290/73-74.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Abadi Kishan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Mela Singh s/o Shri Bur Singh of Delhi, Jansi Road 8-E Jhandiwala, Surjit Singh Parkash Singh ss/o Smt. Gian Kaur D/o S. Jaimal Singh of Amritsar Majitha Road Smt. Gurcharan Kaur w/o Lt. Col. Kartar Singh of Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagdish Chand Bhatia s/o Daulat Ram, Gopal Dass s/o Ishar Dass of Gali Kharasian Kt. Bhagian Amritsar and O.P. Mani Agent Indian Overseas Bank, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and Smt. Sudershan Prabha w/o Shri Jagdish Chander Bhatia Gali Kharasian, Amritsar (Party impleaded).

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 422 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdayal Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 25th September 1975

Ref. No. 23-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42, 49A and 63 situated at Rangam Amirta Teh. Shahabad Distt. Hardoi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahabad on 9-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural Land—measuring 24 Bighas 9 Biswas and 10 Biswansi, situated in Rangam Amirta Chanki Pargana Mansurnagar, Teh. Shahabad Dist. Hardoi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-75  
Seal :

